राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान
National Institute of Design
मध्यप्रदेश Madhya Pradesh

प्रथम वार्षिक रिपोर्ट

"एक
व्यक्ति
परिवर्तन
ला सकता है।
एक टीम
चमत्कार
कर सकती है।"

डग पेडरसन

2019 - 20

प्रथम वार्षिक रिपोर्ट

LIBRARY
ACADEMIC BLOCK
AMPHITHEATRE
WORKSHOP
AUDITORIUM
ADMIN BLOCK

23.365278° N, 77.372049° E

विषय वस्तु

1

1. परिचय

1.1 हमारे बारे में 15
1.2 वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय तथा डीपीआईआईटी 16
1.3 राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान अधिदेश 18
1.4 राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान अधिनियम 19
1.5 राष्ट्रीय महत्व का संस्थान(आईएनआई) 21
1.6 एनआईडीएमपी ब्रैंडिंग 22
1.7 भारत में डिजाइन की उत्पत्ति और आरंभ 24
1.8 एनआईडीएमपी का इतिहास 25

2

2. वैधानिक निकाय

2.1 संचालन परिषद और सदस्य 32
2.2 संचालन परिषद की स्थायी समिति 35
2.3 सीनेट 36
2.4 फैकल्टी फोरम 37

3

3. विभाग और शैक्षणिक संकाय

3.1 फैकल्टी स्ट्रीम औद्योगिक डिज़ाइन संकाय (एफआईडी) 41
संचार डिजाइन संकाय (एफसीडी)
वस्त्र और परिधान डिजाइन संकाय (एफटीएडी)
सूचना प्रौद्योगिकी एकीकृत डिजाइन संकाय (एफआईटीआईडी)
डिजाइन आधारित अंतरविषयक अध्ययन (एफडीबीटीएस)

3.2 संस्थान का प्रबंधन 42
3.3 गतिविधि प्रमुख 44
गतिविधि प्रमुख के कार्य - शिक्षण प्रशिक्षण
गतिविधि प्रमुख के कार्य - कार्यनीतिक योजना
गतिविधि प्रमुख के कार्य - अनुसंधान विकास और ज्ञान प्रबंधन केंद्र
गतिविधि प्रमुख के कार्य - वैश्विक संपर्क प्रकोष्ठ
गतिविधि प्रमुखो के कार्य - आरोग्य केंद्र

4

4.शैक्षणिक कार्यक्रम

4.1 फाउंडेशन अध्ययन (अंडर ग्रैजुएट कार्यक्रम)- एक वर्ष 47
4.2 स्नातक डिजाइन बी.डिज. (औद्योगिक डिजाइन) 54
4.3 स्नातक डिजाइन बी.डिज. (संचार डिजाइन) 57
4.4 स्नातक डिजाइन बी.डिज. (वस्त्र और परिधान डिजाइन) 59
4.5 डिजाइन शिक्षा की रूपरेखा 62
4.6 गुणवत्ता प्रबंधन 63

5

5.उपलब्धियां और गतिविधियां

5.1 संबद्धता और सदस्यता 66
5.2 पुरस्कार और मान्यता 68
5.3 विशिष्ट आगंतुक 68
5.4 आयोजन 70
डिजाइन अभिविन्यास सप्ताह
सतर्कता जागरुकता सप्ताह
सीपीपी पोर्टल एनआईसी प्रशिक्षण
5.5 फैकल्टी और स्टाफ के लिये मानव संसाधन विकास गतिविधियां 74

6

6.शिक्षण और अध्ययन संसाधन

6.1	स्वीकृत पदों की सूची	77
6.2	31मार्च 2020 को स्वीकृत पदों की सूची	79
6.3	फैकल्टी और स्टाफ रूपरेखा	80
6.4	परिसर	84
6.5	बुनियादी ढांचा	84
6.6	प्रशासनिक खंड	85
6.7	अकादमिक खंड	88
6.8	कार्यशाला खंड	89
6.9	आईटी केंद्र	90
6.10	ज्ञान प्रबंधन केंद्र	91
6.11	प्रेक्षागृह	94
6.12	रंग भवन (निर्माणाधीन)	95
6.13	छात्रावास (लड़कियां और लड़के)	96
6.14	भोजनालय और कैफेटेरिया	97
6.15	डिजाइन शॉप	98
6.16	खेलकूद सुविधायें (इनडोर/आउटडोर)	99
6.17	मल्टी फेसिलिटी रीजुवेनेशन सेंटर (एमएफआरसी)	100
6.18	आवासीय खंड	102
6.19	अतिथि गृह	103
6.20	चिकित्सा कक्ष	104
6.21	सुरक्षा	104
6.22	हरीतिमा और खुला स्थल	105

7

7. कैम्पस लाईफ

7.1	मध्यप्रदेश डिजाइन उत्सव (एमपीडीयू) मोज़ैक	107
7.2	परिसंवाद (विचार गोष्ठी)	
7.3	ग्रीन ड्राईव	117
7.4	एनईकेसी 3 (आयोजित)	120
7.5	समारोह	122
7.6	प्रथम स्थापना दिवस	123
7.7	स्वच्छता ही सेवा	128
7.8	राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान मध्य प्रदेश का जीवन, अपने निवासियों के लिये	130
7.9	विद्यार्थी गतिविधियां	131
		134

8

8. वित्तीय संसाधन

8.1	पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट	138
8.2	वार्षिक लेखा	142

9

9. परिशिष्ट

9.1	परिशिष्ट 1	168
9.2	परिशिष्ट 2	173

प्रस्तावना

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ऊर्जावान नेतृत्व में हम आत्मनिर्भर भारत के सामूहिक लक्ष्य को प्राप्ति की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। पिछले छह वर्षों में सरकार की परिवर्तनकारी नीतियां और अनुकूल व्यवस्था उद्योग के सभी क्षेत्रों में काफी सहायक रही हैं। इस संबंध में राष्ट्रीय डिजाइन नीति भारत को एक डिजाइन सक्षम नवाचारी अर्थव्यवस्था बनाने, मौलिक भारतीय डिजाइनों के सृजन और उनकी वैश्विक पहुंच और ब्रांडिग सुनिश्चित करने में मददगार है।

सरकार ने सृजनात्मक क्षमता के विकास के लिए चार नए राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान की स्थापना से देश में डिजाइन शिक्षा को बढ़ावा देने का महत्वपूर्ण प्रयास किया है। इससे देश की औद्योगिक प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता में वृद्धि होगी। चार नवगठित संस्थानों में से एक राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान-एन आई डी मध्य प्रदेश ने फरवरी 2019 में अपनी स्थापना के बाद से महत्वपूर्ण प्रगति की है। आज राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान मध्य प्रदेश राष्ट्रीय महत्व का एक गौरवशाली संस्थान बन गया है। गुणवत्तापूर्ण डिजाइन शिक्षा के लिए स्थापित यह संस्थान आकर्षक और सुलभ भारतीय डिजाइनों को विकसित कर राष्ट्रीय निर्माण में योगदान कर रहा है। संस्थान ने दिसंबर 2020 में मध्य प्रदेश वार्षिक डिजाइन उत्सव का सफल आयोजन किया है। इसी ऊर्जा और सक्रियता से संस्थान ने समकालीन दौर में डिजाइन क्षेत्र की चुनौतियों और डिजाइनरों की भूमिका पर विचार-विमर्श के लिए 'थिनकिन' प्रयास के तहत नियमित रूप से कई कार्यक्रमों का संचालन किया।

मैं संस्थान को उसके समर्पित प्रयासों और अकादमिक वर्ष 2019-20 में उपलब्ध सफलता के लिए हार्दिक बधाई देता हूं। मुझे पूरा विश्वास है कि एन आई डी मध्यप्रदेश आने वाले वर्षों में सफलता की नई ऊंचाईयों का स्पर्श करेगा।

पीयूष गोयल

सत्यमेव जयते

भूमिका

भारतीय बाजारों और इसकी वैश्विक पहुंच के साथ-साथ व्यवसाय के बीच प्रतिस्पर्धा भी लगातार बढ़ती जा रही है। ऐसी स्थिति में औद्योगिक डिजाइनों का व्यावसायिक महत्व बहुत ही बढ़ जाता है क्योंकि विशिष्ट और आकर्षक उत्पाद बिक्री की दृष्टि से महत्वपूर्ण साबित होते हैं। उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग-डीपीआईआईटी, ने डिजाइन की क्षमता और रचनात्मक प्रतिभा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से डिजाइन शिक्षा को विकसित करने का महत्व समझते हुए वर्ष 2007 में राष्ट्रीय डिजाइन नीति लागू की थी।

2. डिजाइन क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रसार के लिए वर्ष 2019-20 में राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान-एन आई डी मध्य प्रदेश की स्थापना की गई। उद्देश्य था ऐसे डिजाइनर तैयार करना जो प्रतिस्पर्धी ज्ञान अर्थव्यवस्था में सफल हो सकें। यहां यह उल्लेख करना प्रेरक रहेगा कि वर्ष 2019-20 के पहले अकादमिक वर्ष में 57 विद्यार्थी संस्थान से जुड़े और वे संचार डिजाइन, औद्योगिक डिजाइन तथा वस्त्र और परिधान डिजाइन का अध्ययन कर रहे हैं।

3. आर्थिक, औद्योगिक और सामाजिक विकास में डिजाइन के बढ़ते महत्व को देखते हुए एन आई डी मध्यप्रदेश ने उद्योग जगत, डिजाइनरों और अन्य हितधारकों के साथ परामर्श प्रक्रिया की शुरूआत की। इसके साथ संस्थान प्रमुख औद्योगिक संगठनों का सदस्य बन गया है। इनमें भारतीय उद्योग परिसंघ-सीआईआई, भारतीय वाणिज्य और उद्योग महासंघ-फिक्की, मध्यप्रदेश वाणिज्य और उद्योग परिसंघ-एफएमपीसीसीआई और भारतीय वाणिज्य और उद्योग मंडल-एसोचैम शामिल हैं। एन आई डी मध्यप्रदेश नियमित बैठकों के माध्यम से इन संगठनों के वरिष्ठ अधिकारियों के संपर्क में रहा है। डिजाइन पेशे के समन्वित विकास के लिए इस प्रकार का सहयोग आवश्यक है। आशा है कि ये प्रयास भारत में डिजाइन सेवा तथा डिजाइन से संबंधित अनुसंधान और विकास क्षेत्र में निवेश आकर्षित करने में सफल रहेंगे।

4. एन आई डी मध्यप्रदेश अध्ययन, नवाचार और डिजाइनिंग का रचनात्मक स्थल है। इसी के साथ यह समाज के भी संपर्क में है और बेहतर भविष्य के लिए बदलाव लाने में प्रयासरत है। यह देखना भी सुखद है कि एन आई डी मध्यप्रदेश किस प्रकार अपने आदर्शों के प्रति निष्ठावान रहते हुए राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक-नाबार्ड से प्रायोजित स्व सहायता समूहों को क्रय-विक्रय का प्रशिक्षण देकर उनकी मदद कर रहा है। वर्तमान समय में संस्थान सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, मध्यप्रदेश सरकार के साथ राज्य में फर्नीचर केंद्र की स्थापना के लिए काम कर रहा है।
5. मैं इतने कम समय मे आश्चर्यजनक पहलों और उपलब्धियों के लिए एन आई डी मध्यप्रदेश को बधाई देता हूं। मुझे आशा है कि संस्थान और इसके उभरते डिजाइनर इसी ऊर्जा और उत्साह के साथ अपना काम जारी रखेंगे।

गुरूप्रसाद महापात्रा

सत्यमेव जयते

धीरज कुमार

निदेशक,
(राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्यप्रदेश)

मैं, राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान मध्यप्रदेश (एन आई डी-एमपी) का पहली वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। यह रिपोर्ट कई मायनों में अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह हमेशा मध्य भारत में औपचारिक डिजाइन पहलों का आधार दस्तावेज मानी जाएगी। एन आई डी एमपी की पूरी स्थापना टीम ने इस ऊर्जा के सृजन के लिए रात-दिन अथक प्रयास किया है। उनके प्रयास और उनकी नवाचारी पहल सुदृढ आधारस्तंभ बन गए हैं जो इतिहास में स्थायी रूप से दर्ज रहेंगे। रिपोर्ट में हम आपको उस प्रगति से अवगत कराएंगे जो संस्थान की आधारशिला रखे जाने के बाद से प्राप्त हुई है और साथ ही उन प्रयासों की भी जानकारी देंगे जो सौंपे गए दायित्व को पूरा करने में किए गए हैं। यह रिपोर्ट पुस्तिका नौ प्रमुख अध्यायों में बंटी है, जिससे अपेक्षित जानकारी प्राप्त करने में आसानी होगी। हमारे समक्ष आने वाली चुनौतियों के बावजूद संस्थान भवन और अधिकांश सुविधाएं लगभग तैयार हैं। इस रिपोर्ट पुस्तिका में संबंधित चित्र भी दिए गए हैं, जो इस तथ्य को प्रमाणित करते हैं कि 'एक तस्वीर हजारों शब्दों के बराबर है'। ये तस्वीरें आपको हमारे अथक प्रयासों से अवगत कराएंगी।

भारत में डिजाइन क्षेत्र को अभी भी अपनी पूरी क्षमता तक पहुंचना है और वास्तविक योगदान करना है। माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश विभिन्न पहल और सुधारों के माध्यम से नया आकार ले रहा है। ये सुधार देश को विश्व नेता के रूप में स्थापित करने की सुदृढ आधारशिला रखेंगे। वैश्विक अर्थव्यवस्था में डिजाइन किसी भी उत्पाद को प्रतिस्पर्धी, विशिष्ट और मूल्य संवर्द्धित बनाने का रणनीतिक माध्यम है।

नए राष्ट्रीय डिजाइन संस्थानों को सभी उद्योगों के व्यवसाय विकास में डिजाइन की केंद्रीय भूमिका स्थापित करने और हमारी जीवनशैली में भारतीय सौंदर्यबोध के प्रति आदर बढाने का दायित्व दिया गया है। एन आई डी मध्यप्रदेश और इसकी पूरी टीम राष्ट्रीय

निर्माण के इस पुनीत कार्य के लिए समर्पित है। इस प्रकार संस्थान के पहले वर्ष में उपलब्ध प्रगति मध्य भारत में सभी महत्वपूर्ण हितधारकों के साथ व्यापक नेटवर्क स्थापित करने का प्रमाण है। यह नेटवर्क एन आई डी मध्यप्रदेश के लिए अपने उद्देश्य हासिल करने में सहायक साबित होगा। डिजाइन का हमारे आस-पास के परिवेश में एक परिवर्तनकारी प्रभाव है। यह प्रभाव संस्कृति, व्यापार, व्यवसाय, पर्यावरण और अर्थव्यवस्था से परे है। डिजाइन में धनराशि के मूल्य संवर्द्धन की क्षमता है। भारत में विशाल आबादी को ध्यान में रखते हुए डिजाइन संबंधी जरूरतें विशिष्ट हैं। एन आई डी मध्यप्रदेश के सभी अकादमिक कार्यक्रम डिजाइन आधारित हस्तक्षेपों के माध्यम से आस-पास की दुनिया को मनचाहा आकार देने के उद्देश्य से तैयार किए गए हैं।

व्यापक उत्तरदायित्व और ऐतिहासिक ब्रांड के साथ किसी नए संस्थान की स्थापना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। नए संस्थान को संस्कृति की मजबूत आधारशिला के अनुरूप राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के रूप में विकसित करने का दृढ संकल्प रखने वाले कर्मचारियों की नियुक्ति भी एक चुनौतीपूर्ण कार्य था। डिजाइन को सभी प्रकार के विकास में अग्रणी स्थान पर रखने के राष्ट्रीय मिशन से टीम को जोड़ने और साझा लक्ष्य के लिये कार्य करने का परिणाम सफल रहा है। बुनियादी ढांचागत चुनौतियों के बीच सकारात्मक कार्य संस्कृति बनाए रखने के दायित्व ने हमे अपना सर्वोत्तम देने के लिए प्रेरित किया। असंख्य मुद्दों और चुनौतियों के बीच मुख्य मिशन पर ध्यान केंद्रित रखना कठिन था। विद्यार्थियों सहित पूरी टीम ने यह जिम्मेदारी संभाली और असीम धैर्य का परिचय देते हुए संस्थान को उसका समुचित दर्जा दिलाना सुनिश्चित किया।

संस्थान की पूरी टीम का मानना है कि डिजाइन प्रत्येक औद्योगिक सेक्टर के लिए विकास का सबसे सशक्त माध्यम है। समझौता ज्ञापनों, सहयोग समन्वय, प्रायोजित अनुसंधान, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, सम्मेलनों के रूप में हमारे प्रयासों का उद्देश्य एक ऐसी अनुकूल व्यवस्था कायम करना है जिसमें डिजाइन अपना मूल उद्देश्य पूरा करने में सफल हो सके, अपनी वास्तविक क्षमता का प्रदर्शन कर सके और देश के प्रत्येक विकास पहल में योगदान कर सके। हमारा दृढ़ विश्वास है कि जल्दी ही हम जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में डिजाइन की केंद्रीय भूमिका स्थापित करने में समर्थ हो सकेंगे। टीम का प्रत्येक सदस्य डिजाइन केंद्रित इस परिकल्पना को अपने प्रत्येक कार्यों में मार्गदर्शक सिद्धांत बनाने के लिए प्रयासरत है।

अपने स्थापना के पहले वर्ष में ही संस्थान की टीम ने 'मोजैक थीम' के साथ पहले मध्यप्रदेश डिजाइन उत्सव का आयोजन किया। इस वार्षिक उत्सव में डिजाइन जगत, राज्य सरकार, उद्योग जगत, कला और शिल्प समुदाय तथा समाज के प्रतिनिधि और स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थियों को आमंत्रित किया गया। इस आयोजन ने समाज के सभी वर्गों का ध्यान खींचा। आशा है कि आने वाले वर्षों में यह मध्य भारत का सर्वाधिक महत्वपूर्ण डिजाइन उत्सव बन जाएगा।

व्यापक पहुंच बनाने के लिए संस्थान नियमित रूप से अन्य कॉलेज और स्कूलों के लिए ऑनलाइन सत्र संचालित करता है।

इस वित्तीय वर्ष का अंत एक वैश्विक आघात से साथ हुआ और बिना किसी पूर्व सूचना के सभी गतिविधियां अचानक बंद कर देनी पड़ी। कोविड संक्रमण का फैलाव रोकने के लिए भारत सरकार ने पूरे देश में लॉकडाउन लागू कर दिया। विद्यार्थियों और बाहर के कर्मचारियों के साथ हमारी टीम ने समस्त गतिविधियां ऑनलाइन संचालित करने और परिसर में आवश्यक उपायों का प्रबंध करने की तत्परता दिखाई। इस तीव्र और सुचारू बदलाव से अकादमिक गतिविधियों में कोई बड़ा व्यवधान नहीं पड़ा। पूरी टीम ने घर से अपना काम जारी रखा।

उद्योग जगत के सभी संगठनों के साथ हमने व्यवसाय विकास में डिजाइन अवसरों की गुंजाइश स्पष्ट करने के लिए विशेष समय-सीमा की योजना बनाने पर गंभीर विचार-विमर्श शुरू कर दिया है।

विश्व के प्रत्येक भाग में डिजाइन उद्योग के सभी अन्य हितधारकों के साथ एन आई डी मध्यप्रदेश डिजाइन आधारित उद्योगों के लिए शिक्षा और परामर्श के माध्यम से सहयोग उपलब्ध कराता रहेगा तथा समाज से विभिन्न वर्गों के बीच अंतराल दूर करने का सरकार द्वारा सौंपा गया दायित्व पूरा करता रहेगा।

आभारोक्ति

राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्य प्रदेश की संचालन परिषद अनवरत सहयोग और उद्योग अनुकूल नीतियां तय करने के विभिन्न प्रयासों के लिए माननीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल के प्रति आभार प्रकट करती है।

परिषद, उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग की उनके मार्गदर्शन के लिए आभारी है। संस्थान की नीतियां लागू करने में मार्गदर्शन और सहयोग के लिए हम विभाग के सचिव श्री गुरूप्रसाद महापात्रा, संयुक्त सचिव श्री रविन्दर और उप सचिव श्री करन थापर को विशेष रूप से धन्यवाद देते हैं।

परिषद, तत्कालीन वाणिज्य और उद्योग मंत्री श्री सुरेश प्रभु, उद्योग और आंतरिक विभाग के पूर्व सचिव श्री रमेश अभिषेक और पूर्व संयुक्त सचिव श्री राजीव अग्रवाल के प्रति भी उनके बहुमूल्य सहयोग के लिए आभार प्रकट करती है।

विभिन्न सेवाओं में सुधार जैसे- विभिन्न कार्यक्रमों के पाठ्यक्रम को अद्यतन बनाने और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के संचालन के बहुमूल्य सुझावों के लिए परिषद, भारतीय उद्योग परिसंघ, वाणिज्य और उद्योग महासंघ, भारतीय वाणिज्य और उद्योग मंडल तथा मध्यप्रदेश वाणिज्य और उद्योग परिसंघ की भी आभारी है।

एन आई डी मध्यप्रदेश की संचालन परिषद वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, वित्त मंत्रालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय और मध्य प्रदेश सरकार के अन्य विभिन्न मंत्रालयों के अधिकारियों और कर्मचारियों के बहुमूल्य सहयोग के लिए भी आभार व्यक्त करती है।

1.परिचय

1.1 हमारे बारे में-

उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग (पूर्व में औद्योगिक नीति और संवर्द्धन विभाग), वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार ने डिजाइन सक्षम नवाचारी अर्थव्यवस्था की स्थापना और देश में डिजाइन शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 2007 में राष्ट्रीय डिजाइन नीति की परिकल्पना की थी।

विभिन्न सेक्टरों, नीतियों तथा मेक इन इंडिया, स्किल इंडिया, डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और स्मार्ट सिटी जैसी स्कीमों में डिजाइन और नवाचार के प्राथमिक महत्व को देखते हुए डिजाइन शिक्षा को बढ़ावा देना अनिवार्य हो गया है। केंद्र सरकार की इन योजनाओं का लक्ष्य हासिल करने के लिए भारत को पेशेवर प्रशिक्षित डिजाइनरों के कौशल और विशेषज्ञता की जरूरत है।

राष्ट्रीय डिजाइन नीति में डिजाइन कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के लिए देश के अन्य भागों में एन आई डी अहमदाबाद के अनुरूप डिजाइन संस्थानों की स्थापना की सिफारिश की गई थी। इस योजना के तहत चार राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान स्थापित किए गए। एन आई डी मध्यप्रदेश इनमें से एक है। देश के विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों में नए एन आई डी की स्थापना से डिजाइन क्षेत्र में कुशल मानव शक्ति सृजित करने में मदद मिलेगी। इससे शिल्प, हैंडलूम, ग्रामीण प्रौद्योगिकी, लघु, मध्यम और बड़े पैमाने के उद्यमों में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे। इसके अलावा इनके लोकसंपर्क कार्यक्रमों से क्षमता और संस्थान निर्माण में मदद मिलेगी।

एन आई डी मध्यप्रदेश का पहला अकादमिक सत्र 57 विद्यार्थियों के साथ जुलाई 2019 में शुरू हुआ। सत्र की शुरूआत मध्यप्रदेश में ईंट खेड़ी, अरवलिया(डाकखाना), भोपाल के अचारपुरा गांव में संस्थान के परिसर से हुई।

1.2 वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय तथा उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग (डीपीआईआईटी)

उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग- डीपीआईआईटी की स्थापना 1995 में की गई थी। वर्ष 2000 में औद्योगिक विकास विभाग के विलय के साथ इसका पुनर्गठन किया गया। पहले 1999 में लघु उद्योग, कृषि और ग्रामोद्योग तथा भारी उद्योग और सार्वजनिक उद्यम के लिए अलग मंत्रालय बनाए गए। डीपीआईआईटी को पहले औद्योगिक नीति संवर्द्धन विभाग कहा जाता था। जनवरी 2019 में इसे उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग का नाम दिया गया। वर्ष 2018 में ई-वाणिज्य से संबंधित विषय विभाग को हस्तांतरित किए गए और 2019 में इस विभाग को आंतरिक व्यापार, व्यापारियों के हित, स्टार्टअप संगठनों और उनके कर्मचारियों से संबंधित विषयों का प्रभार दिया गया।

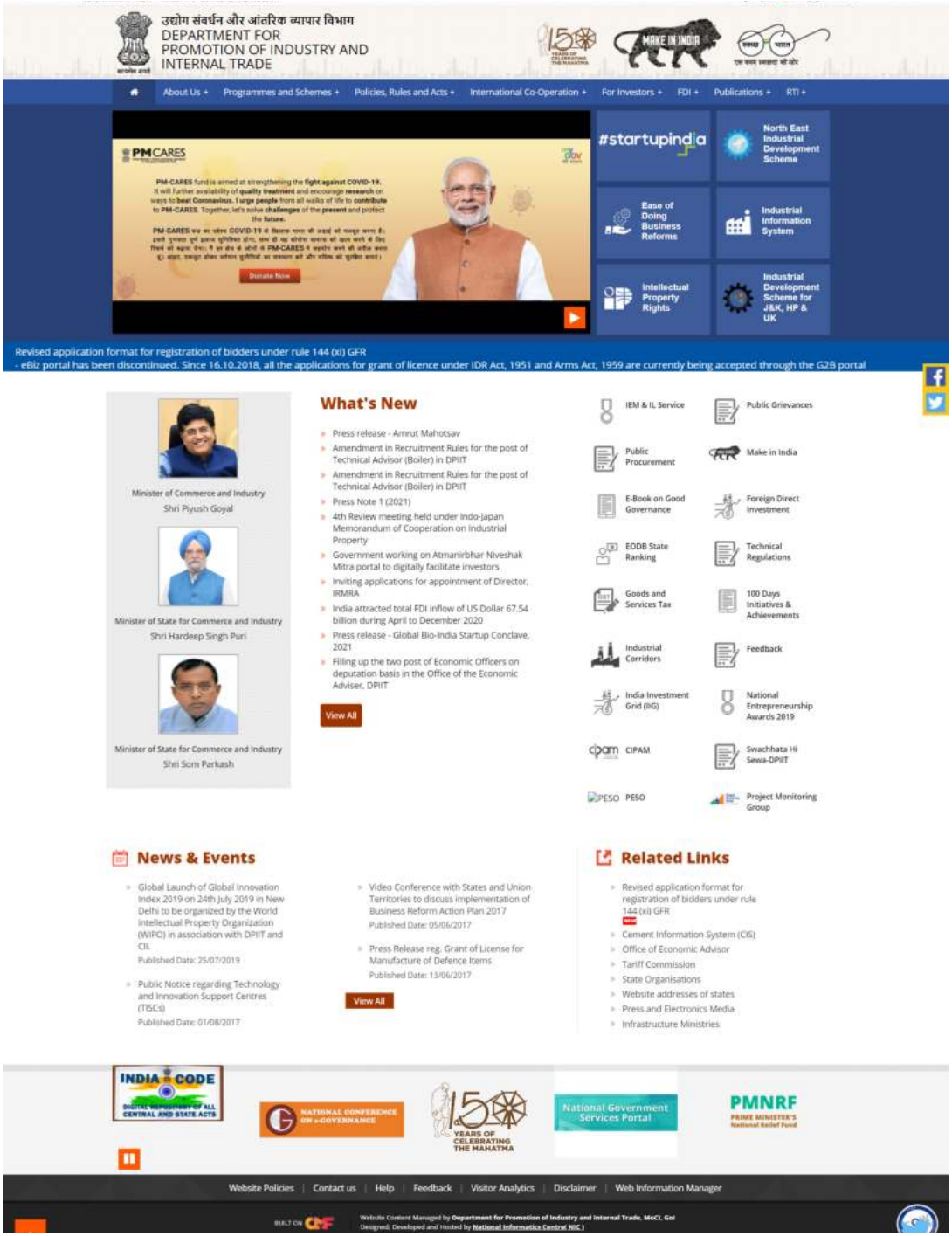

व्यवसाय नियमों का आवंटन

व्यवसाय नियमों के आवंटन के अनुसार विभाग निम्नलिखित विषयों सहित राष्ट्रीय स्तर पर औद्योगिक नीतियों के निर्धारण के लिए उत्तरदायी है।

* उद्योग में उत्पादकता,
* औद्योगिक प्रबंध,
* ई-वाणिज्य और स्टार्टअप संबंधी विषय,
* कारोबार में आसानी को बढ़ावा देना
* खुदरा व्यापार, व्यापारियों और उनके कामगारों के हित, उद्योग प्रशासन (विकास और विनियमन) अधिनियम 1951 लागू करने, औद्योगिक लाइसेंस की मंजूरी तथा औद्योगिक उद्यमी ज्ञापनों की मंजूरी सहित आंतरिक व्यापार संवर्द्धन।
* विभाग बौद्धिक संपदा अधिकार के संरक्षण के संबंधित 6 अधिनियम भी लागू करता है। यह विदेशी प्रत्यक्ष निवेश और अनिवासी भारतीयों द्वारा निवेश से संबंधित विषय भी संचालित करता है और देश के औद्योगिक विकास में निवेश को बढ़ावा देता है। अमरीका, यूरोप, सीआईएस देश, अफ्रीका, मध्य-पूर्व, एसियन और ओशेनिया देशों से संबंधित विषयों के संचालन में अंतरराष्ट्रीय सहयोग और औद्योगिक संवर्द्धन के लिए पांच क्षेत्रीय संभाग हैं।
* यह विभाग केबल, हल्के अभियांत्रिक उद्योग, हल्के विद्युत अभियांत्रिकी उद्योग, पेपर और न्यूजप्रिंट, टायर और ट्यूब, नमक, सीमेंट, सेरेमिक, टाइल्स, शीशा, चमड़े के सामान, साबुन और डिटरजेंट तथा अन्य मंत्रालयों और विभागों के दायरे में नहीं आने वाले उद्योगों से संबंधित सेक्टर के संवर्द्धन और विकास के लिए भी उत्तरदायी है।
*
* विभाग द्वारा निम्नलिखित अधिनियम लागू किए गए हैं:
* उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम 1951
* विस्फोटक अधिनियम 1884
* ज्वलनशील पदार्थ अधिनियम 1952
* ब्वॉयलर अधिनियम 1923
* कॉपीराइट अधिनियम 1957
* पेटेंट अधिनियम 1970
* डिजाइन अधिनियम 2000
* माल के भौगोलिक संकेत संबंधी (पंजीकरण और संरक्षण) अधिनियम 1999
* ट्रेड मार्क अधिनियम 1999
* राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान अधिनियम 2014

सरकार ने 8 फरवरी 2007 को राष्ट्रीय डिजाइन नीति मंजूर की। इस नीति के विवरण में अन्य बातों के अलावा सुस्पष्ट और सुव्यवस्थित नियामक द्वारा भारतीय डिजाइनों को बढावा देने की संवर्द्धन और संस्थागत रूपरेखा शामिल है।

यह नीति वर्तमान राष्ट्रीय डिजाइन संस्थानों, डिजाइन संस्थानों और मानव संसाधनों के अंतरराष्ट्रीय मानदंडों तक उन्नयन पर ध्यान केंद्रित करती है। इसका उद्देश्य देश के सभी क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण डिजाइन शिक्षा का प्रसार करना है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए वर्ष 2007 में मंत्रिमंडल ने भोपाल, कुरूक्षेत्र, जोरहाट और विजयवाड़ा में चार राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान स्थापित करने की मंजूरी दी। इन्हें स्वायत्तशासी संस्थानों के रूप में स्थापित किया गया है तथा क्षेत्रीय और राष्ट्रीय आवश्यकताओं को पूरा करने का दायित्व दिया गया है।

1.3 एन आई डी का अधिदेश

एन आई डी का अधिदेश विश्वस्तरीय डिजाइन शिक्षा प्रदान करना तथा गुणवत्तापूर्ण डिजाइनों और उनके उपयोग के बारे में जागरूकता बढ़ाकर जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाना है। यह दायित्व इन माध्यमों से पूरा किया जाता है:

* देश की विविध डिजाइन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उत्कृष्ट डिजाइन पेशेवरों का सृजन।
* डिजाइनरों का प्रशिक्षण, अन्य संस्थानों के डिजाइन कौशल का संवर्द्धन और वैश्विक आवश्यकताओं के अनुरूप डिजाइन शिक्षा और अनुसंधान को बढावा देना।
* वर्तमान और नए संस्थानों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण डिजाइन पेशेवरों और फैकल्टी की संख्या में वृद्धि।
* डिजाइन संबंधी ज्ञान, अनुभव और उत्पाद जानकारी, प्रणाली, सामग्री, पारंपरिक और आधुनिक डिजाइन और उत्पादन प्रक्रियाओं का कोष सृजित करना।
* कम लागत पर दैनिक उपयोग के घरेलू डिजाइन समाधानों तथा उत्पादों को बढावा देना।
* यह सुनिश्चित करना कि पेशेवर डिजाइनर राष्ट्रीय महत्व के प्रमुख क्षेत्रों में शामिल किये जाएं ताकि डिजाइन शिक्षा और अभ्यास का मानदंड ऊंचा हो सके।
* राजस्व अर्जित करने की कार्यनीति के रूप में विद्यार्थियों की भागीदारी से एकीकृत डिजाइन परामर्श सेवा और नवाचारी डिजाइन समाधान उपलब्ध कराना।
* जीवन की गुणवत्ता में सुधार के उद्देश्य से विज्ञान, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन जैसे बहुविषयक क्षेत्रों के लिए डिजाइन इनपुट, उत्पाद, सेवा, प्रक्रिया और प्रणाली सृजित करना और उपलब्ध कराना।
* बेहतर सूचना और इंटरफेस डिजाइन के माध्यम से भौतिक जगत को वर्चुअल और डिजिटल दुनिया के साथ एकीकृत करना।
* लोकसंपर्क कार्यक्रमों के माध्यम से शिल्प और हतकरघा क्षेत्र, ग्रामीण प्रौद्योगिकी, लघु, मध्यम और बड़े पैमाने के उद्यमों के लिए डिजाइन उपलब्ध कराना और रोजगार के अवसर सृजित करना।

1.4 राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान अधिनियम

* राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान मध्यप्रदेश को 29 नवंबर 2019 को राष्ट्रपति की मंजूरी से राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (संशोधन) अधिनियम, 2019 के दायरे में लाया गया। यह अधिनियम 3 दिसंबर 2019 को भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुआ और 13 जनवरी 2020 की सरकारी गजट अधिसूचना के जरिए प्रभावी हुआ। इसके लागू होने से एन आई डी मध्यप्रदेश को डिजाइन में स्नातक डिग्री (बी.डिज), डिजाइन में मास्टर डिग्री (एम.डिज) और डिजाइन में पीएचडी डिग्री उपलब्ध कराने की पात्रता मिल गयी है। इस अधिनियम के प्रावधानों के अंतर्गत संस्थान को निम्नलिखित शक्तियां और अधिकार प्राप्त हैं और यह निम्नलिखित कर्तव्यों का निर्वहन करता है:

* डिजाइन से संबंधित क्षेत्रों या विषयों में शिक्षा, प्रशिक्षण और अनुसंधान सुविधाएं उपलब्ध कराना।

* स्नातक, परास्नातक डिग्री, डॉक्टोरल, पोस्ट डॉक्टोरल विशिष्टता पाठ्यक्रम विकसित करना, परीक्षाएं संचालित करना, डिजाइन से संबंधित क्षेत्रों और विषयों में डिग्री, डिप्लोमा और अन्य अकादमिक उपाधियां प्रदान करना।

* डिजाइन के संबंधित क्षेत्रों और विषयों में मानद उपाधियां, पुरस्कार और अन्य विशिष्टताएं प्रदान करना।

* फैलोशिप, स्कोलरशिप, पुरस्कार और पदक सृजित करना और प्रदान करना।

* शुल्क और अन्य प्रभार तय करना और संग्रह करना।

* विद्यार्थियों के लिए छात्रावास का निर्माण, रख-रखाव और प्रबंधन।

* विद्यार्थियों में अनुशासन बनाए रखना और इस पर निरीक्षण रखना, संतुलित सांस्कृतिक और सामूहिक जीवन यापन के लिए उनके स्वास्थ्य और हितों का ध्यान रखना।

* अकादमिक और अन्य पद सृजित करना और इन पदों पर (निदेशक पद को छोड़कर) नियुक्ति करना।

* सामान्य या विशेष उद्देश्यों के लिए नवाचार, सुधार या डिजाइन या मानकीकरण चिन्ह पर पेटेंट या लाइसेंस प्राप्त करना।

* डिजाइन से संबधित क्षेत्रों और विषयों में परामर्श का उत्तरदायित्व लेना।

* संस्थान की या उसे सौंपी गई संपदा से सबधित दायित्व पूरे करना, इस प्रकार कि संस्थान संपदा से संबंधित निर्णय के लिए उपयुक्त प्रतीत हो ।

* सरकार से उपहार, अनुदान, दान या चंदा प्राप्त करना या वसीयतकर्ता, दानकर्ता या संपत्ति हस्तांतरण से, जैसी भी स्थिति हो, चल या अचल संपत्ति की वसीयत, दान और हस्तांतरण प्राप्त करना।

* ऋण, छात्रवृत्ति या अन्य मौद्रिक सहायता की मंजूरी से सेवा, प्रशिक्षण या अनुसंधान में लगे या लगने वाले लोगों की शिक्षा में सुधार और प्रोत्साहन।

* औद्योगिक डिजाइन और सहयोगी विषयों से संबंधित पुस्तकों, पत्र-पत्रिकाओं, प्रदर्शनियों, फिल्मों, स्लाईड, गैजेट, विज्ञप्ति और अन्य साहित्यिक सामग्री की तैयारी, छपाई, प्रकाशन, प्राप्ति और वितरण।

* डिजाइन और सहयोगी विषयों से संबंधित संग्रहालय, पुस्तकालयों की स्थापना और रख-रखाव तथा साहित्य और फिल्मों, स्लाईड, चित्रों और अन्य जानकारियों का संग्रह।

* विधान और अध्यादेश बनाना और इनमें बदलाव, संशोधन करना या रद्द करना।

* पूरी तरह या आंशिक रूप से संस्थान के समान विषय वाले, विश्व के किसी भी भाग के शैक्षणिक या अन्य संस्थानों के साथ फैकल्टी सदस्यों और विद्जनों के आदान-प्रदान के माध्यम से सहयोग करना, इस प्रकार कि यह सहयोग उनके साझा हितों के अनुरूप हो।

* संस्थान द्वारा प्रायोजित और वित्त पोषित अनुसंधान और परामर्श योजनाओं के द्वारा संस्थान और उद्योग के बीच डिजाइनरों और अन्य तकनीकी कर्मचारियों के आदान-प्रदान को बढ़ावा देकर अकादमिक और उद्योग जगत के समन्वय केंद्र के रूप में कार्य करना।

* वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन के लिए उत्तम डिजाइन सृजन में वैज्ञानिक और तकनीकी अनुसंधान के उद्देश्य से आधुनिक मशीनरी और उपकरणों से लैस कार्यशालाओं या प्रयोगशालाओं की स्थापना और रख-रखाव करना। ऐसे कार्यों के लिए और ऐसी कार्यशाला या प्रयोगशाला या स्टूडियो में सेवा, प्रशिक्षण और अनुसंधान कार्य में लगे लोगों के भुगतान के लिए धनराशि उपलब्ध कराना।

* ऐसे क्षेत्रों में, जिन्हें संस्थान उचित मानता हो, सेवा प्रशिक्षण और अनुसंधान के उद्देश्य से भारत या भारत से बाहर अध्ययन के लिए डिजाइनर, इंजीनियर (मैकेनिकल या इलेक्ट्रिकल या सिविल), वास्तुकार, शिल्पी, तकनीशियन या खोजकर्ताओं को मनोनीत करना।

* संस्थान के उद्देश्यों के सिलसिले में कुशल पेशेवर, तकनीकी सलाहकार, परामर्शदाता, कामगार या शिल्पियों को नियुक्त करना या बहाल रखना।

* दस्तकारों, तकनीशियनों और नवाचारी कौशल वाले अन्य कामगारों को पुरस्कार, वित्तीय या तकनीकी सहायता देकर प्रक्रियाओं, उपकरणों और गैजेट के विवरण और विनिर्देशों के लिए प्रोत्साहित करना।

* संस्थान से जुड़ी चल या अचल परिसंपत्तियों को बंधक रखने, प्रभार या बंधक रखे जाने की संभावना या शपथ की प्रतिभूति पर या प्रतिभूति के साथ या बिना प्रतिभूति के या किसी अन्य ढंग से उधार लेना या धन एकत्र करना।

* भवन निर्माण और इनमें परिवर्तन, विस्तार, सुधार, मरम्मत या रूपांतरण तथा अन्य संबंधित सुविधाओं से लैस करना।

* संस्थान के समस्त या किसी भी उद्देश्य की प्राप्ति के लिए आवश्यक, आकस्मिक या हितकर सभी अपेक्षाएं पूरी करना।

1.5 राष्ट्रीय महत्व का संस्थान (आईएनआई)

राष्ट्रीय महत्व का संस्थान, भारतीय संसद के अधिनियम द्वारा किसी अग्रणी सार्वजनिक उच्च शिक्षण संस्थान को प्रदान किया जाने वाला एक दर्जा है, जो देश/ राज्य के विशिष्ट क्षेत्र में उच्च कौशल प्राप्त कर्मियों को विकसित करने में लगे संस्थान को दिया जाता है। राष्ट्रीय महत्व के संस्थान को विशेष मान्यता और भारत सरकार से वित्त पोषण प्राप्त होता है।

एन आई डी मध्य प्रदेश को राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान अधिनियम 2014 और इसमें बाद में हुए संशोधनों के तहत संसद के अधिनियम के द्वारा राष्ट्रीय महत्व के संस्थान का दर्जा प्रदान किया गया है। एन आई डी अधिनियम 2014 के संशोधन से चार नए राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान स्थापित किए गए।
1.राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान अमरावती/विजयवाड़ा. आंध्र प्रदेश।
2. राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान भोपाल, मध्यप्रदेश।
3. राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान जोरहाट, असम।
4. राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान कुरूक्षेत्र, हरियाणा।
इन संस्थानों को राष्ट्रीय महत्व के संस्थान (राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, अहमदाबाद के बराबर) का दर्जा दिया गया है।

अधिनियम में किए गए संशोधनों में एन आई डी भोपाल को एन आई डी मध्यप्रदेश किया जाना और प्रधान डिजाइनर को प्रोफेसर के समतुल्य माना जाना शामिल है। 2020 तक 159 संस्थानों को राष्ट्रीय महत्व के संस्थान घोषित किया गया। इनमें 23 आईआईटी, 15 एम्स, 20 आईआईएम, 31 एनआईटी, 25 आईआईआईटी, 7 आईआईएसईआर, 7 एनआईपीईआर, 5 एनआईडी, 3 एसपीए, 5 केंद्रीय विश्व विद्यालय, 4 चिकित्सा अनुसंधान संस्थान और 14 अन्य विशिष्ट संस्थान शामिल हैं।
देश के विभिन्न क्षेत्रों में राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों के रूप में एन आई डी की स्थापना से डिजाइन क्षेत्र में उच्च कौशल प्राप्त मानव शक्ति तैयार करने में मदद मिलेगी, जिससे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे। शिल्प और हतकरघा क्षेत्र, ग्रामीण प्रौद्योगिकी, लघु, मध्यम और बड़े पैमाने के उद्यमों को सतत डिजाइन सहयोग मिलेगा।

1.6 एन आई डी, मध्यप्रदेश की ब्रैडिंग

एन आई डी ब्रैंड का स्रोत 1960 के दशक की शुरूआत में निहित है। राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान अधिनियम 2014 और बाद में इसमें हुए संशोधनों के तहत नवगठित चार राष्ट्रीय डिजाइन संस्थानों को एन आई डी अहमदाबाद के समकक्ष दर्जा मिला। सभी नए राष्ट्रीय डिजाइन संस्थानों को स्वायत संस्था अधिदेशित किया गया है और उन्हें अपनी डिजाइन आवश्यकताओं और भौगोलिक स्थानीयता से संबंधित पोर्टफोलियो और गतिविधियों तथा राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर सामाजिक और औद्योगिक प्रभावकारिता के साथ अपनी स्वयं की पहचान स्थापित करने का अधिदेश दिया गया है। एनबीसीसी के माध्यम से ब्रैंड निर्मित करने और संस्थान का लोगो डिजाइन करने के लिए मैसर्स ग्राउ बार डिजाइन, इंदौर को संस्थान के निर्देशक के साथ काम करने का दायित्व सौंपा गया। एन आई डी भोपाल के लोगो को 29 मई 2019 को हुई संचालन परिषद की पहली बैठक में अनुमोदित कर दिया गया। इसके बाद मंत्रिमंडल की मंजूरी से डीपीआईआईटी ने संस्थान का नाम एन आई डी भोपाल से बदलकर एन आई डी मध्यप्रदेश कर दिया और संचालन परिषद की

Final Logo	Geometry and proportions of logo
राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान National Institute of Design मध्यप्रदेश Madhya Pradesh राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान National Institute of Design मध्यप्रदेश Madhya Pradesh	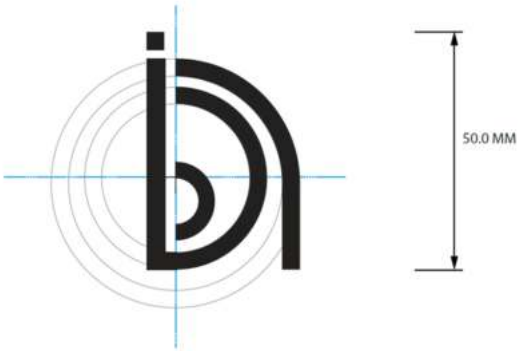

एन आई डी एमपी के लोगो का तत्व दर्शन
ईश्वर सृष्टि का पहला ज्यामितिशास्त्री माना जाता है और पूरी सृष्टि एक दिव्य अनुपात में सृजित है।
एन आई डी, मध्यप्रदेश का मोनोक्रोम लोगो ज्यामिति से इस प्रकार डिजाइन किया गया है कि इसका आधार, अपनी अपील खोये बिना, सभी मीडिया, प्रारूप और पैमाने के लिए भरोसेमंद है। इसके घेरे परिपूर्णता, संपूर्णता और तालमेल के प्रतीक हैं, इसलिये संस्थान के नाम के प्रत्येक शब्द का पहला अक्षर, व्यापक अपील और स्वीकृति के लिये, लोगो में शामिल किया गया है।

लोगो के विभिन्न भागों और संरचना का अर्थ

लोगो बनाने में निम्नलिखित फोंट का उपयोग किया गया है।
* हिंदी फोंट नोटो सांस
* अंग्रेजी फोंट हेलवेटिका

लोगो के तीन वृत्ताकार घेरे एन आई डी एमपी को उद्योग और समाज के लिये प्रासंगिक बने रहने के अधिदेश का प्रतीक हैं जो इसके दर्शन के मूल में है और यह मूल्य इसकी पहचान में समाहित है। यह संस्थान को उद्योग जगत और समाज की सेवा के दायित्व का अनवरत स्मरण कराता है।

* सबसे छोटा घेरा संस्थान का प्रतिनिधित्व करता है
* दूसरा उद्योग का,
* और तीसरा घेरा संपूर्ण समाज और वैश्विक समुदाय का प्रतिनिधित्व करता है।
* सभी तीनों घेरे साथ मिलकर केंद्रस्थ जुड़ाव से परे वृद्धि और निरंतरता के प्रतीक हैं।

वृत्त

वृत्त य़ा घेरा संपूर्णता, परिपूर्णता, नित्यता और शाश्वतता का सार्वभौम प्रतीक है। यह समय के चक्र को और प्रत्येक गतिशील वस्तु की निरंतर गति को व्यक्त करता है। यह बिना किसी बाधा के गतिशील रहता है और इस प्रकार ऊर्जा और शक्ति का प्रतिनिधित्व करता है। यह स्वतंत्र गति से घूमता है और अनन्त तथा एकत्व का प्रतीक है। स्वतंत्र रूप से परिक्रमा करते हुए यह अपने घेरे के भीतर के हिस्से की सुरक्षा करता है। यह रक्षा, धैर्य और सुरक्षा का प्रतीक है।

काला रंग
काला रंग जिन भावनाओं को प्रतिबिंबित करता है वे विशेष रूप से पूरे आधार की स्थिति को व्यक्त करती हैं।

अन्य सभी रंगों को गहनता और विविधता से उभारने के लिए काला रंग जरुरी होता है। यह शक्ति, अधिकार, ऊर्जा, भव्यता, शिष्टता, औपचारिकता और परिष्कार का प्रतीक है। सफेद रंग के साथ विरोधाभासिता में इसका उपयोग ऊर्जा सृजित करता है। इस रंग में सूचना और जानकारी के हस्तांतरण की अपार संचार क्षमता है।

सफेद रंग

सफेद रंग अच्छाई, स्वच्छता, पवित्रता, स्पष्टता और निर्दोषिता का प्रतीक है। यह आशा, समानता, ऊर्जा, सरलता, उन्मुक्ता, सच्चाई, शांति, आदर्शवादिता, ताजगी और सूक्ष्मता का प्रतिनिधित्व करता है।

1.7 भारत में डिजाइन की उत्पत्ति

डिजाइन करना और चीजों को बेहतर और आनंददायी बना देना मनुष्य की बुनियादी प्रवृत्ति है। यह गुण अनुवांशिक रूप से जीन द्वारा हस्तांतरित होता है। काल खंड में प्रचीनतम महाद्वीप पेनजिया से लेकर महान राष्ट्र भारत तक की यात्रा एक अभिभूत कर देने वाली बौद्धिक यात्रा रही है। इसके दौरान विभिन्न घटनाक्रमों के जरिये ज्ञान का हस्तांतरण हमारे भावावेशों, प्रवृत्तियों, इच्छा इत्यादि के विकास का स्रोत रहा है। बीज और मिट्टी का सिद्धांत इस दृष्टिकोण का सत्यापन करता है। इस प्रकार डिजाइन को संभवत: मनुष्य को ज्ञात प्राचीनतम पेशा माना जा सकता है और यह अन्य सभी विषयों के जन्म और उत्पत्ति का पालना रहा है। डिजाइन के पुरात्व प्रमाण विश्वभर के पुरातात्विक स्थलों पर पाये जा सकते हैं। किसी भी उत्पाद के लिए डिजाइन उसका अभिन्न और अविभाज्य अंग होता है। इस प्रकार प्रत्येक उत्पाद का निर्माता एक रचनात्मक व्यक्ति हैं और सभी रचनात्मक व्यक्ति डिजाइनर हैं।

ब्रांड एन आई डी भारतीय डिजाइन विषय और उद्योग की उत्पत्ति के कुछ प्रमुख घटनाक्रम पोस्ट स्क्रिप्ट-1 में दिए गए हैं।

राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान
NATIONAL INSTITUTE OF DESIGN

1.8 एन आई डी, एमपी का इतिहास

राष्ट्रीय डिजाइन नीति ने डिजाइन कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के लिए देश के विभिन्न भागों में एन आई डी अहमदाबाद की तर्ज पर डिजाइन संस्थान स्थापित करने की सिफारिश की थी। 2013 में सरकार ने एन आई डी अहमदाबाद के समकक्ष चार नए डिजाइन संस्थान- मध्य प्रदेश (भोपाल), आंध्र प्रदेश (अमरावती), असम (जोरहाट) और हरियाणा (कुरूक्षेत्र) में स्थापित करने का फैसला किया।

चित्र- इन नए संस्थानों में सबसे पहले एन आई डी एमपी को डीपीआईआईटी में एन आई डी सेक्शन के अधिकारियों के अथक प्रयासों से 13 सितंबर 2013 को जमीन प्राप्त हुई। श्री आनंद शर्मा, तत्कालीन वाणिज्य और उद्योग मंत्री ने एन आई डी एमपी की आधारशिला रखी। एन आई डी अहमदाबाद के निदेशक श्री प्रद्युम्न व्यास और श्री सिद्धार्थ स्वामी नारायण, एन आई डी अहमदाबाद के प्रशासन प्रमुख ने प्रस्तावित स्थल का दौरा किया।

चित्र- डीपीआईआईटी अधिकारियों ने स्थल का निरीक्षण किया।

चित्र- प्रोफेसर धीरज कुमार एन आई डी एमपी के पहले निर्देशक बनाए गए और उन्होंने 7 जनवरी 2019 को कार्यभार संभाला।

* भोपाल क्षेत्र के केंद्रीय लोक निर्माण विभाग ने चारदिवारी का निर्माण कार्य किया।
* 2016 में परिसर का निर्माण कार्य शुरू हुआ।
* एक फरवरी 2016 को एन आई डी भोपाल की कॉपरेटिव सोसायटी का गठन, एमपी सोसायटीज पंजीकरण अधिनियम 1973 के अंतर्गत समिति को वैधानिक दर्जा प्रदान करने के लिए किया गया। समिति का कार्यालय (एस नं. 01 01 02 30548 16) सचिव कार्यालय, उद्योग विभाग, मंत्रालय वल्लभभवन, भोपाल में स्थित था।
* इस समय तक एन आई डी अधिनियम में संशोधन का मसौदा विधेयक तैयार हो चुका था क्योंकि केवल विधायी प्रक्रिया से ही संसद, संविधान की 7वीं अनुसूची की केंद्रीय सूची की प्रविष्टि 64 के तहत, किसी वैज्ञानिक या तकनीकी शिक्षा संस्थान को राष्ट्रीय महत्व का संस्थान घोषित कर सकती है।
* सभी चार नए डिजाइन संस्थानों के निर्देशकों की नियुक्ति दिसंबर 2018 में की गई (डीपीआईआईटी के एन आई डी विभाग ने निर्देशकों की नियुक्ति की समग्र प्रक्रिया में समन्वय किया।)

चित्र- तत्कालीन केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री श्री सुरेश प्रभु ने 22 फरवरी 2019 को संस्थान का ऑनलाइन उद्घाटन

चित्र- 22 फरवरी 2019 को एन आई डी एमपी परिसर के वीडियो उद्घाटन के अवसर पर उपस्थित लोगों का चित्र।

चित्र- परियोजना की स्थिति पर विचार विमर्श के लिए एनबीसीसी के अधिकारियों, वास्तुकार और अन्य हितधारकों

चित्र- 22 फरवरी 2019 को तत्कालीन माननीय केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री सुरेश प्रभु ने संस्थान का वीडियो

चित्र- वीडियो उद्घाटन के अवसर पर मौजूद लोग।

चित्र- वीडियो उद्घाटन के अवसर पर मौजूद लोग।

चित्र- निदेशक ने उपस्थित लोगों को परिसर दिखाया।

चित्र- 9 जनवरी 2019 को एन आई डी से सभी नए निर्देशकों ने डीपीआईआईटी के सचिव श्री रमेश अभिषेक और संयुक्त सचिव श्री राजीव अग्रवाल

चित्र- श्री राजीव अग्रवाल, संयुक्त सचिव निरीक्षण करते हुए।

चित्र- श्री राजीव अग्रवाल, संयुक्त सचिव निरीक्षण करते हुए।

चित्र- 12 अकादमिक और तीन प्रशासनिक पदों पर नियुक्ति के लिए साक्षात्कार एन आई डी अहमदाबाद और इंडिया हैवीटेट सेंटर दिल्ली में आयोजित किए गए।

चित्र- 3 जून 2019 को राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान मध्यप्रदेश में आयोजित पूजा।

चित्र- 3 जून 2019 को राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान मध्यप्रदेश में आयोजित पूजा।

चित्र- 7 जून 2019 को आवासीय खंड, निदेशक आवास में आयोजित पूजा।

चित्र- पहली काउंसलिंग और सीटों के आवंटन की प्रक्रिया 14 और 15 जून 2019 को एन आई डी अहमदाबाद में आयोजित की गई।

चित्र- संस्थान ने भारतीय स्टेट बैंक के साथ अपना बैंकिंग कामकाज शुरू किया।

चित्र- पहले बैच के विद्यार्थियों का पंजीकरण 15 और 16 जुलाई 2019 को हुआ।

चित्र-विद्यार्थी और उनके अभिभावकों का परिसर भ्रमण।

"जब आपके
संकल्प में परिवर्तन होता है,
प्रत्येक वस्तु आपकी
इच्छित दिशा में
मुड़ने लगती है।
जिस क्षण
आप विजयी होने का
संकल्प लेते हैं
आपके अस्तित्व के
प्रत्येक स्नायु और तंत्रिकाएं
तुरंत आपकी सफलता की ओर
उन्मुख हो जाती हैं।"

दायसाकु इकेडा

2. वैधानिक निकाय

2.1 संचालन परिषद और इसके सदस्य

* संचालन परिषद, राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान अधिनियम 2014 की धारा 10 के तहत संस्थान की शीर्ष संस्था है। 29 मई 2019 को संचालन परिषद की पहली बैठक में निम्नलिखित निर्णय लिए गए।
* 6 पदों की 15 रिक्तियों -3 वरिष्ठ फैकल्टी, 3 सहायक वरिष्ठ फैकल्टी, 6 फैकल्टी, 1 रजिस्ट्रार, 1 वित्तीय लेखा नियंत्रक और 1 मुख्य प्रशासनिक अधिकारी के लिए साक्षात्कार सफलता पूर्वक संचालित किया गया।
* एन आई डी भोपाल मध्यप्रदेश के लोगो का अनुमोदन।
* सामाजिक रूप से कमजोर वर्गों (ईडब्ल्यूएस) के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण उपलब्ध कराने का संविधान का 103वां संशोधन लागू करने का निर्णय लिया गया। इसके लिए शैक्षणिक वर्ष 2020-21 से सभी पाठ्यक्रमों के लिए विद्यार्थियों की संख्या 25 प्रतिशत बढाने का फैसला किया गया। निर्देशकों को इसके अनुसार परिसर में अतिरिक्त संसाधन जुटाने के प्रावधान रखने को कहा गया।
* वित्तीय वर्ष 2019-20 के बजट अनुमान डीपीआईआईटी को देने का निर्णय लिया गया।
* निम्नलिखित अधिकारियों- निर्देशक, रजिस्ट्रार, वित्तीय लेखा नियंत्रक, मुख्य पुस्तकालय अध्यक्ष/ संसाधन केंद्र के प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता का अनुमोदन।
* भारत सरकार के नवीनतम नियमों के अनुसार चिकित्सा और बच्चों की शिक्षा भत्ते की योजना लागू करने का फैसला किया गया।
* सरकार के आदेश के अनुसार राष्ट्रीय पेंशन योजना लागू करने का निर्णय लिया गया।
* एन आई डी भोपाल द्वारा अपनी मानक संचालन प्रक्रियाएं और नियमावली बनाए जाने तक एन आई डी अहमदाबाद के सामान्य सेवा नियमों के अनुपालन का निर्णय लिया गया।
* सभी शैक्षणिक कार्यक्रमों के लिए शुल्क में 7 प्रतिशत वार्षिक की बढ़ोत्तरी का फैसला।
* संस्थान की संचालन परिषद में निम्नलिखित सदस्य होते हैं-
* अध्यक्ष, जो एक प्रमुख शिक्षाविद्, वैज्ञानिक या प्रौद्योगिकी विद् या पेशेवर या उद्योगपति होगा, विजिटर (कुलाध्यक्ष) द्वारा नामित किया जाएगा।
* निर्देशक, पदेन अधिकारी।
* राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान से संबंधित मंत्रालय या भारत सरकार के विभाग में कार्यरत वित्तीय सलाहकार, पदेन अधिकारी।
* राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान से संबंधित मंत्रालय या भारत सरकार के विभाग में कार्यरत संयुक्त सचिव, पदेन अधिकारी।
* मंत्रालय या भारत सरकार के विभाग से एक प्रतिनिधि जो उच्च शिक्षा विभाग में संयुक्त सचिव के पद से नीचे का न हो, उस मंत्रालय या विभाग के सचिव इन्हें नामित करेंगे, पदेन अधिकारी।
* मंत्रालय या भारत सरकार के विभाग से एक प्रतिनिधि जो सूचना प्रौद्योगिकी विभाग में संयुक्त सचिव के पद से नीचे का न हो, उस मंत्रालय या विभाग के सचिव, पदेन अधिकारी इन्हें नामित करेंगे।
* जिस राज्य में संस्थान का परिसर अवस्थित है उस राज्य के एक प्रतिनिधि, राज्य सरकार द्वारा नामित।
* पांच विशेषज्ञ, वास्तुकला, अभियांत्रिकी, ललितकला, जन संचार और प्रौद्योगिकी क्षेत्र से एक-एक, केंद्र सरकार द्वारा नामित किए जाएंगे।
* एक उत्कृष्ट डिजाइनर, विजिटर द्वारा केंद्र सरकार के साथ परामर्श से नामित।
* एक प्रबंधन विशेषज्ञ, अध्यक्ष द्वारा नामित किया जाएगा।
* सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग के एक प्रतिनिधि, केंद्र सरकार द्वारा नामित किया जाएगा।
* कंपनी, फर्म या व्यक्तियों द्वारा अनुशंसित लोगों में से सीनेट द्वारा नामित तीन व्यक्ति, जिन्होंने संस्थान को वित्तीय सहयोग या अंशदान उपलब्ध कराया हो; प्रावधान है कि इन नामांकनों के लिए पात्र माने जाने हेतु वित्तीय सहयोग या अंशदान और अन्य अपेक्षाएं, विधान में किए गए प्रावधानों के अनुसार हो। और
* प्रत्येक संस्थान परिसर के डीन, पदेन अधिकारी।

संचालन परिषद के सदस्य

संचालन परिषद के सदस्य
श्री राजीव अग्रवाल
अध्यक्ष
संयुक्त सचिव डीपीआईआईटी,
वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय भारत
सरकार
(01/04/2019 - 02/12/2019)

श्री रविन्दर
अध्यक्ष
संयुक्त सचिव डीपीआईआईटी,
वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय भारत
सरकार

श्री प्रो. धीरज कुमार
सदस्य सचिव
निदेशक राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान,
मध्य प्रदेश

श्री शशांक प्रिय
सदस्य
अपर सचिव और वित्तीय सलाहकार
डीपीआईआईटी, वाणिज्य और उद्योग
मंत्रालय भारत सरकार

श्री संजय प्रसाद
सदस्य
संयुक्त सचिव, सार्वजनिक वित्त
संभाग, व्यय विभाग, वित्त मंत्रालय,
भारत सरकार

श्रीमती नीता प्रसाद
सदस्य
संयुक्त सचिव (आईसीसी/पी), उच्च
शिक्षा विभाग, मानव संसाधन
विकास मंत्रालय, भारत सरकार

श्री नीरज मंडलोई
सदस्य
प्रधान सचिव, उच्च शिक्षा विभाग,
मध्य प्रदेश सरकार
(01/04/2019 - 11/07/2019)

श्री हरी रंजन राव
सदस्य
प्रधान सचिव, उच्च शिक्षा विभाग,
मध्य प्रदेश सरकार
(12/07/2019 - 31/03/2020)

श्री मनोज गोविल
सदस्य
प्रधान सचिव, वित्त विभाग, मध्य
प्रदेश सरकार

डॉ. राजेश राजोरा
सदस्य
प्रधान सचिव, औद्योगिक नीति और निवेश संवर्द्धन, मध्य प्रदेश सरकार
(01.04.2019 - 06.09.2019)

डॉ. सुदम पंडरीनाथ खरे
सदस्य
जिला कलेक्टर, भोपाल जिला,
मध्य प्रदेश सरकार
(01/04/2019 - 07/06/2019)

श्री. तरुण कुमार पिथौरे
सदस्य
जिला कलेक्टर, भोपाल जिला,
मध्य प्रदेश सरकार
(19/06/2019 - 31/03/2020)

राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान भोपाल का गठन 1 फरवरी 2016 को पंजीकरण के लिए एक सोसायटी के रूप में किया गया। संचालन परिषद के पदेन अधिकारी सदस्य। पहली बैठक 29 मई 2019 को हुई।

2.2 संचालन परिषद की स्थायी समिति

* संचालन परिषद के द्वारा स्थायी समिति का गठन किया जाता है।
* संचालन परिषद के विचार-विमर्श और अनुमोदन की अपेक्षा वाले सभी नीतिगत मामले और संस्थान के कर्मचारियों के सेवा शर्तों से जुड़े सभी मामले पहले स्थायी समिति के विचार-विमर्श, सिफारिशों या अनुमोदन के लिए रखे जाएंगे।
* भारत सरकार से बजटीय सहयोग की अपेक्षा वाले सभी प्रस्तावों की स्थाई समिति द्वारा समीक्षा की जाएगी और समिति संचालन परिषद को आवश्यक सुझाव और सिफारिशें देगी।
* स्थायी समिति वित्तीय समिति तथा निर्माण और अनुबंध समिति के रूप में भी कार्य करेगी और पूंजीगत व्यय के प्रमुख मदों में सभी भवन या निर्माण परियोजनाओं, अनुबंधों तथा कार्य आदेशों की समय-समय पर समीक्षा करेगी।
* स्थायी समिति संचालन परिषद द्वारा सौंपे गए सभी वित्तीय और नीतिगत मामलों की समीक्षा करेगी और सिफारिशें देगी।
* स्थायी समिति की कार्यवाही के सभी विवरण या समिति के स्वीकृत प्रस्ताव संचालन परिषद की बैठक में नोटिंग, विचार-विमर्श या संशोधन के लिए रखे जाएंगे।
* स्थायी समिति के सभी आदेश और निर्णय अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित होंगे। रजिस्ट्रार या संचालन परिषद द्वारा अधिकृत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रमाणित होंगे और समिति के सदस्यों को वितरित किए जाएंगे।

2.3 सीनेट

* सीनेट की भूमिका, शक्तियां और कार्य इस प्रकार हैं-

* विभिन्न विषयों के लिए अध्ययन पाठ्यक्रम तैयार करना और संशोधित करना तथा अकादमिक सलाहकार समिति की सिफारिशों के अनुसार आवश्यक परिवर्तन करना।

* अध्ययन विषयों या कार्यक्रमों या परिसरों के सृजन, पुनः निर्माण या हटाये जाने के संबंध में संचालन परिषद को सुझाव देना।

* परीक्षा संचालन, परीक्षकों, मॉडरेटर, टेबुलेटर की नियुक्ति तथा परीक्षाओं से संबंधित अन्य मामलों की व्यवस्था पर नजर रखना।

* अंतिम सेमेस्टर के परीक्षा परिणामों की घोषणा या इसके लिए समितियां या अधिकारियों की नियुक्ति तथा डिग्री, डिप्लोमा और अन्य अकादमिक विशिष्टता या उपाधियां प्रदान करने के संबंध में संचालन परिषद को सुझाव देना।

* विशेष और महत्वपूर्ण शैक्षणिक मामलों में परामर्श के लिए सीनेट के सदस्यों, अन्य फैकल्टी सदस्यों तथा बाहर के विशेषज्ञों को लेकर समितियों या कार्य समूहों की नियुक्ति।

* शैक्षणिक सलाहकार समिति द्वारा की गई अनुशंसाओं पर विचार करना और कार्रवाई करना या कार्रवाई के बारे में सुझाव देना।

* विभिन्न फैकल्टी स्ट्रीम या विषय की गतिविधियों की समय-समय पर समीक्षा तथा संस्थान के शिक्षा मानकों में उत्कृष्ठता बनाये रखने के लिए समुचित कार्रवाई।

* कक्षाओं और अन्य कार्यक्षेत्रों में डिजाइन अनुसंधान और विकास को बढावा देना तथा परामर्श, लोक संपर्क और उद्योग कार्यक्रम परियोजनाओं के जरिये अवसरों को बढावा देना।

* वैकल्पिक पाठ्यक्रमों तथा विद्यार्थियों के पाठ्येत्तर गतिविधियों की आयोजना और समीक्षा तथा समुचित सुझाव देना।

* प्रयोगशालाओं, स्टूडियो, कक्षाओं, छात्रावासों, विद्यार्थी कल्याण कार्यक्रमों, सह- पाठ्यक्रम संबंधी गतिविधियों और शिकायत निपटान तंत्रों के कामकाज की समीक्षा।

* स्टाइपेंड, छात्रवृत्ति, पदक, पुरस्कार और आवश्यक प्रतीत होने वाली स्थितियों में अन्य समान प्रशस्तियां प्रदान करना।

* संस्थान की विभिन्न गतिविधियों की प्रगति की समय-समय पर समीक्षा।

* संस्थान के विभिन्न कार्यक्रमों में प्रवेश या प्रवेश परीक्षा संचालित करने के लिए नियम, पात्रता, रूप-रेखा, वेटेज तथा विश्वसनीय और प्रतिष्ठित एजेंसी या एजेंसियों के माध्यम से विभिन्न प्रशासनिक गतिविधियों की आउटसोर्सिंग सहित प्रक्रियाएं तय करने के लिए प्रवेश समिति का गठन।

* विद्यार्थियों के कल्याण संबंधी मामलों में, जिनमें कोई नीतिगत या अनुशासनात्मक विषय शामिल न हो, विचार-विमर्श के दौरान सीनेट की बैठक में दो विद्यार्थी प्रतिनिधियों को भी आमंत्रित करना।

* किसी भी शैक्षणिक कार्यक्रम को हटाये जाने संबंधी नियम तय करना और पर्याप्त विचार-विमर्श के बाद इसका अनुमोदन करना।

* सीनेट द्वारा निर्धारित विशेष कार्य संपन्न करने के लिए, आवश्यकता होने पर ऐसी अन्य समितियों (स्थायी और एडहॉक दोनो स्थितियों में) का गठन करना। ऐसी समितियों के सदस्य सीनेट द्वारा समय-समय पर निर्धारित प्रक्रियाओं के अनुरूप, सीनेट, संस्थान की अन्य फैकल्टी, संस्थान के विद्यार्थी और बाहर से विशेषज्ञों के बीच से नामित किए जाएंगे।

* सीनेट की बैठक में शामिल होने के लिए ऐसे व्यक्ति या व्यक्तियों को आमंत्रित करना जिन्हें बुलाया जाना आवश्यक प्रतीत होता हो।

2.4 फैकल्टी फोरम

फैकल्टी फोरम एक परामर्शदाता निकाय है, इसमें संस्थान की सभी शिक्षण फैकल्टी के सदस्य शामिल होते हैं।

फैकल्टी फोरम की बैठक वर्ष में कम से कम दो बार अवश्य होती है। शैक्षणिक सेमेस्टर शुरु होने से पहले बैठक को प्राथमिकता दी जाती है। बैठक में शैक्षणिक कार्यक्रमों, पाठ्यक्रम को अद्यतन बनाने, शैक्षणिक मानदंड स्तर में सुधार संबंधी सभी अकादमिक मामलों पर विचार-विमर्श होता है। पाठ्यक्रमों की प्रस्तुति और मूल्यांकन के बारे में सीनेट को फीड बैक दिया जाता है।

फैकल्टी फोरम की अध्यक्षता निर्देशक करते हैं। उनकी अनुपस्थिति में गतिविधि अध्यक्ष (शिक्षा प्रशिक्षण) या निर्देशक द्वारा मनोनीत संस्थान के डीन द्वारा अध्यक्षता की जाती है। फैकल्टी फोरम का फीड बैक विचार-विमर्श के लिए सीनेट के समक्ष रखा जाता है।

3. अंग विन्यास और शैक्षणिक कार्य प्रवाह

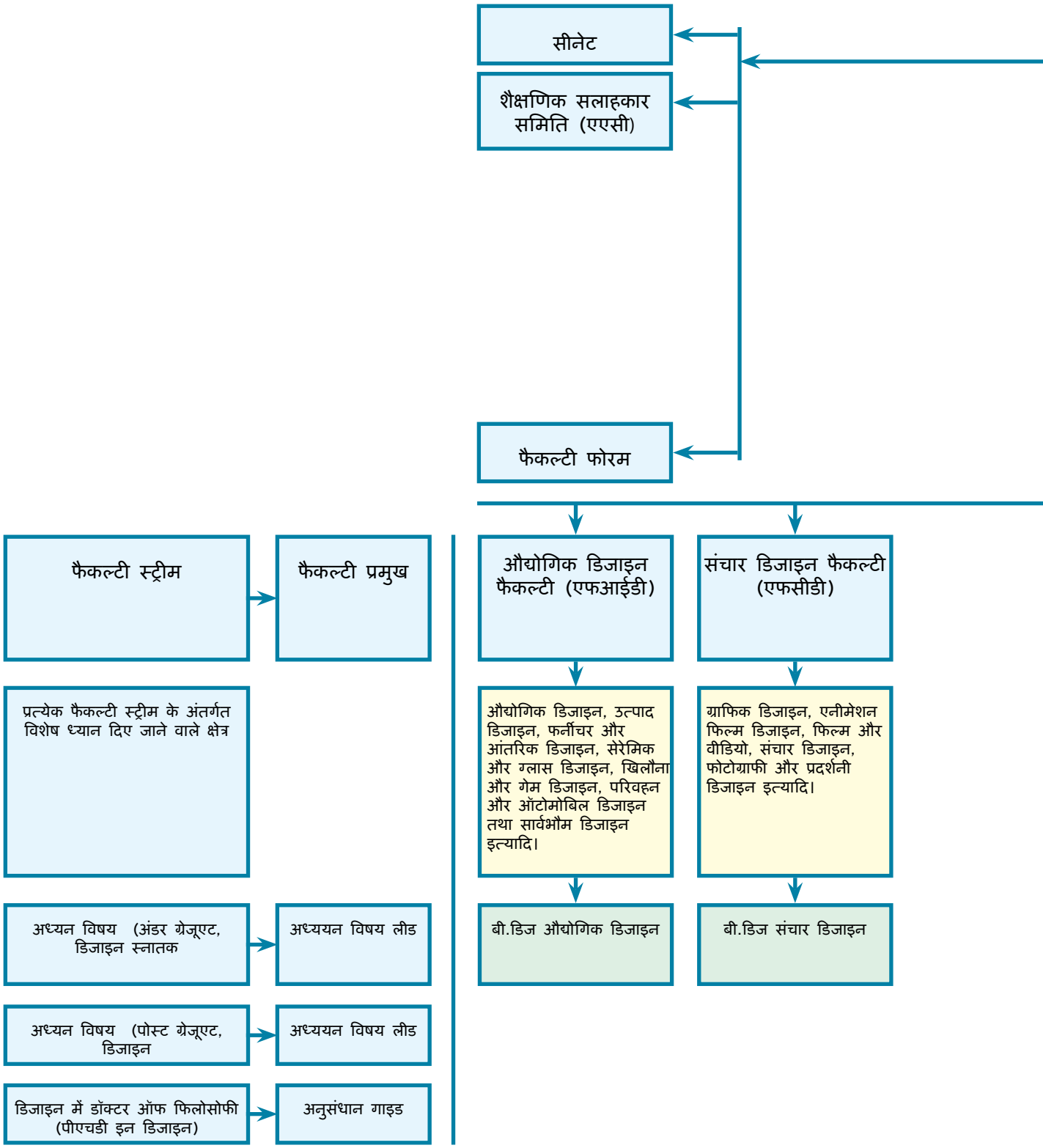

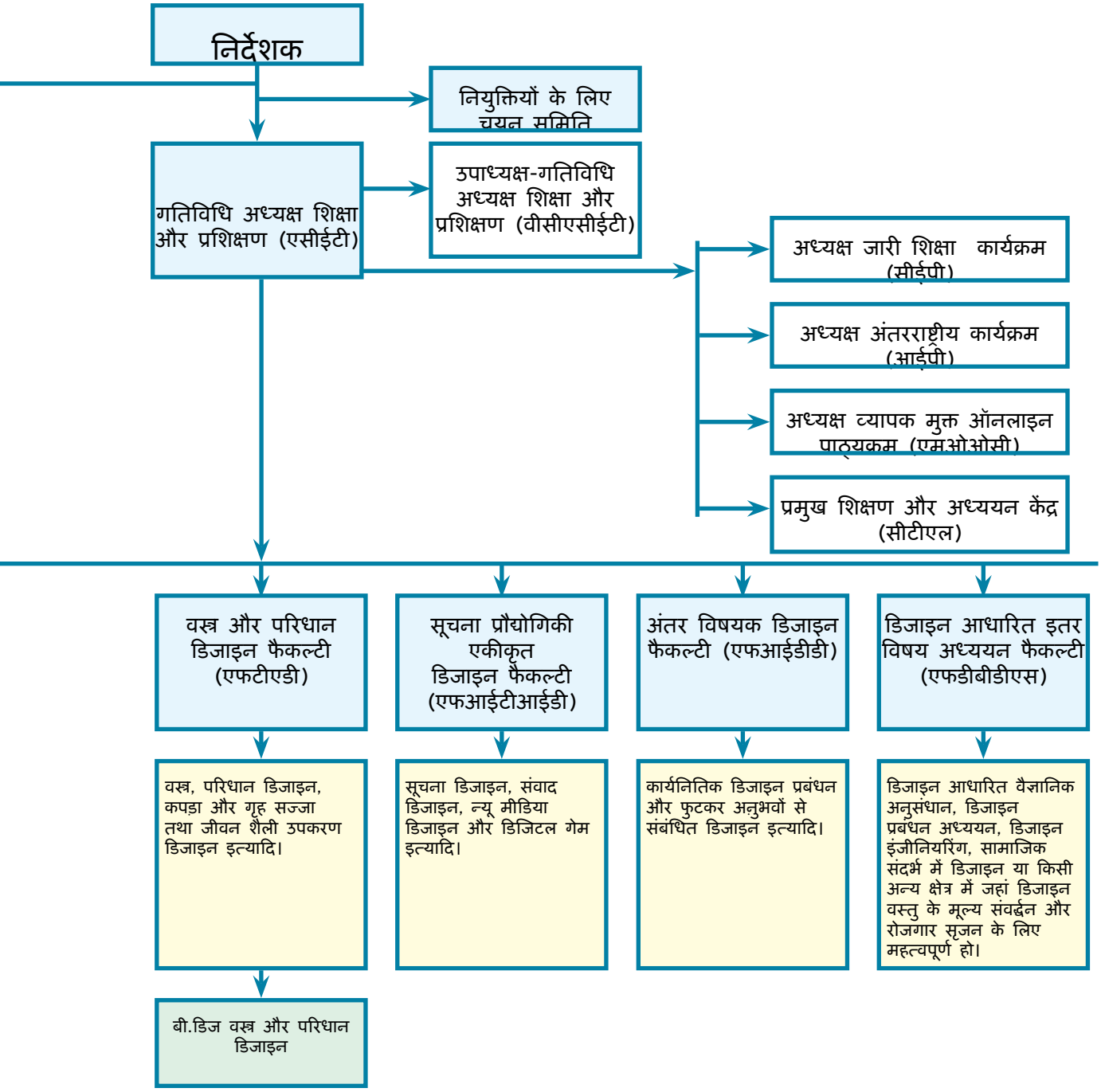
निर्देशक
नियुक्तियों के लिए चयन समिति
गतिविधि अध्यक्ष शिक्षा और प्रशिक्षण (एसीईटी)
उपाध्यक्ष-गतिविधि अध्यक्ष शिक्षा और प्रशिक्षण (वीसीएसीईटी)
अध्यक्ष जारी शिक्षा कार्यक्रम (सीईपी)
अध्यक्ष अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम (आईपी)
अध्यक्ष व्यापक मुक्त ऑनलाइन पाठ्यक्रम (एमओओसी)
प्रमुख शिक्षण और अध्ययन केंद्र (सीटीएल)
वस्त्र और परिधान डिजाइन फैकल्टी (एफटीएडी)
सूचना प्रौद्योगिकी एकीकृत डिजाइन फैकल्टी (एफआईटीआईडी)
अंतर विषयक डिजाइन फैकल्टी (एफआईडीडी)
डिजाइन आधारित इतर विषय अध्ययन फैकल्टी (एफडीबीडीएस)
वस्त्र, परिधान डिजाइन, कपड़ा और गृह सज्जा तथा जीवन शैली उपकरण डिजाइन इत्यादि।
सूचना डिजाइन, संवाद डिजाइन, न्यू मीडिया डिजाइन और डिजिटल गेम इत्यादि।
कार्यनितिक डिजाइन प्रबंधन और फुटकर अनुभवों से संबंधित डिजाइन इत्यादि।
डिजाइन आधारित वैज्ञानिक अनुसंधान, डिजाइन प्रबंधन अध्ययन, डिजाइन इंजीनियरिंग, सामाजिक संदर्भ में डिजाइन या किसी अन्य क्षेत्र में जहां डिजाइन वस्तु के मूल्य संवर्द्धन और रोजगार सृजन के लिए महत्वपूर्ण हो।
बी.डिज वस्त्र और परिधान डिजाइन

3.1 फैकल्टी स्ट्रीम

फैकल्टी स्ट्रीम संस्थान की एक शैक्षणिक इकाई है जो डिजाइन शिक्षा, परामर्श, अनुसंधान और विकास जैसी गतिविधियों से जुड़ी है।
संस्थान यूजी, पीजी और पीएचडी स्तर पर विभिन्न डिजाइन विषयों के माध्यम से निम्नलिखित फैकल्टी स्ट्रीम में शिक्षण कार्यक्रम उपलब्ध कराता है।

औद्योगिक डिजाइन फैकल्टी (एफआईडी)
यह फैकल्टी असाधारण, नवाचारी लीडरों की एक समर्पित टीम है जो विषय में रचनात्मकता, परिकल्पना और संपूर्णता का नया स्तर लाने के लिए प्रतिबद्ध है। विविध आयामों वाला यह विषय डिजाइन के जरिये सीखने वालों में प्रतिस्पर्धी उत्कृष्टता लाता है। इस स्ट्रीम के अंतर्गत उपलब्ध काराये जाने वाले कार्यक्रम उत्पादों, उपकरणों, मशीनरी और सेवाओं की डिजाइनिंग में नई सोच सृजित करते हैं। इस विषय का उद्देश्य उपभोक्ताओं और ग्राहकों तक फर्नीचर, आंतरिक सज्जा की वस्तुएं, सेरामिक और ग्लास उत्पाद, खिलौने और गेम, ऑटोमोबिल जैसे उपयोग अनुकूल उत्पाद पहुंचाना है।

संचार डिजाइन फैकल्टी (एफसीडी)
संचार डिजाइन फैकल्टी अत्यंत विविधिकृत मीडिया और मल्टीमीडिया प्लेटफॉर्म से संबंधित है। डिजाइन संचार कौशल, सीखने वालों को अपने विचारों के संप्रेषण के लिए कला और प्रौद्योगिकी के उपयोग में सक्षम बनाता है। विद्यार्थियों को शब्द संयोजन, छवि और अभिव्यक्तियों के संयोजन सिद्धांत और अभ्यास से अवगत कराया जाता है, ताकि वे सूचना के दृष्य संप्रेषण और मानवीय अनुभूतियों की अभिव्यक्ति में समर्थ हो सकें। फैकल्टी की टीम ग्राफिक डिजाइन, एनिमेशन, फिल्म और वीडियो संचार डिजाइन, फोटोग्राफी और प्रदर्शनी डिजाइन इत्यादि में विशेषज्ञता प्राप्त होती है।

वस्त्र और परिधान डिजाइन फैकल्टी (एफटीएडी)
यह फैकल्टी वस्त्र, परिधान, फैशन और आंतरिक साज-सज्जा उत्पाद डिजाइनों में पारंगत स्ट्रीम है। इस स्ट्रीम के अंतर्गत आने वाले कार्यक्रम वस्त्र उत्पाद विकास, परिधान डिजाइनिंग, जीवन शैली और फैशन उपकरण तथा उनके व्यापार के बीच एक संतुलन बनाते हैं। स्ट्रीम के कार्यक्रमों की गहरी जड़ें कपड़ा विकास, वस्त्र निर्माण प्रौद्योगिकी, जीवन शैली, फैशन उपकरण और इनके डिजाइन की वैज्ञानिक प्रक्रियाओं में स्थित है। विद्यार्थियों को पारंपरिक हस्तशिल्प क्षेत्र और आधुनिक प्रौद्योगिकी आधारित वस्त्र परिधान और उपकरण उद्योग दोनों में सर्वोत्तम मानक विकसित करने के लिए तैयार किया जाता है।

सूचना प्रौद्योगिकी एकीकृत डिजाइन फैकल्टी (एफआईटीआईडी)
यह फैकल्टी सूचना प्रौद्योगिकी आधारित डिजाइनों से जुड़े क्रार्यक्रम उपलब्ध कराता है और भविष्य के डिजाइन उद्योग पर ध्यान केंद्रित करते हुए डिजाइन संबंधी समाधान प्रस्तुत करता है। ये स्ट्रीम विद्यार्थियों को ऐसे नवाचारियों के रूप में प्रशिक्षित करने के लिए उभरते डिजाइन परिदृश्य पर पकड़ रखता है जो उद्योग की जरूरतों को समझते हुए रचनात्मक तरीकों से डिजाइन का उपयोग करे और समस्याओं को हल करने की सक्षमता विकसित करे। यह फैकल्टी सूचना डिजाइन, संवाद डिजाइन, न्यू मीडिया डिजाइन, डिजिटल गेम डिजाइन इत्यादि में विशेषज्ञता प्राप्त है।

अंतरविषयक डिजाइन फैकल्टी (एफआईडी)
यह स्ट्रीम गैर डिजाइन विषयों जैसे विज्ञान, इंजीनियरिंग और प्रबंधन इत्यादि की डिजाइन आधारित जरूरतों पर ध्यान केंद्रित करती है और विशेष कार्यक्रमों के माध्यम से इन जरूरतों की पूर्ति करती है। इस स्ट्रीम के अंतर्गत उपलब्ध कराये जाने वाले अधिकांश क्रार्यक्रम पोस्ट ग्रेजुएट अध्ययन के माने जाते हैं, हालांकि कुछ मामलों में अंडर ग्रेजुएट स्तर पर भी, समुचित औचित्य के साथ ये उपलब्ध कराये जाते हैं। इस स्ट्रीम के कार्यक्रम इस विश्वास पर आधारित होते हैं कि सफल नेतृत्व के लिए प्रौद्योगिकी और लोगों के बीच संबंधों की व्यापक समझ जरूरी है ताकि ऐसे ग्रेजुएट सामने आ सके जो रूपांतरकारी समाधानों के साथ समाज के समक्ष आने वाली चुनौतियों से निपटने में सक्षम होंगे। इस फैकल्टी की टीम डिजाइन इंजीनियरिंग, कार्यनीतिक डिजाइन प्रबंधन और फुटकर अनुभवों से संबंधित डिजाइन सृजन में विशेषज्ञता प्राप्त है।

डिजाइन आधारित इतर विषय अध्ययन फैकल्टी (एफडीबीटीएस)
यह स्ट्रीम डिजाइन आधारित वैज्ञानिक अनुसंधान, डिजाइन प्रबंधन अध्ययन, डिजाइन इंजीनियरिंग, सामाजिक संदर्भ डिजाइन या किसी अन्य क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करती है जहां डिजाइन, उत्पादों के मूल्य संवर्द्धन और रोजगार के अवसर सृजित करने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

3. 2 संस्थान का प्रबंधन

संस्थान का प्रबंधन संस्थान में विभिन्न प्राधिकरणों के माध्यम से सुनिश्चित किया जाता है। यह पक्का करते हैं कि संस्थान अपेक्षित दिशा में आगे बढ़े और स्वयं को विकसित करने की दिशा में अग्रसर होने का जोखिम उठाये।

क्रम संख्या	विवरण	भूमिका/कार्य
1	अधिनियम की धारा 11 के अंतर्गत गठित संचालन परिषद	संस्थान के मामलों में सामान्य अधीक्षण, निर्देशन और नियंत्रण, नीति निर्धारण, अध्ययन पाठ्यक्रमों का अनुमोदन, पद सृजन की सिफारिश विधान और अध्यादेश बनाना, सरकारी और निजी संगठनों के साथ आवश्यक प्रबंधन, वार्षिक रिपोर्ट का अनुमोदन, वार्षिक खाते, बजटीय अनुमान।
2	अधिनियम की धारा 18 के तहत नियुक्त निर्देशक	संस्थान का समुचित प्रशासन, विकास योजनाओं का परीक्षण, वार्षिक बजटीय अनुमानों की जांच और कोष आवंटन के लिए सुझाव देना, अधिनियम विधानों और अध्यादेशों द्वारा प्रदत्त अधिकारों का उपयोग और दायित्वों का निर्वहन।
3	अधिनियम की धारा 15 के अंतर्गत गठित सीनेट	अनुदेश, शिक्षण और परीक्षा से संबंधित मानकों पर सामान्य नियमन और नियंत्रण। विधानों द्वारा प्रदत्त अधिकारों का उपयोग और कर्तव्यों का निर्वहन।
4	संचालन परिषद की स्थायी समिति	संचालन परिषद के विचार विमर्श और अनुमोदन की आवश्यकता वाले सभी नीतिगत मामलों को देखना, सेवा शर्तों से संबंधित मामलों, बजटीय सहयोग संबंधी प्रस्तावों की समीक्षा, वित्तीय समिति तथा भवन और अनुबंध समिति से संबंधित कार्य।
5	गतिविधि अध्यक्ष (शिक्षा) संचालन परिषद की स्थायी समिति	विद्यार्थियों के प्रदर्शन संबंधी मूल्यांकन, परीक्षाओं और मूल्यांकन संबंधी मानक, पाठ्यक्रमों का प्रबंधन, पाठ्यक्रम विकास, प्रस्तुति, आकलन, पाठ्यक्रमों की वार्षिक समीक्षा, मूल्यांकन में निष्पक्षता सुनिश्चित करना, विद्यार्थियों के रिकॉर्ड का प्रबंधन।
6	शैक्षणिक परामर्श समिति	शैक्षणिक मानदंडों की समीक्षा, पाठ्यक्रम विषयों में संबद्धता, विद्यार्थियों का प्रदर्शन, प्रक्रियाओं का आकलन, डिप्लोमा/सर्टिफिकेट प्रदान करना।
7	फैकल्टी फोरम	सभी विभागों के बीच विषयों से इतर संवाद सृजित करना, इस फोरम की भूमिका अपनी प्रकृति में सलाहकार की है।
8	विजिटिंग फैकल्टी की नियुक्ति, फैकल्टी और अनुबद्ध फैकल्टी के पुन:नियोजन के लिए संचालन परिषद की उप समितियां	गठित किया जाना है
9	संस्थान परिसरों के डीन	(यदि परिसर एक से अधिक हों)
10	अन्य गतिविधि अध्यक्ष (संस्थान की आवश्यकता के अनुरूप	गतिविधि अध्यक्ष- शिक्षण और प्रशिक्षण गतिविधि अध्यक्ष- कार्यनीति और योजना गतिविधि अध्यक्ष- वैश्विक संपर्क प्रकोष्ठ गतिविधि अध्यक्ष- अनुसंधान और विकास तथा केएमसी गतिविधि अध्यक्ष- आरोग्य केंद्
11	विभागाध्यक्ष	प्रमुख, नियमित कार्यक्रम (यूजी/पीजी/पीएचडी) प्रमुख, जारी शिक्षण कार्यक्रम (सर्टिफिकेट/डिप्लोमा) प्रमुख, अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम (सर्टिफिकेट/एक्सचैंज) प्रमुख, व्यापक मुक्त ऑनलाइन पाठ्यक्रम (एमओओसी) प्रमुख, शिक्षण और अध्ययन केंद्र (सीटीएल)
12	विषय लीड	विषय लीड फाउंडेशन अध्ययन विषय लीड औद्योगिक डिजाइन विषय लीड संचार डिजाइन विषय लीड वस्त्र और परिधान डिजाइन

13	रजिस्ट्रार	रजिस्ट्रार अभिलेखों, सामान्य मुहर, संस्थान की निधियों और संस्थान की ऐसी अन्य संपत्ति संरक्षक होगा, जो शासी परिषद उसके प्रभार में रखेगी। रजिस्ट्रार गवर्निंग काउंसिल, सीनेट और ऐसी समितियों के सचिव के रूप में कार्य करेगा जो विधियों द्वारा निर्धारित की जा सकती हैं।
14.	सीएओ	मुख्य प्रशासनिक अधिकारी स्थापना मामलों, संस्थान और संस्थान परिसरों के सामान्य प्रशासन मामलों, विभिन्न निर्देशों के कार्यान्वयन पर भारत सरकार और अन्य अधिकारियों के साथ संपर्क, कर्मियों और स्थापना सेवाओं, सुरक्षा और हाउसकीपिंग सेवाओं, भूमि के प्रभारी होंगे। या भवन या रखरखाव सेवाएं, खरीद और भंडार और ऐसी अन्य सामान्य प्रशासन सेवाएं और अन्य प्रशासनिक जिम्मेदारियां जो निदेशक द्वारा उन्हें सौंपी जा सकती हैं।
15.	सीएफए	मुख्य प्रशासनिक अधिकारी स्थापना मामलों, संस्थान और संस्थान परिसरों के सामान्य प्रशासन मामलों, विभिन्न निर्देशों के कार्यान्वयन पर भारत सरकार और अन्य अधिकारियों के साथ संपर्क, कर्मियों और स्थापना सेवाओं, सुरक्षा और हाउसकीपिंग सेवाओं, भूमि के प्रभारी होंगे। या भवन या रखरखाव सेवाएं, क्रय एवं भंडार और ऐसी अन्य सामान्य प्रशासन सेवाएं और अन्य प्रशासनिक जिम्मेदारियां जो निदेशक द्वारा उन्हें सौंपी जा सकती हैं।

3.3 गतिविधि प्रमुख

संस्थान ने निम्नलिखित गतिविधि अध्यक्ष पदों का गठन किया है। संस्थान के सुचारु संचालन के लिये इन्हे विशेष अधिकार और कार्य दिये गये हैं।

1. गतिविधि प्रमुख (शिक्षा और प्रशिक्षण)
2. गतिविधि प्रमुख (कार्यनीति और योजना)
3. गतिविधि प्रमुख (वैश्विक संपर्क प्रकोष्ठ)
4. गतिविधि प्रमुख (अनुसंधान और विकास तथा ज्ञान प्रबंधन केंद्र)
5. गतिविधि प्रमुख (आरोग्य केंद्र)

चित्र- प्रो. धीरज कुमार, गतिविधि प्रमुख (शिक्षा और प्रशिक्षण),शोध और विकास और ज्ञान

चित्र- सुश्री नीतिका देवगन, गतिविधि प्रमुख

चित्र- श्री अमित कुमार गहलोत, गतिविधि प्रमुख

1. शिक्षा प्रशिक्षण - गतिविधि प्रमुख के कार्य

सभी फैकल्टी स्ट्रीम और पाठ्यक्रमों से संबंधित शैक्षणिक कार्यक्रमों की प्रशासनिक और अकादमिक गतिविधियों का प्रभारी

सीनेट, निदेशक, परिषद की स्थायी समिति और संचालन परिषद के परामर्श से समुचित कार्रवाई के जरिये विद्यार्थियों के अनुशासनात्मक मामलों और शिकायतों सहित शिक्षा मानकों में उत्कृष्टता बनाये रखने का दायित्व

संस्थान के प्रबंधन और अकादमिक मानदंड के लिये सभी डीन, फैकल्टी प्रमुख, विषय प्रमुख, लैब या स्टूडियो कॉर्डिनेटर और सभी विषयों या कार्यक्रमों के फैकल्टी सदस्य तथा प्रवेश समिति, साख और मूल्यांकन समिति और शैक्षणिक पैनल सहित शिक्षा संबंधी सभी परामर्श समितियों को गतिविधि अध्यक्ष (शिक्षा प्रशिक्षण) के साथ समन्वय करना होगा।

निदेशक द्वारा गठित समितियों की अध्यक्षता करना तथा निदेशक द्वारा सौंपे गये दायित्वों और कार्यो को पूरा करना।

2. कार्यनीति और योजना- गतिविधि प्रमुख के कार्य

निदेशक के परामर्श से संस्थान की दीर्घावधि योजना तय करना। संस्थान की परिकल्पनाओं, मिशन और उद्देश्यों के अनुरूप लक्ष्यों, रणनीतियों, कार्यनीतियों और कार्ययोजनाओं के अनुपालन की निगरानी।

सभी गतिविधि प्रमुखों/संस्थान के विभागों के समन्वित प्रयासो को एकजुट करना और संस्थान के समग्र विकास और ब्रैंडिंग के लिये संबंधित निर्देश देना।

भवन, क्लासरूम, पुस्तकालय (बीबीटी) किताबें, फर्नीचर, खेल मैदान, छात्रावास, परिवहन इत्यादि जैसी भौतिक ढांचागत सुविधाओं से संबंधित मात्रात्मक जानकारी प्राप्त करने के लिये मानक प्रोफोर्मा, फॉर्म, दस्तावेज या नियमावली तैयार करना।

संगठन की रूपरेखा, पाठ्यक्रम संशोधन, कर्मचारियों के विकास अनुसंधान तथा पूर्व विद्यार्थियों इत्यादि से फीडबैक लेने की प्रणालियां विकसित करना।

3. अनुसंधान और विकास तथा ज्ञान प्रबंधन केंद्र- गतिविधि प्रमुख के कार्य
निदेशक द्वारा सौंपे गये संस्थान के अनुसंधान और विकास तथा ज्ञान प्रबंधन केंद्र से संबंधित कार्यों और दायित्वों को अन्य गतिविधि प्रमुखों के समन्वय से पूरा करना।

संस्थान के अनुसंधान और विकास तथा ज्ञान प्रबंधन केंद्र की गतिविधियों के बारे में नीतिगत नियमावली तैयार और विकसित करना।

4. वैश्विक संपर्क प्रकोष्ठ - गतिविधि प्रमुख के कार्य
निदेशक द्वारा सौंपे गये संस्थान के वैश्विक संपर्क प्रकोष्ठ से संबंधित कार्यों और दायित्वों को अन्य गतिविधि प्रमुखों के समन्वय से पूरा करना।

लेखा परीक्षा, अनुसंधान कर्ताओं की नियुक्ति, वित्तपोषण करने वाली एजेंसी से बातचीत, आईपीआर सुरक्षा और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण सहित परियोजना सौंपे जाने और प्रबंधन से लेकर संस्थान की सभी प्रायोजित अनुसंधान गतिविधियों का प्रभार

संस्थान की ओर से प्रायोजकों की सभी प्रायोजित अनुसंधान और औद्योगिक परामर्श परियोजनाओ के लिये नोडल ऑफिसर का दायित्व निभाना

5. आरोग्य केंद्र - गतिविधि प्रमुख के कार्य
निदेशक द्वारा सौंपे गये संस्थान के आरोग्य केंद्र की गतिविधियों से संबंधित कार्यों और दायित्वों को अन्य गतिविधि प्रमुखों के समन्वय से पूरा करना।

संस्थान के विद्यार्थियों और कर्मचारियों में जागरुकता पैदा करना तथा उन्हें संरक्षण और समर्थन देना ताकि उनमें स्वस्थ जीवन शैली विकसित हो और उनकी कार्य कुशलता बढ़ाने के साथ-साथ तनाव कम किया जा सके। संस्थान के विद्यार्थियों और कर्मचारियों में शारीरिक, भावनात्मक, सामाजिक, बौद्धिक, आध्यात्मिक, पर्यावरणीय और व्यवसायगत आरोग्य सृजित और सुनिश्चित करना।

4. अकादमिक विषय़

संस्थान तीन स्नातक डिग्री पाठ्यक्रम उपलब्ध कराता है - औद्योगिक डिजाइन स्नातक, संचार डिजाइन स्नातक तथा वस्त्र और परिधान डिजाइन स्नातक। सभी पाठ्यक्रमों में पहले वर्ष में साझा फाउंडेशन कार्यक्रम रहता है।

4.1 फाउंडेशन अध्ययन (अंडर ग्रैजुएट)

साझा फाउंडेशन (सीएफ) अध्ययन (1 वर्ष) कला और डिजाइन के विभिन्न अवयवों के बारे में बुनियादी जानकारी उपलब्ध कराता है जो विद्यार्थियों में दृश्य और लिबरल कलाओं के बारे में सार्थक पेशेगत समझ विकसित करता है।

चित्र- फाउंडेशन अध्ययन का पहला अकादमिक सत्र 29 जुलाई 2019 को आरंभ हुआ

चित्र- कार्यशाला में काम सीखते विद्यार्थी

चित्र- विद्यार्थियों के कार्य की झलकियां

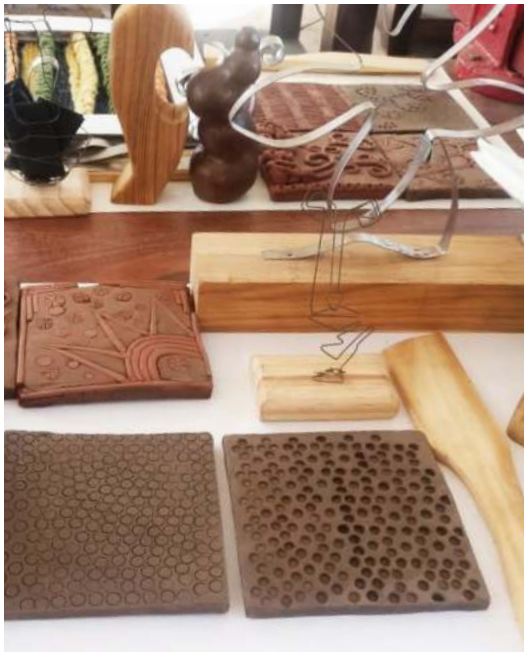

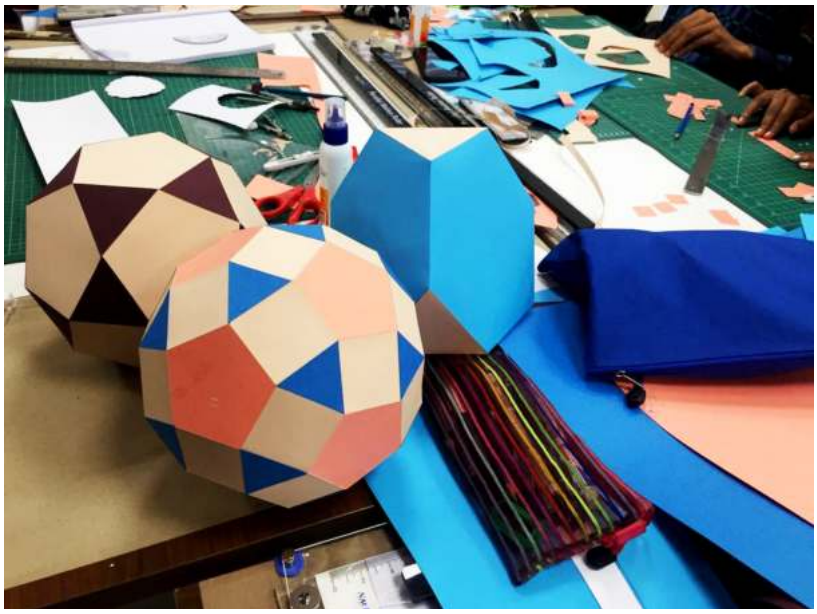

चित्र- हैदराबाद डिजाइन सप्ताह में विद्यार्थियों के कार्य की सराहना - निदेशक उन्हें बधाई देते हुए

चित्र- निर्देशक रजिस्ट्रार के साथ विद्यार्थियों से बातचीत करते हुए

चित्र- विद्यार्थी काम प्रस्तुत करते हुए

चित्र- विद्यार्थी काम प्रस्तुत करते हुए

चित्र- परिसर के बाहर सीखना

चित्र- परिसर के बाहर सीखना

चित्र- कार्य प्रदर्शन और निर्णायक समिति के विचार

चित्र- पहले सेमेस्टर के समापन अवसर पर सामूहिक तस्वीर

चित्र- पहले सेमेस्टर के समापन अवसर पर सामूहिक तस्वीर

4.2 स्नातक डिजाइन (बी. डिज. औद्योगिक डिजाइन, 3 वर्षीय)

औद्योगिक डिजाइन (आईडी) कार्यक्रम का उद्देश्य असाधारण, नवाचारी प्रतिभाओं का अध्ययन और विकास सुनिश्चित करना है ताकि वे इस विषय में रचनात्मकता, परिकल्पना और परिशुद्धता का नया स्तर सृजित कर सकें। यह बिल्कुल अलग ढंग का कार्यक्रम विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्द्धी क्षमता विकसित करता है ताकि वे बड़े पैमाने पर उत्पादन आधारित डिजाइन उद्योग के लिये तैयार हो सकें। यह पाठ्यक्रम न केवल उत्पाद के रूप-रंग पर बल्कि इसके विनिर्माण, कार्य और उपयोगकर्ताओं को होने वाले अनुभवों और संतोष को ध्यान में रखने के लिये विद्यार्थी को तैयार करता है।

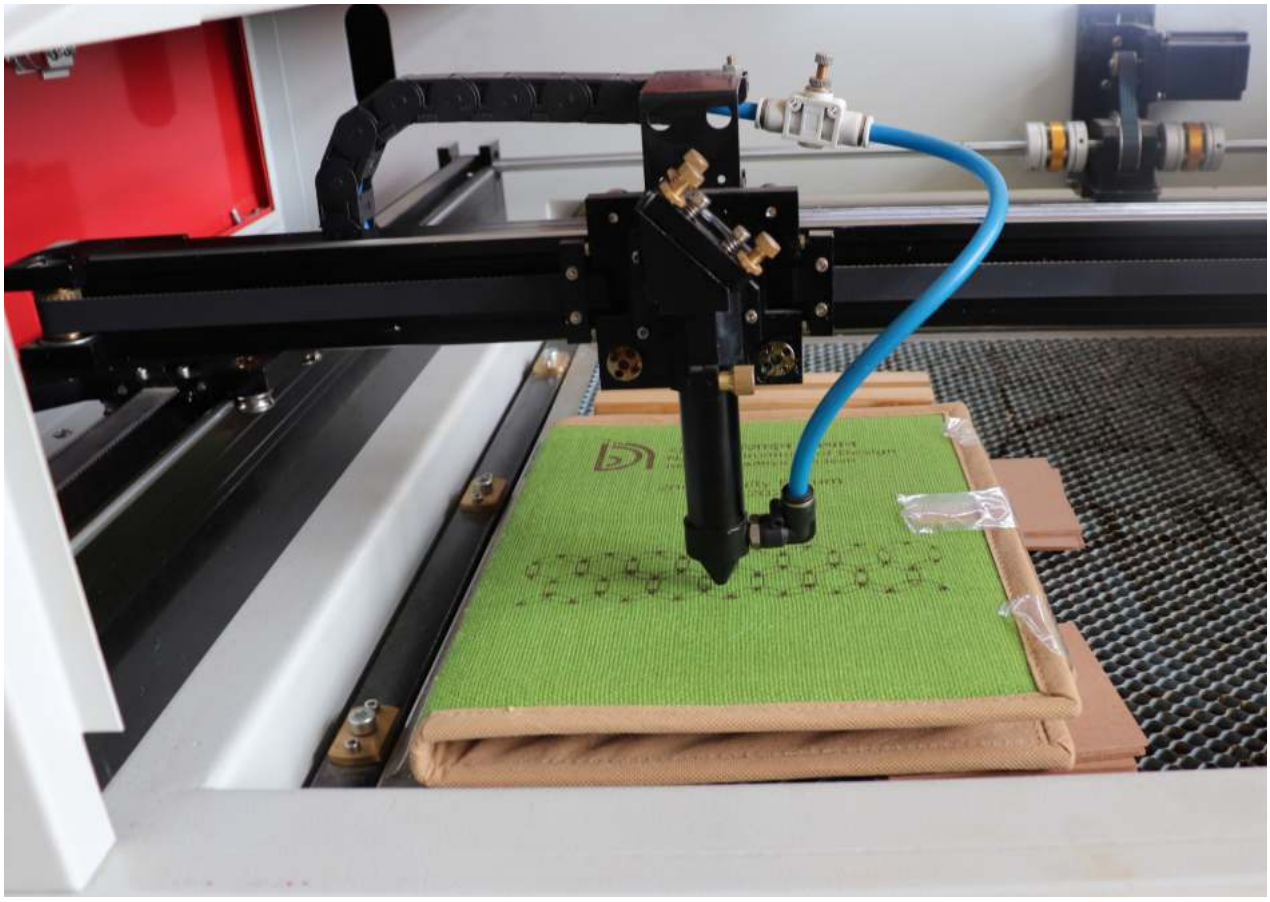

4.3 स्नातक डिजाइन (बी. डिज. संचार डिजाइन, 3 वर्षीय पाठ्यक्रम)

संचार डिजाइन (सीडी) कार्यक्रम इस विषय के व्यापक विस्तार की विविधताओं से जुड़ी अपेक्षाएं पूरी करता है। संस्कृति या संगठन के अंतर्गत एकीकृत प्रक्रिया के रूप में मीडिया और संदेशों की परिपूर्णता की अपेक्षा पूरी करने के लिये प्रणाली पर आधारित पंहुच सुनिश्चित की जाती है। प्रत्येक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, लोग और संगठन की विशिष्ट अपेक्षाओं के अनुरूप डिजाइन कौशल विकसित किया जाता है। और अनुभवों से सीखने के लिये विभिन्न स्टूडियो असाइनमेंट और विशिष्टता क्षेत्रों मे से किसी एक के चयन के माध्यम से इस व्यापक क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों से परिचित कराया जाता है।

Canon
Canon

4.4 स्नातक डिजाइन (बी. डिज. कपड़ा और परिधान डिजाइन, 3 वर्षीय पाठ्यक्रम)

कपड़ा और परिधान डिजाइन (टीएडी)पाठ्यक्रम एक विशिष्ट कार्यक्रम है जो कपड़ा, फैशन और आंतरिक डिजाइन की व्यापक अपेक्षाओं को पूरा करता है। यह कार्यक्रम कपड़ा उत्पाद विकास और परिधान डिजाइनिंग क्षेत्र में एक संतुलन स्थापित करता है। यह कपड़ा विकास की वैज्ञानिक प्रक्रिया और वस्त्र निर्माण प्रौद्योगिकी पर आधारित है। इसका अध्ययन करने वाले विद्यार्थी कपड़ा और परिधान उद्योग के पारंपरिक हस्तशिल्प क्षेत्र और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी दोनों में क्षमता और योग्यता विकसित करते हैं। यह कार्यक्रम कपड़ा उद्योग के रचनात्मक क्षेत्र में एक समृद्ध और चुनौतीपूर्ण स्वस्थ प्रतिस्पर्द्धा के साथ डिजाइन कला, रसायन विज्ञान और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के सम्मिश्रण से संतुलन भी स्थापित करता है।

RBE

RBE
CONTINUOUS
FABRIC STEAMER
RBE
CAUTION
USE
SOFT WATER
OR
R.O. WATER
CAUTION
HOT
SURFACE

4.5 डिजाइन शिक्षा की रूपरेखा

वर्ष/सेमेस्टर	वर्ष 2 (सेमेस्टर 3 और 4)	वर्ष 3 (सेमेस्टर 5 और 6)	वर्ष 4 (सेमेस्टर7 और 8)
अनुकूलन	विषय विशिष्ट निविष्टि	उन्नत विषय विशेष निविष्टि और अनुप्रयोग	तत्वविज्ञान का एकीकरण, संदर्शन और व्याख्या
निर्गम प्रमाणन(जीसी अनुमोदन)	पेशेगत प्रमाणपत्र(संबंधित विषय में)	डिप्लोमा (संबंधित विषय में)	डिजाइन स्नातक(संबंधित विषय में)
अध्यापन-अध्ययन रणनीति	* सिद्धांत(व्याख्यान,कार्यशाला, संदर्शन) * प्रेक्षण(क्षेत्रभ्रमण,वीडियोप्रस्तुति) * विश्लेषणात्मक विधियां * दृश्य सामग्री * स्टूडियो कार्य(अनुभवी से)	* स्व- अध्ययन * क्षेत्रीय अनुसंधान * प्रायोगिक परियोजना * अन्य अभ्यास * छोटे समूह में ट्यूटोरियल	* स्वतंत्र अध्ययन * उद्योग अधिकृत परियोजनाएं (संरक्षण में) * अनुसंधान विधि अनुप्रयोग * सीखे गये सिंद्धांतो का संदर्शन
आकलन रणनीति	* डेटा सोर्सिंग क्षमता मूल्यांकन के लिये महत्वपूर्ण कसौटी होगी। * पाठ्यक्रम मूल्यांकन में (असाईनमेंट, व्यक्तिगत और सामूहिक परियोजनायें, प्रस्तुतियां) * सेमेस्टर अंत की परीक्षायें/ प्रस्तुतियां / परियोजनाएं/ निर्णायक मंडल समीक्षा/ पोर्टफोलियो	* प्राप्त ज्ञान का अनुप्रयोग मूल्यांकन की अहम कसौटी होगी। * पाठ्यक्रम मूल्यांकन में (असाईनमेंट, व्यक्तिगत और सामूहिक परियोजनायें, प्रस्तुतियां) * सेमेस्टर अंत की परीक्षायें/प्रस्तुतियां / परियोजनाएं/ निर्णायक मंडल समीक्षा/पोर्टफोलियो	* परियोजना प्रबंधन क्षमता और व्यवसाय गत दक्षता का प्रदर्शन * नियोक्ता द्वारा विद्यार्थी की रिपोर्ट और अनुभव के साथ साथ उद्योग इंटर्नशिप के दौरान उसके प्रदर्शन का मूल्यांकन * पाठ्यक्रम आकलन में (व्यक्तिगतप्रोजेक्ट, निर्णायक मंडल की समीक्षा) * सेमेस्टर अंत की प्रस्तुतियां / परियोजनायें * एक स्वतंत्र निर्णायक समिति द्वारा फाइनल प्रोजेक्ट का मूल्यांकन
व्यापक उद्देश्य	* ऐतिहासिक, सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भों की समझ और जानकारी * ऐतिहासिक, सामाजिक और ऐतिहासिक और समकालीन डिजाइन विषयों की जानकारी * व्यक्तिगत दृश्य अनुसंधान और डिजाइन प्रस्तुति तकनीकों पर जोर * चयनित अध्ययन विषय, विभिन्न निर्माण विधियों, तकनीकी संचार और डिजाइन प्रस्तुति मान्यीकरण से जुडे प्रायोगिक और सैद्धांतिक पक्ष * सामग्री और उत्पादन प्रक्रियाओं के तकनीकी क्षेत्रों में बुनियादी कौशल और ज्ञान * लागत निर्धारण और व्यापार चलन की बुनियादी अवधारणाओं की जानकारी	* विपणन सिद्धांतों को तकनीकी विशेषज्ञता और डिजाइन उत्कृष्टता से जोड़ना। * उद्योग के विभिन्न व्यावसायिक पक्षों की जानकारी * - उच्च निष्ठा से तैयार अनुकृतियों के साथ डिजाइन रिपोर्टिंग * स्वतंत्र रूप से काम करने की क्षमता तथा डिजाइन की वास्तविक जटिलताओं और नमूने को विकसित करने, मॉडल को छोटा करने, इत्यादि से जुड़े विभिन्न प्रोजेक्ट के जरिये अपनी प्रगति के विश्लेषण और मूल्यांकन की क्षमता * संगठनात्मक रूपरेखा, व्यवसाय और डिजाइन अभ्यासों, आईपीआर, डिजाइन संरक्षण और उद्यम विकास अवधारणा के विभिन्न पक्षों की जानकारी * सामग्री, रंग, फिनिशिंग, और ग्राफिक के संदर्भ में उत्पाद विशेषताएं	* स्वतंत्र अध्ययन पर जोर देते हुए प्रोजेक्ट मोड में प्रस्तुत * 8 सप्ताह के औद्योगिक इंटर्नशिप और 18 सप्ताह के फाइनल डिजाइन परियोजनाओं के माध्यम से गतिशील व्यावसायिक परिवेश से परिचय और दिये गये संदर्भ और डिजाइन संदर्शन और प्रदर्शन में व्यावसायिक निर्णय लेना। * टीम का नेतृत्व करने की क्षमता और निर्धारित परिणाम प्राप्त करने के लिये सभी संसाधनों का उपयोग * व्यवसाय औद्योगिक संदर्भ में सीखे गये सिद्धांतो के अनुप्रयुक्त ज्ञान पर ध्यान देना। * अपनी स्वयं की शैली को सफलतापूर्वक प्रदर्शित करने में समर्थ होना।
मुक्त वैकल्पिक पाठ्यक्रम	* विविधता * स्त्री पुरुष समानता * फोटोग्राफी * आरोग्य	* सातत्य, टिकाउपन * डिजाइन में ह्यूमन फैक्टर्स इंजीनियरिंग (एच एफ ई)	* पोर्टफोलियो विकास * व्यावहारिक कौशल

4.6 गुणवत्ता प्रबंधन

1. संस्थान नियमित रूप से उद्योग पेशेवरों के साथ परामर्श से डिजाइन पाठ्यक्रम को अद्यतन करता है। अनेक चरणों पर निरीक्षण प्रक्रिया के माध्यम से सतर्कता पूर्वक सक्षम फैकल्टी की नियुक्ति की जाती है। इसमें अपेक्षित योग्यता और सक्षमता के लिये आवेदनों की जांच, लिखित और प्रायोगिक परीक्षा तथा साक्षात्कार शामिल है। सभी कर्मचारियों के लिये उनकी काम की प्रकृति को ध्यान में रखते हुए एपीएआर प्रारूप तैयार किया जाता है और उन्हें अपना कौशल, ज्ञान और विशेष गुणों के लगातार संवर्द्धन के लिये प्रेरित किया जाता है।

2. कर्मचारियों को अपनी सक्षमता बढ़ाने के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराये जाते हैं तथा मेले, व्यापार संबंधी आयोजनों, कार्यशालाओं, तथा ऑनलाईन और ऑफलाईन कार्यक्रमों में शामिल होने के लिये प्रोत्साहित किया जाता हैं ताकि वे अपना कौशल विकास कर सकें।

3. प्रतिभा सुधार क्षेत्रों का पता लगाने के महत्वपूर्ण उपाय के रूप में विद्यार्थियों से समय समय पर फीडबैक लेने की व्यवस्था तैयार की गयी है।

4. पाठ्यक्रम विकास के लिये वैज्ञानिक दृष्टिकोण का अनुपालन किया जाता है जिसमें निम्नलिखित कसौटी, कोई भी पाठ्यक्रम प्रदान किये जाने का आधार बनती हैं।

* किसी भी कार्यक्रम की तर्कसंगतता, उद्देश्य और उसका बाजार

* कार्यक्रम की विशेषताएं

* परिणामों के संदर्भ में कार्यक्रम का मानदंड (जानकारी की समझ, कौशल गुणवत्ता, और विद्यार्थियों द्वारा प्राप्त गुण के आधार पर मापन)

* पाठ्यक्रम डिजाइन, विषयवस्तु संरचना (कार्यक्रम के परिणामों को सेमेस्टर प्रणाली के अंतर्गत छोटे छोटे मॉड्यूल में प्रस्तुत करना)

* सभी मॉड्यूल को फिर प्रत्येक चरण के लिये अध्ययन परिणामों के साथ प्रस्तुत करना ताकि सीखे गये ज्ञान का संदर्शन हो सके।

* अंडरग्रैजुएट कार्यक्रमों के लिये अध्ययन की शुरूआत साझा फाउंडेशन कार्यक्रम से होती है जो डिजाइन और इसके अनुप्रयोग जगत से पूरी तरह अनुकूलन कराता है।

4.7 प्रवेश

विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश तीन चरण की प्रक्रिया से संचालित होता है।

चरण 1 - डिजाइन योग्यता परीक्षण यानी डिजाइन ऐप्टिट्यूड टेस्ट (डीएटी) आरंभिक
चरण 2 - डिजाइन योग्यता परीक्षण यानी डिजाइन ऐप्टिट्यूड टेस्ट (डीएटी) मुख्य
चरण 3 - परामर्श और सीट आवंटन

क्र. सं	पाठ्यक्रम का नाम	सीट(शैक्षणिक वर्ष 2019-20)	सीट(शैक्षणिक वर्ष 2020-21)
1.	डिजाइन स्नातक (औद्योगिक)	20	25
2.	डिजाइन स्नातक (संचार)	20	25
3,	डिजाइन स्नातक (वस्त्र और परिधान)	20	25

टिप्पणी
* विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश पाने वाले सभी विद्यार्थियों के लिये पहले वर्ष का फाउंडेशन कार्यक्रम साझा है। फाउंडेशन कार्यक्रम पूरा कर लेने के बाद उन्हें अपने प्रदर्शन और चयन के आधार पर विभिन्न विषय आवंटित किये जाते हैं।

* वर्ष 2020-21 से आर्थिक रूप से कमजोर श्रेणी की सीटों को समायोजित करने के लिये प्रत्येक श्रेणी में सीटों की संख्या संशोधित की जाती है।

* शैक्षणिक वर्ष 2020-21 से अतिरिक्त सीट शामिल किये जाने का प्रस्ताव है।

वर्ष 2019-20 की श्रेणीवार प्रवेश रिपोर्ट तालिका में दी गयी है।

विवरण		श्रेणी				कुल
		सामान्य (50%)	ओबीसी-एनसीएल	अ.जा. (15%)	अ.ज.जा 7.5%)	
कुल सीट		30	16	9	05	60
कुल प्रविष्ट विद्यार्थी		30	16	09	02*	57
एन आई डी एमपी में प्रविष्ट	समग्र वरिष्ठता	(7.5%)	475	532	761	
	श्रेणी में वरिष्ठता	181	109	60	35	
अंतिम विद्यार्थी का परसेंटाइल स्कोर		81.27	63.38	58.68	40.86	

* 03 सीट योग्य पात्र उम्मीदवारों की अनुपलब्धता के कारण नहीं भरे गये।

SHOWCASE
"The first one's of NID, M.P."
- Student Course work
राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान
National Institute of Design
मध्यप्रदेश Madhya Pradesh
SHOWCASE
FOUNDATION YEAR
2019-2020

5. उपलब्धियां और गतिविधियां

5.1 संबद्धता और सदस्यता

संस्थान को इनकी सदस्यता मिल चुकी है
* भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई)
* मध्यप्रदेश वाणिज्य और उद्योग मंडल संघ (एफएमपीसीसीआई)

निर्देशक और रजिस्ट्रार ने एन आई डी एमपी का प्रॉस्पेक्टस गोविंदपुरा उद्योग संघ, भोपाल को दिया। सीआईआई, फिक्की और एसोचैम के प्रमुखों/वरिष्ठ अधिकारियों से औद्योगिक संपर्कों के बारे में राज्य और केंद्रीय स्तर पर बातचीत हुई।

चित्र- निर्देशक ने इंदौर में एन आई डी एमपी के बारे में सीआईआई इंदौर को संबोधित किया

चित्र- निर्देशक ने इंदौर में एन आई डी एमपी के बारे में सीआईआई इंदौर को संबोधित किया

राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्यप्रदेश परिसर के वास्तुकार को इंडियन बिल्डिंग्स कॉंग्रेस द्वारा संस्थागत श्रेणी में प्रशंसा पत्र दिया गया। श्री हरदीप सिंह पुरी(नागरिक उड्डयन तथा आवासन और शहरी कार्य मंत्री) ने 6 जनवरी 2020 को दिल्ली के विज्ञान भवन में यह सम्मान प्रदान किया।

INDIAN BUILDINGS CONGRESS

AWARD FOR EXCELLENCE IN BUILT ENVIRONMENT

2019

Commendation Certificate

Awarded to

Gian P Mathur & Associates Pvt Ltd
New Delhi

for the project of

"National Institute of Design"
BHOPAL

(Pradeep Mittal)
Honorary Secretary

(Dr. Anoop K. Mittal)
President

New Delhi, Dated 6th January, 2020

INDIAN BUILDINGS CONGRESS
Kama Koti Marg, Sector-VI, R.K. Puram,
New Delhi-110022

5.2 पुरस्कार और सम्मान

- सुश्री सेतु शर्मा, संचार डिजाइन फैकल्टी ने एमपी वेयरहाउसिंग लॉजिटिक्स लिमिटेड, मध्य प्रदेश सरकार का लोगो डिजाइन किया।
- डॉ सुदीप शर्मा, पुस्तकालयाध्यक्ष प्रमुख ने निफ्ट भोपाल द्वारा आयोजित पुस्तकालय सम्मेलन में भाग लिया।

5.3 विशिष्ट आगंतुक

* श्रीमती कल्पना श्रीवास्तव, आईएएस, आयुक्त, भोपाल संभाग
* श्री राजीव अग्रवाल, जेएस, डीपीआईआईटी
* श्री डी. वी. प्रसाद, आईएएस, मुख्य प्रबंध निदेशक, भारतीय खाद्य निगम
* डॉ राजेश राजौरा,प्रधान सचिव, औद्योगिक नीति निवेश संवर्द्धन विभाग,म.प्र.सरकार
* श्री तरुण कुमार पिथौड़े, कलेक्टर और जिलाधीश भोपाल
* श्री बी विजय दत्ता, आयुक्त, भोपाल नगरनिगम
* श्री पुखराज मारू, अवकाश प्राप्त अपर मुख्य सचिव, श्रम विभाग, मध्यप्रदेश सरकार
* श्री दिलीप चेनॉय, महासचिव, फिक्की
* श्री श्रेयस चौधरी, अध्यक्ष सीआईआई, मालवा ज़ोन, प्रबंध निदेशक प्रतिभा सिंटेक्स लिमिटेड, इंदौर
* श्री कार्तिकेय वी.साराभाई, संस्थापक निदेशक, पर्यावरण शिक्षा केंद्र
* प्रो. सुनील कुमार गुप्ता, कुलपति, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय.
* श्री प्रवीण नाहर, निर्देशक, राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, अहमदाबाद
* प्रो. मोहम्मद शारिक़ फारुक़ी, निदेशक, एयूडी इनक्यूबेशन, नवाचार, उद्यमिता केंद्र तथा प्रोफेसर, व्यवसाय,सार्वजनिक नीति और सामाजिक उद्यमिता स्कूल, अंबेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली
* डॉ ए.के. खरे, निर्देशक, निफ्ट, भोपाल
* डॉ पराग के. व्यास, संस्थापक, ग्राउ बार डिजाइन
* डॉ आशीष कुमार, वरिष्ठ विकास अधिकारी, आईपीआर निगोशियेशंस कॉरपोरेशन, एनआईडी एंड सीआईपीएएम, डीपीआईआईटी
* श्री अमिताभ बेहर, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, ऑक्सफैम इंडिया
* डॉ विपिन कुमार, निर्देशक, नैशनल इनोवेशन फाउंडेशन, इंडिया
* श्री इतु चौधरी, लीड पार्टनर, इतु चौधरी डिजाइन
* श्री फरहाद कॉन्ट्रैक्टर, संस्थापक, समभाव ट्रस्ट
* डॉ रविन्दर कुमार शर्मा, सुप्रसिद्ध कलाकार, चंडीगढ़
* श्री समर फिरदौस, जाने-माने फैशन डिजाइनर
* श्री भार्गव मिस्त्री, वरिष्ठ डिजाइन शिक्षाविद
* सुश्री मुनीशा राजपाल, जानी-मानी पटकथा लेखिका और थियेटर कलाकार
* श्री राजेश राजपाल, फिल्म निर्देशक और थियेटर कलाकार
* श्री अभिषेक यादव, क्षेत्रीय महाप्रबंधक, भारतीय खाद्य निगम
* श्री शांतनु त्रिपाठी, अध्यक्ष फिक्की, मध्यप्रदेश
* श्री सावन कुमार उप्रेती, उप निदेशक, सीआईआई
* सुश्री संस्कृति मेनन, वरिष्ठ कार्यक्रम निर्देशक, सीईई
* श्री शुवाजित पायने, शिक्षा प्रमुख, सीईई
* श्री रोहित अग्रवाल, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, अनिल इंटर प्राइजेज
* श्री शरद चंद्र बेहर, आईएएस, पूर्व मध्य प्रदेश
* श्री लोकेश घई, कपड़ा कलाकार/शिल्प / वस्त्र/ डिजाइन प्रशिक्षक
* श्री हर्ष तिवारी, क्षेत्रीय समन्वयक, एशिया मध्य पूर्व स्पेशल प्रोजेक्ट बेयरफुट कॉलेज
* श्री ऋषि केजरीवाल, आर्किटेक्ट, बैम्बु स्ट्रक्चर्स, भीमबांध वन्य जीव अभयारण्य
* प्रो.शर्मिष्ठा बैनर्जी, सहायक प्रोफेसर, डिजाइन विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी
* प्रो.संजीव सिंह, प्रोफेसर, वास्तुशिल्प विभाग, योजना और स्थापत्य कला स्कूल, भोपाल
* श्री मनोज कुमार जैन, सलाहकार (इन्फो को डेवलपमेंट), अटलबिहारी वाजपेयी उत्तम प्रशासन नीति विश्लेषण संस्थान, भोपाल
* सुश्री कृष्णा अमीन पटेल, पूर्व केंद्र प्रमुख, एन आई डी अहमदाबाद
* प्रो. दिलीप एन.मालखेड़ा, परामर्शदाता 1 एआईसीटीई, नयी दिल्ली
* श्री ललित कुमार दास, पूर्व प्रमुख, आईडीडीसी, आईआईटीडी, और पूर्व समन्वयक, औद्योगिक डिजाइन, आईआईटी दिल्ली।

चित्र- मोजैक 2019 में आये सम्माननीय अतिथियों का स्मरणीय फोटोग्राफ
(पहली पंक्तिः बायें से दायें-- श्री इतु चौधरी, श्री फरहाद कॉन्ट्रैक्टर, सुश्री संस्कृति मेनन, प्रों श्याम बोहरे, श्री एस. सी. बेहर, प्रो.धीरज कुमार, पद्मश्री श्री कार्तिकेय साराभाई, डॉ. विपिन कुमार, श्री अमिताभ बेहर, डॉ. संजीव सिंह, डॉ. पराग व्यास, श्री रोहित अग्रवाल,
(दूसरी पंक्तिः बांये से दायें - सुश्री शर्मिष्ठा बैनर्जी, सुश्री सुव्रता यादव, श्री लोकेश घई, श्री ऋषि केजरीवाल, श्री हर्ष तिवारी, श्री भार्गव मिस्त्री, श्री सौरभ पोपली

5.4 आयोजन

1. डिजाइन अनुकूलन सप्ताह

डिजाइन अनुकूलन सप्ताह 17 जुलाई से 26 जुलाई 2019 तक मनाया गया। निम्नलिखित जानी-मानी हस्तियों ने विद्यार्थियों का अनुकूलन किया।

चित्र- श्री समर फिरदौस (एन आई डी के पूर्व छात्र), डिजाइन प्रमुख, इंडिगो निट्स, अरविंद लिमिटेड

चित्र- प्रो. रविन्द्र शर्मा, संस्थापक और निर्देशक, रविन्द्र शर्मा कला अकादमी(आरएसएए) और अवकाश प्राप्त सहायक

चित्र -सुश्री मुनीशा राजपाल, भारतीय टेलीविजन कथा, पटकथा और संवाद लेखिका

चित्र- श्री राजेश राजपाल, निर्देशक, टेलीविजन सीरियल्स

चित्र- श्री राजकुमार, ऑरोविले के सुविख्यात जलरंग कलाकार

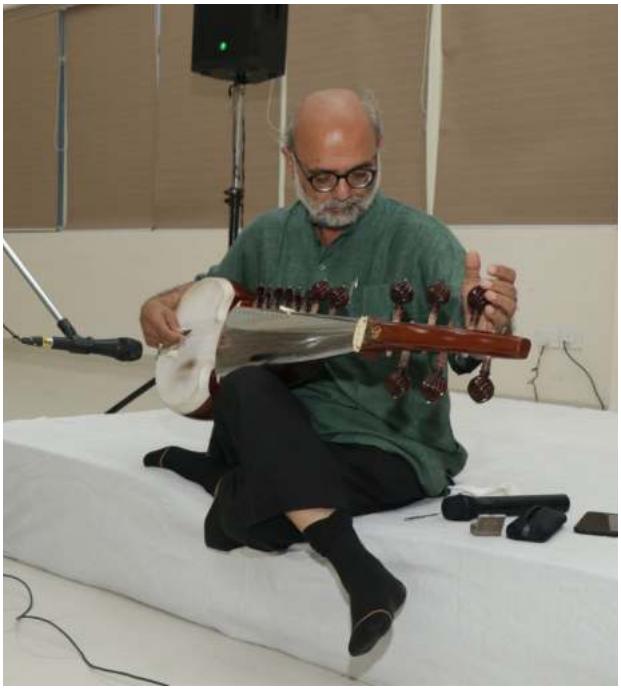

चित्र- श्री भार्गव मिस्त्री, पूर्व डीन, भारतीय शिल्प और डिजाइन संस्थान

चित्र- डॉ. पराग व्यास, संस्थापक, ग्राउ बार डिजाइन

चित्र- प्रो.सरित कुमार चौधरी, निर्देशक, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, भोपाल

चित्र- श्री शिवराम अनंतनारायण, विख्यात ओरिगामी कलाकार

चित्र- डॉ. मीना झाला, प्रोफेसर और संस्थापक डीन, स्कूल ऑफ फैशन एंड डिजाइन, एपेक्स यूनिवर्सिटी, जयपुर

चित्र- सुश्री नुपूर तिवारी, एसोशियेट प्रोफेसर, जागरण स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड कम्युनिकेशंस, जागरण लेक सिटी यूनिवर्सिटी

चित्र- 29 जुलाई 2019 को नये विद्यार्थियों के स्वागत में डिनर का आयोजन किया गया

चित्र- डिनर में आये फैकल्टी

चित्र- विद्यार्थियों की संगीतमय प्रस्तुति

चित्र- साथ मिलकर खाने-पीने का अवसर, आपसी सद्भाव-सौहार्द बढाने का माध्यम

2. सतर्कता जागरुकता सप्ताह

3. सीपीपी पोर्टल एनआईसी प्रशिक्षण

5.5 फैकल्टी और कर्मचारियों के लिये मानव संसाधन विकास

फैकल्टीज को प्रशिक्षण और विकास कार्यक्रमों में शामिल होने के लिये प्रोत्साहित किया जाता है। फैकल्टी सहित संस्थान के कर्मचारियों के लिये व्यापक प्रशिक्षण नीति बनायी जा रही है तथा स्टाफ और फैकल्टी के और ऑनलाईन पाठ्यक्रमों के लिये प्रशिक्षण नीति शुरू की गयी है।

स्टाफ के लिये मानव संसाधन विकास गतिविधियां			
क्र सं.	संगठन का नाम / प्रमुख व्यक्ति		
1	प्रो धीरज कुमार	हैदराबाद डिजाइन सप्ताह में भागीदारी	11 से 12 अक्तूबर 2019
2	ले.कर्नल मनीष कुमार बहुगुणा (सेवा निवृत्त)		
3	सुश्री नीतिका देवगन		
4	सुश्री शिखा अग्रवाल		
5	सुश्री सुव्रता यादव		
6	सुश्री सुव्रता यादव	पर्यावरण शिक्षा केंद्र, पुणे में सतत डिजाइन पर परिचर्चा में भागीदारी	अक्तूबर 2019
7	प्रो.धीरज कुमार	लकड़ी उद्योग उपकरण प्रदर्शनी, एडी शो, मुंबई में भागीदारी	19 अक्तूबर 2019
8	श्री विद्या भूषण		
9	प्रो. धीरज कुमार	'भव्य मध्यप्रदेश', 2019, इंदौर भ्रमण	अक्तूबर 2019
10	ले.कर्नल मनीष कुमार बहुगुणा (सेवा निवृत्त)		
11	श्री अमित गहलोत	'एमएसएमई सेक्टर निर्माण के लिये डिजाइन विशेज्ञता', दिल्ली, सत्र व्याख्यान,	नवम्बर 2019
12	फैकल्टी और स्टाफ के लिये	डिजाइन मनन पर फैकल्टी और स्टाफ के लिये पृथक खुला सत्र, प्रो मोहम्मद शारिक फारूक़ी,(निदेशक,एयूडी सेंटर फॉर इक्यूबेशन, नवाचार और उद्यमिता केंद्र(एसीआईआईई), प्रोफेसर, स्कूल ऑफ बिजनेस, सार्वजनिक नीति सामाजिक उद्यमिता, पंजीयक, अंबेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली) द्वारा संचालित	नवम्बर 2019
13	प्रो. धीरज कुमार	सीआईआई भोपाल द्वारा आयोजित सत्र 'व्यवसाय में महिलायें बदलाव लाती हुई' में भागीदारी	दिसंबर 2019
14	प्रो. धीरज कुमार	एनसीआर, नोएडा में ऑटो एक्सपो दिल्ली-2020 का भ्रमण	09 फरवरी 2020
15	डॉ. सुकन्या बोर सैकिया		
16	श्री मोहम्मद जेलानी	एचआर सम्मेलन 2020, बंगलोर में शामिल	फरवरी 2020
17	सुश्री शिखा अग्रवाल	इंडिया डिजाइन आईडी शो 2020, दिल्ली का दौरा	फरवरी 2020

18	ले.कर्नल मनीष कुमार बहुगुणा (सेवा निवृत्त)	एड-टेक एक्सपो 2020, गुरूग्राम का दौरा	फरवरी 2020
19	प्रो.धीरज कुमार	मीडिया एक्सपो 2020, मुंबई का दौरा	21 फरवरी 2020
20	श्री प्रमोद मार्शल		
21	श्री शैलेंद्र ओझा	इंडिया वुड प्रदर्शनी 2020 का दौरा	29 फरवरी से 1 मार्च

फैकल्टीज को प्रशिक्षण और विकास कार्यक्रमों में शामिल होने के लिये प्रोत्साहित किया जाता है। फैकल्टी सहित संस्थान के कर्मचारियों के लिये व्यापक प्रशिक्षण नीति बनायी जा रही है तथा स्टाफ और फैकल्टी के और ऑनलाईन पाठ्यक्रमों के लिये प्रशिक्षण नीति शुरू की गयी है।

एनआईडी परिसरों के निदेशक, हैदराबाद डिजाइन सप्ताह में एनआईडीएमपी डिस्प्ले के दौरान

6. शिक्षण और प्रशिक्षण संसाधन

6.1 स्वीकृत पदों की सूची

क. शिक्षकों के पद

क्र सं	पद का नाम	वेतनमान	सृजित पद
1	निदेशक	पीबी-4 +10000/-	1
2	मुख्य डिजाइनर (प्रोफेसर)	पीबी -4 + 8700/-	3
3	वरिष्ठ डिजाइनर (एसोसिएट प्रोफेसर)	पीबी -3 +7600/-	6
4	असोसिएट सीनियर डिजाइनर (सहायक प्रोफेसर)	पीबी -3 +6600/-	8
5	मुख्य तकनीकी प्रशिक्षक	पीबी -3 +6600/-	2
6	वरिष्ठ तकनीकी प्रशिक्षक	पीबी -3 +5400/-	2
7	डिजाइनर /शिक्षक	पीबी -3 +5400/-	12
8	वरिष्ठ डिजाइन प्रशिक्षक	पीबी -3 +5400/-	1
कुल			35

ख.प्रशासनिक पद

क्र सं	पद का नाम	वेतनमान	सृजित पद
1	रजिस्ट्रार	पीबी -4 +8700/-	1
2	मुख्य प्रशासनिक अधिकारी	पीबी -4 +7600/-	1
3	वित्त और लेखा नियंत्रक	पीबी -3 +7600/-	1
4	उप- रजिस्ट्रार	पीबी -3 +6600/-	1
5	प्रधान पुस्तकालयाध्यक्ष/संसाधन केंद्र	पीबी -3 +6600/-	1
6	प्रशासनिक अधिकारी	पीबी -3 +5400/-	2
7	वरिष्ठ लेखा अधिकारी	पीबी -3 +5400/-	2
8	वरिष्ठ सहायक पुस्तकालय अध्यक्ष	पीबी -2 +4600/-	1
9	वरिष्ठ अधीक्षक	पीबी -2 +4600/-	2
10	सहायक प्रशासनिक अधिकारी	पीबी -2 +4600/-	4
11	प्रमुख सुरक्षा सेवाएं	पीबी -2 +4600/-	1
12	अधीक्षक	पीबी -2 +4200/-	3
13	वरिष्ठ सहायक	पीबी -2 +4200/-	1
14	वरिष्ठ पुस्तकालय सहायक	पीबी -2 +2800/-	1
15	वरिष्ठ सहायक (प्रशा./स्टूडियो)	पीबी -1 +2800/-	6
16	प्रबंधक	पीबी -1 +2800/-	2
17	सहायक (लेखा/प्रशासन/लाइब.)	पीबी -1 +2400/-	5
कुल			35

ख. गैर-शिक्षण (तकनीकी) पद (प्रत्येक एनआईडी के लिए)

क्र सं	पद का नाम	वेतनमान	सृजित पद
1	एसोसिएट सीनियर टेक्निकल इंस्ट्रक्टर	पीबी -2 +4600/-	2
2	एसोसिएट सीनियर डिजाइन इंस्ट्रक्टर	पीबी -2 +4600/-	2
3	डिजाइन प्रशिक्षक	पीबी -2 +4200/-	2
4	तकनीकी प्रशिक्षक	पीबी -2 +4200/-	2
5	वरिष्ठ अभियंता (भूमि, भवन और रखरखाव)	पीबी -3 +5400/-	1
6	उप अभियंता (विद्युत)	पीबी -2 +4600/-	1
7	सहायक अभियंता (सिविल)	पीबी -2 +4600/-	1
8	सहायक अभियंता (आईटी)	पीबी -2 +4200	2
9	पर्यवेक्षक (विद्युत/सुरक्षा)	पीबी -1 +2800/-	1
10	प्राविधिक सहायक	पीबी □□-1 +2800/-	3
कुल			17
कुल योग (क+ख+ग)			87

6.2 31 मार्च 2020 तक स्वीकृत पदों की स्थिति

क्र.सं	कार्मिक का नाम	पद नाम	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
1	प्रो. धीरज कुमार	निदेशक	07/01/2019
2	श्री प्रमोद कुमार मार्शल	एसोसिएट सीनियर फैकल्टी	10/06/2019
3	सुश्री सेतु शर्मा	शिक्षक	12/06/2019
4	सुश्री नीतिका देवगन	वरिष्ठ शिक्षक	24/06/2019
5	डॉ. सुकन्या बोर सैकिया	एसोसिएट सीनियर फैकल्टी	27/06/2019
6	सुश्री लुबना सैफी	शिक्षक	28/06/2019
7	श्री सुरेश चंद्र ठाकुर	मुख्य प्रशासनिक अधिकारी	28/06/2019
8	सुश्री अनुस्मिता दास	शिक्षक	28/06/2019
9	सुश्री शिखा अग्रवाल	एसोसिएट सीनियर फैकल्टी	03/07/2019
10	सुश्री सुव्रता यादव	शिक्षक	08/07/2019
11	श्री रामप्रसाद विश्वकर्मा	प्रबंधक	08/07/2019
12	डॉ. सुदीप शर्मा	हेड लाइब्रेरियन	12/07/2019
13	श्री अनिल कुमार भास्कर	शिक्षक	16/07/2019
14	सुश्री सुमन दशोरा	प्रबंधक	01/08/2019
15	श्री नीरज तहिलियानी	वित्त और लेखा नियंत्रक	01/08/2019
16	श्री विद्या भूषण	शिक्षक	01/08/2019
17	श्री मनोज कुमार	सहायक अभियंता (आईटी)	13/08/2019
18	श्री शैलेंद्र ओझा	तकनीकी प्रशिक्षक	13/08/2019
19	श्री पिंटू प्रताप सिंह	तकनीकी प्रशिक्षक	14/08/2019
20	लेफ्टिनेंट कर्नल मनीष के बहुगुणा (सेवानिवृत्त)	रजिस्ट्रार	26/08/2019
21	श्री अमित कुमार गहलोत	वरिष्ठ शिक्षक	05/09/2019
22	श्री जेलानी मोहम्मद	उप पंजीयक	10/10/2019
23	श्री निपेंद्र नायक	वरिष्ठ अभियंता (भूमि, भवन और रखरखाव)	01/11/2019
24	श्री राजेश कुमार सैनी	प्रधान सुरक्षा अधिकारी	01/11/2019

6.3 फैकल्टी और स्टाफ प्रोफाइल

क्र.सं	कर्मचारी का नाम	योग्यता	लिए गए पाठ्यक्रम	रुचि के क्षेत्र
1	श्री प्रमोद कुमार मार्शल असोसिएट सीनियर फैकल्टी डीओजे : 10-06-2019	* पीजी डिप्लोमा (एनिमेशन फिल्म डिजाइन), एनआईडी अहमदाबाद * बीएफए प्रिंटमेकिंग (ग्राफिक्स), इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़, एमपी	* डिज़ाइन अभिविन्यास * फ्रीहैंड ड्राइंग - 1 * एलिमेंट्स ऑफ कलर * फ्रीहैंड ड्राइंग - 11	* फोटोग्राफी * चित्रकारी * चित्र * क्ले मॉडलिंग और प्रिंटमेकिंग * लिथोग्राफी
2	सुश्री सेतु शर्मा फैकल्टी डीओजे:12-06-2019	* पीएचडी विद्यार्थी, दृश्य कला विभाग, आईआईएस विश्वविद्यालय जयपुर * एमएफए (विज़ुअलाइज़ेशन एंड कैंपेन प्लानिंग), बीएचयू, वाराणसी * बीएफए (एप्लाइड आर्ट्स), आईसीजी, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर * यूजीसी नेट (विजुअल आर्ट्स)	* फ्रीहैंड डिजाइन ड्राइंग	* ग्राफ़िक डिज़ाइन * टाइपोग्राफी * चित्रण
3	सुश्री नीतिका देवगन वरिष्ठ फैकल्टी डीओजे: 24-06-2019	* एम. आर्क (औद्योगिक डिजाइन - एसपीए दिल्ली) * बी आर्क (जीजेडएस सीईटी पीटीयू- बठिंडा) * सीईपी (सूचना डिजाइन, आईडीसी- आईआईटी बॉम्बे) * समर स्कूल, सूचना डिजाइन - बाथ, यूके	* एलिमेंट्स ऑफ कम्पोजिशन * एलिमेंट्स ऑफ कलर * फ्रीहैंड ड्राइंग 1 - पर्सपेक्टिव * सेकरेड जिओमेट्री - स्केल और प्रोपोरशन * अनेलिटिकल ड्राइंग * ज्यामितीय और निर्माण-11 * अंतरिक्ष रूप और संरचना * डिज़ाइन प्रक्रिया	* अनुभव डिजाइन * उत्पाद डिजाइन * रंग सिद्धांत * सूचना डिजाइन * फोटोग्राफी
4	डॉ. सुकन्या बोर सैकिया असोसिएट सीनियर फैकल्टी 27-06-2019	* पीएचडी, डिजाइन विभाग, आईआईटी गुवाहाटी * एम.डेज. (प्रोडक्ट डी-साइन), डोमस एकेडे- माय, मिलान, इटली * उत्पाद डिजाइन में जीडीपीडी, एनआईडी अहमदाबाद	* विश्लेषणात्मक ड्राइंग * ज्यामितीय निर्माण * डिजाइन और कला का इतिहास * आधारभूत सामग्री * डिज़ाइन प्रक्रिया * संयुक्त सामग्री	* उत्पाद स्केचिंग * उत्पाद विवरण * सभी/समावेशी डिजाइन के लिए डिजाइनिंग * औद्योगिक डिजाइन में फार्म और रंग अनुप्रयोग * सतत विकास के लिए डिजाइन * विभिन्न आयामों के माध्यम से भावनात्मक डिजाइन * सुलभ डिजाइन (अंतरिक्ष और उत्पाद) * भोजन के लिए डिजाइन * भोजन द्वारा डिजाइन-भोजन की पैकेजिंग * बांस के डिजाइन * खिलौना फर्नीचर तंत्र * अनुसंधान और डिजाइन सोच * ह्यूमन फैक्टर्स/एर्गो-नॉमिक्स * उत्पाद डिजाइन * उत्पाद स्टाइलिंग * यूआई/यूएक्स

क्र.सं	कर्मचारी का नाम	योग्यता	लिए गए पाठ्यक्रम	रुचि के क्षेत्र
5	सुश्री लुबना सैफी फैकल्टी डीओजे:28-06-2019	* मर्कैंडाइजिंग, एनआईडी पीजी डिप. इन अपैरल डिजाइन, अहमदाबाद * फैशन डिजाइन में स्नातक कार्यक्रम, निफ्ट नई दिल्ली * ड्राइंग और पेंटिंग में स्नातक, एमएमएच कॉलेज, गाजियाबाद। * एनसीएपी में प्रमाणपत्र * पारंपरिक अपरंपरागत शारीरिक कला में प्रमाणपत्र	* वस्त्र : फाइबर, सूत, कपड़ा और रंगाई का परिचय * गारमेंट निर्माण-1 * ड्रेपिंग और पैटर्न बनाना * सतह अलंकरण	* सभी प्रकार के माध्यमों से प्रिंट और ग्राफिक्स बनाना * सिल्हूट की खोज * पेंटिंग और स्केचिंग * बनावट और सतह का विकास * औद्योगिक डेनिम की खोज, धुलाई जैसे एंजाइम, स्टोन, बॉल ब्लास्ट वॉश आदि। * रचनात्मक ड्रापिंग * रंग सिद्धांत * लोगो डिजाइन * फैशन फोटोग्राफी * परिधान निर्माण * परिधान उत्पादन प्रक्रिया * रुझान और पूर्वानुमान * बाजार अनुसंधान * फोटोशॉप, इलस्ट्रेटर, इनडिजाइन में एक्सेल
6	सुश्री अनुस्मिता दास फैकल्टी डीओजे:28-06-2019	* पीएचडी विद्यार्थी, डिजाइन विभाग, आईआईटी गुवाहाटी * डिजाइन में मास्टर, डिजाइन विभाग, आईआईटी गुवाहाटी * बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर, प्रियदर्शिनी इंस्टीट्यूट ऑफ आर्किटेक्चर एंड डिजाइन स्टडीज, नागपुर	* बुनियादी सामग्री और पद्धतियां * विश्लेषणात्मक ड्राइंग * विज्ञान और मुक्त कला * संरचना के तत्व * पर्यावरण धारणा * डिज़ाइन प्रक्रिया	* स्थानिक डिजाइन * दृश्य संचार * दृश्य संस्कृति और * एथनोग्राफी * डिजाइन शब्दार्थ * उत्पाद डिजाइन * डिजाइन अनुसंधान पद्धति * भौतिक संस्कृति और डिजाइन * अंतःविषय डिजाइन
7	सुश्री शिखा अग्रवाल असोसिएट सीनियर फैकल्टी डीओजे: 03-07-2019	* पीएचडी विद्यार्थी, आईडीसी आईआईटी मुंबई * सिरेमिक और ग्लास डिजाइन में मास्टर ऑफ डिजाइन, एनआईडी अहमदाबाद * बीएफए (पेंटिंग), स्कूल ऑफ फाइन आर्ट्स, इंदौर पब्लिक स्कूल	* बुनियादी सामग्री-1 * फ्री हैंड ड्रॉइंग - 1 * कला का इतिहास * डिज़ाइन प्रक्रिया * पर्यावरण धारणा	* मानव व्यवहार * समावेशी डिजाइन * डिजाइन एथनोग्राफी * शिल्प डिजाइन * रचनात्मकता और विचार उपकरण * डिजाइन प्रक्रिया और अनुसंधान * उत्पाद संचार * डिजाइन अनुसंधान पद्धति * चीनी मिट्टी की चीज़ें और कांच * वेफ़ाइंडिंग अनुसंधान * विकलांगता अनुसंधान

क्र.सं	कर्मचारी का नाम	योग्यता	लिए गए पाठ्यक्रम	रुचि के क्षेत्र
8	सुश्री सुव्रता यादव फैकल्टी डीओजे:08-07-2019	* खुदरा अनुभव के लिए डिजाइन में पीजी डिप्लोमा, एनआईडी अहमदाबाद (बैंगलोर परिसर) * बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर, यूपीटीयू	* ज्यामितीय निर्माण * सेक्रेड जिओमैट्री * डिज़ाइन आरेखण * 3डी ज्यामिति * एसएलए-11 * फ्रीहैंड ड्राइंग * डिजाइन का इतिहास * संरचना के तत्व * रंग के तत्व	* वैचारिक डिजाइन और विकास * खुदरा डिज़ाइन * स्थानिक डिजाइन * सिस्टम डिजाइन * सेवा डिजाइन * डिजाइन शिक्षा
9	श्री अनिल कुमार भास्कर फैकल्टी डीओजे:16-07-2019	* मास्टर ऑफ डिजाइन (औद्योगिक डिजाइन), एसपीए नई दिल्ली * बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर, एसपीए नई दिल्ली	* डिजाइन में मास्टर (औद्योगिक डिजाइन), एसपीए नई दिल्ली * बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर, एसपीए नई दिल्ली	* उत्पाद डिजाइन * आंतरिक सज्जा * फर्नीचर डिजाइन * पारस्परिक प्रभाव वाली डिज़ाइन * आरेखण और अनुमान * रेंडरिंग और स्केचिंग * फोटोशॉप * इनडिजाइन * पुल * ऑटोकैड * स्केचअप * कीशॉट * सॉलिड वर्क्स
10	श्री विद्या भूषण फैकल्टी डीओजे:01-08-2019	* मास्टर ऑफ डिजाइन (विजुअल कॉम), आईडीसी-आईआईटी बॉम्बे * बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर, हितकर्णी कॉलेज, जबलपुर	* फ्रीहैंड ड्राइंग * रंग * एसएलए (विज्ञान और मुक्त कला) * मीडिया बोध * एसएफएस (स्थल, रूप और संरचना) * कहानी सुनाना * विजुवल डिज़ाइन	* ग्राफ़िक डिज़ाइन * संचार डिज़ाइन * दृश्य संस्कृति और एथनोग्राफी * कहानी सुनाना * वास्तुकला और आंतरिक डिजाइन * स्थानिक डिजाइन * पारस्परिक प्रभाव वाली डिज़ाइन * चल चित्र * एआर/वीआर
11	श्री अमित कुमार गहलोत वरिष्ठ फैकल्टी डीओजे:05-09-2019	* उच्च शिक्षा में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र, नॉटिंघम ट्रेंट यूनिवर्सिटी, यूके * शिल्प और डिजाइन में पीजी डिप्लोमा, आईआईसीडी जयपुर	* ज्यामिति * एनालिटिकल ड्रॉइंग (तकनीकी ड्रॉइंग) * फ्रीहैंड ड्राइंग * बुनियादी सामग्री और प्रक्रियाएं * सामग्री का संयोजन * स्थल रूप और संरचना	* उत्पाद डिजाइन * मानव संचालित गतिशीलता डिजाइन, मॉडल बनाना (पैमाना) * प्रोटोटाइप * 3 डी मॉडलिंग * रैपिड प्रोटो-टाइपिंग (3डी प्रिंटिंग) से संबंधित प्रौद्योगिकी की खोज * वी.आर. * निर्माण प्रक्रिया से संबंधित मुद्दों को हल करने के लिए उपकरणों का आविष्कार करना * चित्रकारी * क्ले मॉडलिंग * प्रपत्र अध्ययन और अन्वेषण * शिल्प प्रलेखन

क्र.सं	कर्मचारी का नाम	योग्यता	लिए गए पाठ्यक्रम	रुचि के क्षेत्र
12	डॉ शेखर चटर्जी वरिष्ठ फैकल्टी डीओजे:03-12-2019	* पीएचडी (भारतीय संस्कृति), गुजरात विश्वविद्यालय * एमए (भारतीय संस्कृति), गुजरात विश्वविद्यालय * चमड़ा परिधान डिजाइन और प्रौद्योगिकी में पीजी, निफ्ट * ललित कला स्नातक (पेंटिंग और वस्त्र), बीएचयू वाराणसकला स्नातक * ऑनर्स (फ्रेंच साहित्य), बीएचयू वाराणसी * फिल्म प्रशंसा पाठ्यक्रम * ज्वैलरी डिजाइन समर कोर्स * टूरिस्ट गाइड और एस्कॉर्टिंग का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	* सामग्री के संयोजन में चमड़ा मॉड्यूल * डिजाइन का इतिहास	* फैशन और पोशाक का इतिहास; * फैशन चित्रण * डिजाइन ड्राइंग निर्माण और प्रतिनिधित्व तकनीक * प्राचीन स्मारकों में कला और सांस्कृतिक रूपों का प्रतिनिधित्व * कला और डिजाइन का इतिहास दृश्य संस्कृति और संचार का दायरा * डिजाइन का दायरा और बाधाएं * डिजाइन शिक्षाशास्त्र * क्रॉस-सांस्कृतिक डिजाइन अध्ययन * अनुसंधान क्रियाविधि * □ रंग और संयोजन * □ डिजाइन और संस्कृति

6.4 परिसर

संस्थान का का परिसर अचारपुरा, ईंट खेड़ी, पोस्ट अर्वालिया, भोपाल-462038 (मध्य प्रदेश) में स्थित है। यह स्थान देश के विभिन्न भागों से जुड़ा है और राजा भोज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से 9.5 किलोमीटर तथा भोपाल रेलवे स्टेशन से 15.3 किलोमीटर की दूरी पर है। परिसर हबीबगंज रेलवे स्टेशन से 22.0 किलोमीटर और अंतर राज्य बस अड्डे से 17.7 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

यह संस्थान 29.49 एकड के हरित क्षेत्र में फैला हुआ है और इसकी पृष्ठभूमि में पहाड़ियां हैं। आधुनिकतम स्वरूप प्रदान करने के उद्देश्य से इस संस्थान का डिजाइन नवाचार की धारणाओं के आधार पर विकसित किया गया है। संस्थान के परिसर में ये सुविधाएं उपलब्ध हैं:

* लडकों और लडकियों के लिए अलग अलग बने हॉस्टलों (छात्रावासों) में एक दम घर जैसा वातावरण है। हॉस्टलों में कॉमन रूम बने हैं जिनमें टेलीविजन, इनडोर गेम्स और अन्य आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं।
* चिकित्सा कक्ष जिसमें डॉक्टर की सुविधा उपलब्ध है।
* आधुनिक स्वास्थ्य केन्द्र जिसमें जिमनेसियम, एरोबिक्स, योग केन्द्र आदि की सुविधाएं हैं।
* इनडोर और आउटडोर खेल खेलने की सुविधाएं।
* 500 लोगों के बैठने की क्षमता वाला ऑडिटोरियम।
* 800 लोगों के बैठने की क्षमता वाला एम्पीथिएटर निर्माणाधीन।
* मैस में स्वस्थ और सुरूचिपूर्ण भोजन की सुविधा।
* फैकल्टी एवं अन्य कर्मचारियों के लिये आवास ताकि विद्यार्थियों को चौबीसों घंटे सहायता प्रदान की जा सके।
* पर्यावरण अनुकूल तथा हरित पहल जैसे सौर ताप, वर्षा जल संचयन, कागज पुनःचक्रण इत्यादि।
* समुचित रखरखाव तथा सीसीटीवी निगरानी से सुरक्षित परिसर।

6.5 बुनियादी ढांचा

सक्षम वातावरण में प्रभावकारी शिक्षण के लिए संस्थान ने निम्नांकित सुविधाएं भी स्थापित की हैं:

* आधुनिकतम स्टुडियो, सम्मेलन कक्ष, कक्षाएं (क्लासरूम), कार्यशालाएं (वर्कशॉप), उपकरण कक्ष (टूलरूम) और नवीनतम साधन सुविधाओं से लैस प्रयोगशालाएं।

* आधुनिक सूचना प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला जिसमें सभी आवश्यक हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर उपलब्ध हैं।

* पुस्तक बैंक सिद्धांत, संसाधन केन्द्र/पुस्तकालय और पुस्तकों, पत्र-पत्रिकाओं, इत्यादि से सज्जित ज्ञान प्रबंधन केन्द्र।

* बुनियादी अध्ययन, औद्योगिक डिजाइन कार्यक्रम के लिए आवश्यक मशीनों और उपकरणों से

6.6 प्रशासनिक खंड:

प्रशासनिक खंड 1280 वर्गमीटर में दुमंजिला इमारत में है जो पत्थरों से बहुत खूबसूरती के साथ बनाई गई है। यह खंड वातानुकूलित है और इसमें वातानुकूलन के लिए यूआरवी टेक्नॉलॉजी अपनाई गई ताकि ऊर्जा की खपत कम हो, साथ ही प्रशासनिक खंड में बिजली की निर्बाध सप्लाई बनाए रखने के लिए यूपीएस व्यवस्था भी की गई है। इस खंड में 20 लोगों के बैठने की क्षमता वाला सम्मलेन कक्ष बना हुआ है जिसमें आधुनिक श्रृव्य-दृश्य-प्रस्तुति प्रणाली और वीडियो-कांफ्रेंसिंग व्यवस्था भी है।

निदेशक का कार्यालय

प्रतीक्षा कक्ष- निदेशक कार्यालय

सम्मेलन कक्ष

स्वागत कक्ष

रजिस्ट्रार का कार्यालय

सम्मेलन कक्ष

सीएफए का कार्यालय

सीएओ का कार्यालय

उप रजिस्ट्रार का कार्यालय

वरिष्ठ अभियंता(भूमि और भवन) का कार्यालय

सुरक्षा प्रमुख का कार्यालय

सहायक इंजीनियर (आईटी) का कार्य

6.7 शैक्षिक खंड

शैक्षिक खंड 4600 वर्गामीटर क्षेत्र में तिमंजिला इमारत में बनी है जिसमें चौडे-चौडे कॉरिडोर हैं और इमारत के बाहरी भाग में पत्थरों का खूबसूरत काम किया गया है। वही संस्थान की शिक्षण गतिविधियों का मुख्य केन्द्र है और इसमें 38 कमरे शामिल हैं जिसका विवरण नीचे दिया गया है।

* पठन पाठन की विविध गतिविधियों के लिए पर्याप्त स्थान है जिसमें कुल नौ कमरे हैं। हर मंजिल पर तीन तीन कमरे बनाये गये हैं और हर विषय के लिए उपयुक्त प्रयोगशालाएं, स्टुडियो तथा कक्षाओं की सुविधा उपलब्ध हैं।
* शिक्षकों के लिए 29 कमरे (20 कमरे भूतल पर 9 कमरे तीसरी मंजिल पर बने हैं) विद्यार्थियों के कलात्मक कार्यों को सजाकर प्रदर्शित करने के लिए भूतल पर डिजाइन शॉप बनी है।
* एक स्टूडियों और दो कक्षाएं हैं जिनमें श्रृव्य-दृश्य-सह-प्रस्तुतीकरण व्यवस्था है। सभी कमरों के डिजाइन सर्वोच्य मानकों के अनुरूप विकसित किए गये हैं।

सभी कमरों का डिजाइन सर्वोत्तम मानकों के साथ किया गया है। पूरा ब्लॉक शीत-आधारित केंद्रीकृत एयर कंडीशनिंग सिस्टम से लैस है और इसमें सुविधा के लिए 2 लिफ्ट हैं।

6.8 वर्कशॉप खंड

वर्कशॉप खंड की एक मंजिल वाली इमारत 2100 वर्गमीटर में बनी हुई है। इस खंड में औद्योगिक डिजाइन (सिरेमिक या कांच के बर्तन, पॉटरी का सामान और बढईगिरी के डिजाइन) रखे हैं तथा हार्डवेयर और समझाने-सिखाने में मदद के लिए आधुनिकतम हार्डवेयर और अन्य साधन सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

6.9 आईटी सेंटर

आईटी सेंटर में आधुनिकतम वर्क-स्टेशन, वैकॉम टेबलेट पर काम करने वाले सिंटिक ड्राइंग पैड, आईटी गैजेट, प्रिंटर्स, नेटवर्किंग और पेरिफेरियल्स (बाह्य उपकरण), आदि की सुविधाएं मौजूद हैं।

6.10 ज्ञान प्रबंधन केन्द्र (केएमसी)

पूरी तरह वातानुकूलित ज्ञान प्रबंधन केन्द्र (केएमसी) 850 वर्गमीटर में भूतल पर अष्टभुज की आकृति में बनाया गया है और इसमें एक मेजेनाइन फ्लोर भी है। केएमसी में 2438 पुस्तकें, 405 ऑडियो-विजुअल शिक्षण संसाधन और 5000 ऑनलाइन पत्रिकाएं रखी हैं

पुस्तकालय का उद्घाटन 29 जनवरी 2020 को श्रीमती कल्पना श्रीवास्तव, मंडलायुक्त, भोपाल द्वारा किया गया था।

श्रीमती कल्पना श्रीवास्तव रिबन काटते हुए

श्रीमती कल्पना श्रीवास्तव द्वारा दीप प्रज्ज्वलन

भीतरी दृश्य

सभा को संबोधित करते निदेशक

विद्यार्थियों से बातचीत करते हुए

स्मारक चित्र

6.11 ऑडिटोरियम (सभागार)

संस्थान का सभागार (ऑडिटोरियम) 1200 वर्गमीटर में बना है इसमें 510 लोग बैठ सकते हैं। इसमें चिल्लर-आधारित वातानुकूल व्यवस्था है तथा आधुनिकतम ऑडियो विजुअल टेक्नोलॉजी अपनाई गयी है। बडे समारोहों और सांस्कृतिक आयोजन के लिए सर्वथा अनुकूल है।

6.12 एंपीथिएटर (निर्माणधीन)

700 लोगों के बैठने की क्षमता वाला आधुनिकतम एंपीथिएटर निर्माणधीन है। इसमें सेमीनार (सम्मेलन), मनोरंजक गतिविधि और अन्य तकनीकी आयोजन किए जा सकेंगे। इसमें कैफेटेरिया, परिचर्या कक्ष और स्टूडेंट्स शॉप इत्यादि की भी व्यवस्था होगी।

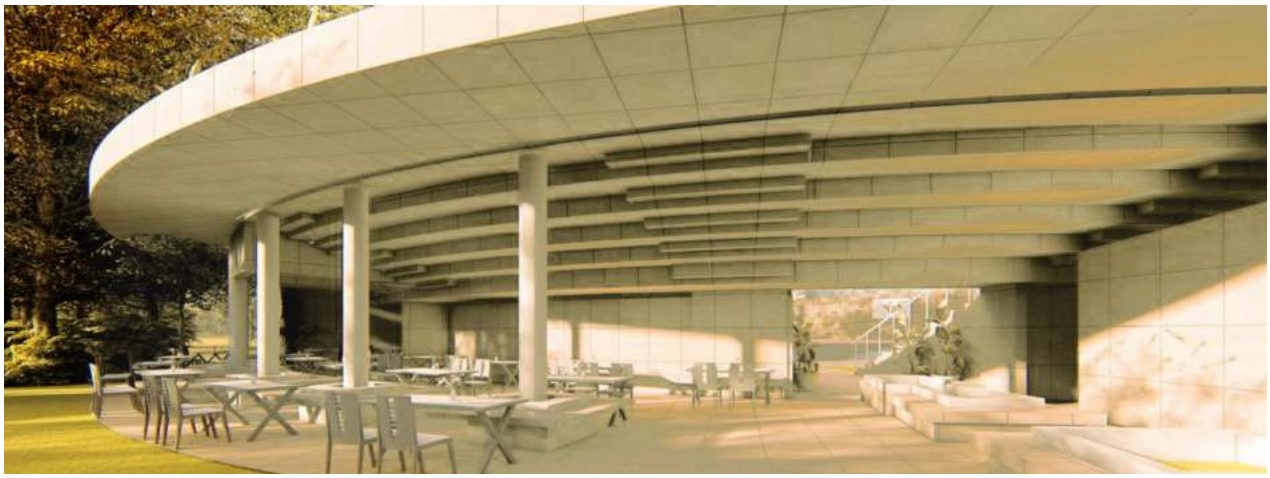

6.13 होस्टल (लड़कियों और लडकों का)

संस्थान में लड़कों और लड़कियों के लिए अलग-अलग हॉस्टल की व्यवस्था है। ये दोनों हॉस्टल पांच-पांच मंजिल की बिल्डिंग में करीब 6,788 वर्गमीटर क्षेत्र में बनाए गये हैं। हॉस्टल के कमरों में सिंगल और डबल अर्थात् एक या दो विद्यार्थियों के रहने की व्यवस्था है और इनमें कुल 412 विद्यार्थी रह सकते हैं जिसके 176 लडके और 236 लडकियों होंगी। कमरों में उच्च स्पीड इंटरनेट कनेक्टिविटी उपलब्ध है। हॉस्टल में एक कॉमन डाइनिंग हॉल (भोजन कक्ष), मनोरंजन कक्ष, टेलीविजन, इनडोर गेम्स की सुविधा, ऑटोमैटिक (स्वचालित) वॉसिंग मशीनें, शुद्ध पेयजल, गर्म और ठंडे पानी की व्यवस्था, सौर गीज़र और लिफ्ट तथा अन्य अनेक सुविधाएं उपलब्ध हैं।

6.14 मैस और कैफेटेरिया

यह खंड लडकों और लडकियों के हॉस्टल के बीच में बना है ताकि दोंनों हॉस्टलों के विद्यार्थी आसानी से पहुंच सकें। 750 वर्गमीटर में निर्मित इस भोजनालय में 120 लोगों के बैठने की व्यवस्था है। इाइनिंग हॉल सेंट्रली एयरकंडीशंड है और इसमें रसोई का आधुनिक साजो-सामान और बर्तनों की सुविधा उपलब्ध है।

6.15 डिजाइन शॉप

6.16 खेल सुविधाएं (इंडोर/ऑउट डोर)

6.17 मल्टी फैसिलिटी रिजुविनेशन केंद्र (एमएफआरसी)

एमएफआरसी डाइनिंग हॉल (भोजनालय) के ऊपर दूसरी मंजिल पर 700 वर्गमीटर में बनाया गया है। इसमें जिम और संगीत के वाद्ययंत्र मौजूद हैं। इसमें विद्यार्थियों और संस्थान के अन्य निवासियों के लिए एरोबिक्स, जुम्बा, योग वगैरह करने की भी सुविधा है। एमएफआरसी का उद्घाटन उद्योग विभाग के पीएस डॉ. राजेश राजोरा ने 23 अक्टूबर, 2019 को किया था।

डॉ. राजोरा रिब्बन कटाते हुए

एरोबिक, जुम्बा, नृत्य कार्यक्रम

एमएफआरसी में संगीत अनुभाग

6.18 आवासीय खंड

परिसर के पीछे वाले भाग में 2170 वर्गमीटर क्षेत्र में 16 आवासीय इकाइयां बनी हैं जिनमें संस्थान के शिक्षक और कर्मचारीगण रहते हैं। इस आवासीय खंड टाइप 2 (3 क्वार्टर), टाइप 3 (3 क्वार्टर) टाइप 4 (6 क्वार्टर) और टाइप 5 (4 क्वार्टर) बने हैं।

टाइप 5 की एक और यूनिट तैयार की जा रही है। जिसे एग्जीक्यूटिव गेस्टहाउस या विशिष्ट अतिथि गृह के रूप में प्रयोग किया जायेगा तथा इसमें लोगों को 12 को एक साथ ठहराने की सुविधा रहेगी। सभी आवास इकाइयां भारत सरकार के आवास और शहरी मामले मंत्रालय द्वारा निर्धारित जीपीआरए मानकों के अनुरूप पूरी तरह फर्निश्ड (सज्जित) हैं।

6.19 गेस्ट हाउस

संस्थान में तीन कमरों वाला एक सामान्य और भलीभांति सुसज्जित गेस्ट हाउस है

6.20 मेडिकल रूम

6.21 सुरक्षा

सीसीटीवी निगरानी

महिला सुरक्षा गार्ड

दिन रात सुरक्षा

6.22 हरित खुले स्थान

7. कैम्पस जीवन

7.1 मध्य प्रदेश डिजाइन उत्सव (एमडीपीयू) मोज़ैक

मध्य प्रदेश डिजाइन उत्सव (एमडीपीयू) मध्य प्रदेश का वार्षिक डिजाइन समारोह है जिसका उद्देश्य डिजाइन शिक्षा देने वाले संस्थानों, व्यावसायिक लोगों (प्रोफेशनल्स) और उद्योग को एक साथ लाने का साझा मंच उपलब्ध कराना है ताकि जानकारी का आदान प्रदान हो सके और लंबे समय तक चलने वाले संबंध स्थापित किए जा सकें। यह उत्सव भारत के डिजाइन स्पेक्ट्रम को एकजुट रखने और डिजाइन विद्यार्थियों को सरकारी अधिकारियों और आम लोगों से संपर्क स्थापित करने और कारोबार के अवसर खोजने में मदद करने के उद्देश्य से मनाया जाता है। इसके तहत वार्ताएं, परिचर्चाएं, स्टार्टअप सत्र, इंस्टॉलेशन, प्रदर्शनियां, कार्यशालाएं और विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियां चलाई जाती हैं और विविध डिजाइनों के माध्यम से इस प्रयास को आगे बढाया जाता है। अपने उद्घाटन वर्ष में एमपीडीयू का आयोजन 19 से 21 दिसम्बर, 2019 तक किया गया था।

मध्य प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री. कमलनाथ मध्य प्रदेश डिजाइन उत्सव 2019–20 के पोस्टर का अनावरण करते हुए

अतिथियों के स्वागत के लिए तैयार किया गया द्वार

भाग लेने वाले शैक्षणिक संस्थान

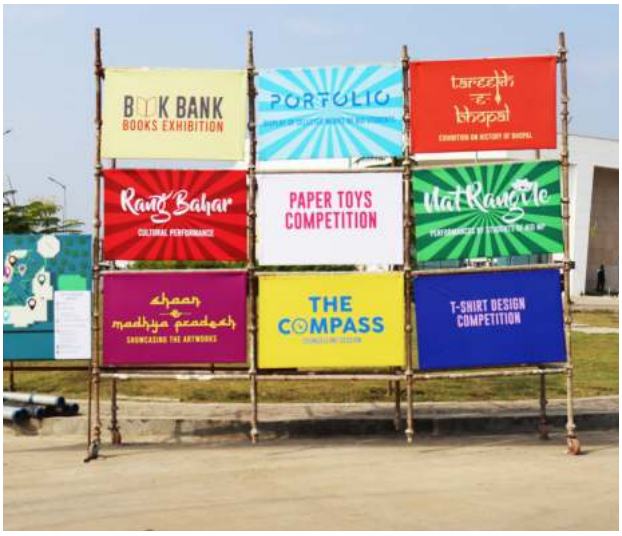

इवेंट वॉल

सेल्फी प्वाइंट

सजावट

आयोजन के दौरान संस्थापनाएं

आयोजन में भाग लेने वाले शिल्पी

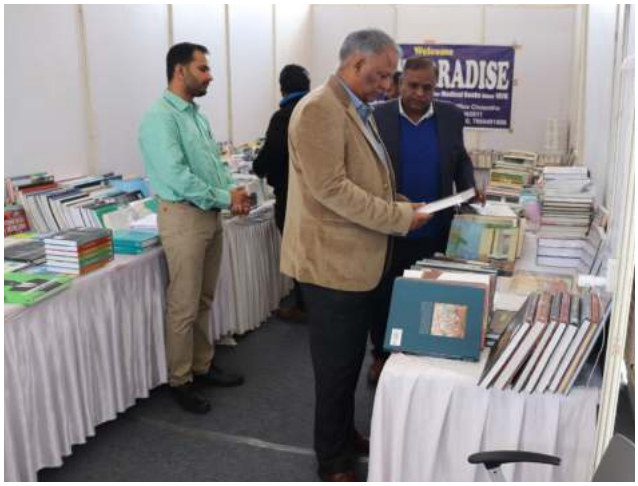

पुस्तक मेला

आयोजन में भाग लेने वाले शिल्पी

पुस्तक मेला

उभरते हुए डिजाइनरों के मंच

भाग लेने वाले शैक्षणिक संस्थान

आयोजन में भाग लेने वाले दस्तकार

आयोजन में भाग लेने वाले दस्तकार

डिजाइन शॉप में विद्रयार्थियों के डिस्प्ले

आयोजन में भाग लेने वाले शिल्पकार

बिलिंग प्रक्रिया

संध्या कार्यक्रम में दर्शक

लाइव कैरिकैचर डेमो

स्टालों को देखते हुए आगंतुक

लाइव कैरिकैचर डेमो

लेज़र कटिंग वर्कशॉप

डिजाइन शॉप में भाग लेते हुए

स्कूली छात्र एमपीडीयू के भ्रमण पर

पोस्टर प्रतियोगिता में भाग लेते स्कूली छात्र

कला और शिल्प कार्यशाला में भाग लेते स्कूली छात्र

स्कूली छात्र परामर्श सत्र

टीशर्ट डिजाइन प्रतियोगिता में भाग लेते हुए विद्यार्थी

स्कूली छात्र एमपीडीयू के दौरे पर

प्रख्यात आगंतुक एनआईडीएमपी के छात्रों द्वारा प्रदर्शित कार्य की झलक देखते हुए

एनआईडीएमपी के छात्रों द्वारा प्रदर्शित कार्य को देखते हुए स्कूली छात्र और आम दर्शक

एमपीडीयू 2019 के समापन समारोह में छात्र-छात्राओं का प्रदर्शन, लाइव बैंड, पुरस्कार।

7.2 थिंकइन (विचार गोष्ठी)

थिंकइन गोष्ठी के रूप में विचार-विमर्श करने का प्लेटफॉर्म है जिससे एन आईडीएमपी के विभिन्न पाठ्यक्रमों को अधिक सारगर्भित बनाने में मदद मिल सकती है। संस्थान ने थिंकइन-धारणीय डिज़ाइन मानवता विषय पर गोष्ठी आयोजित की जिसमें ''उद्योग 4.0 से सोसाइटी समाज 5.0 तक'' शीर्षक पर 19 दिसम्बर 2019 को विचार-विमर्श आयोजित किया गया कि डिजाइन संस्थानों के मिशन में मानवता आधारित डिज़ाइन कैसे शामिल किए जा सकते हैं। इस आयोजन में वैज्ञानिक अनुसंधान, नवाचार कार्यविधियां, परियोजनाएं, कार्यक्रम और पहलों के बारे में ध्यान केंद्रित किया गया जिससे उद्योग 4.0 से समाज 5.0 तक परिवर्तन का एजेंडा लागू किया जा सके।

धारणीय डिज़ाइन मानवता गोष्ठी (उद्योग 4.0 से समाज 5.0 में बदलाव की प्रक्रिया का प्रारूप) विभिन्न विषयों के मौजूदा पाठ्यक्रमों में मूल्य संवर्धन के उद्देश्य से थिंकइन के तहत एनआईडीएमपी की ओर से आयोजित पहली विचार गोष्ठी है, जिसके माध्यम से 'सस्टेनेबिलिटी डिजाइन' पर मास्टर्स (स्नातकोत्तर) स्तर का कार्यक्रम चलाया जा सके। गोष्ठी में सस्टेनेबिलिटी क्षेत्र के जाने माने प्रेक्टिशनरों के अनुभव और विचारों का लाभ प्राप्त करने पर भी ध्यान दिया जाता है तथा इस विचार विमर्श से एनआईडीएमपी में निरंतर शिक्षण कार्य चलाने के लिए नए संबंध विकसित करने की शुरूआत भी है।

श्री कार्तिकेय साराभाई, संस्थापक निदेशक, पर्यावरण शिक्षा केंद्र, दीप प्रज्ज्वलित करते हुए

निदेशक, राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्य प्रदेश द्वारा उद्घाटन भाषण

एनआईडीएमपी मंच पर थिंकिन- पाठ्यक्रमों को समृद्ध बनाने के उद्देश्य निर्धारित करने के लिए संगोष्ठी के रूप में गंभीर विचार-विमर्श

कार्यक्रम की एक झलक

7.3 हरित अभियान

यह समझते हुए कि पेड़ ही मानवता का मूल आधार हैं, संस्थान ने हरित कवरेज क्षेत्र बढ़ाने के उद्देश्य से हरित अभियान की शुरूआत की है। संस्थान के लिए तो वृक्षारोपण बहुत ही महत्वापूर्ण अभियान है। क्योंकि इस संस्थान की स्थापना और विकास पथरीली ज़मीन पर की गई है जहां इधर-उधर कूड़ा करकट फैला था। संस्थान ने परिसर को हराभरा और सुंदर बनाने के लिए पूरे वर्ष भर बड़े व्यापक पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान चलाया। विद्यार्थियों, शिक्षकों, कार्मचारियों, आगंतुक अतिथियों और वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों में से सभी ने हरित अभियान के तहत वृक्षारोपण में अपना योगदान किया।

हरित अभियान में निम्नांकित विशिष्ट एवं मानवीय व्याक्तियों ने सहयोग किया:

* श्री तरूण पिथोड़े, आईएएस, कलेक्टर, भोपाल ने हरित अभियान का शुभारंभ किया। सभी विद्यार्थियों और शिक्षकों तथा कर्मचारियों ने पौधारोपण किया (18 जुलाई, 2019)।

* श्री रविन्द्र कुमार शर्मा, मानद उपाध्यक्ष, ललित कला अकादमी, चंड़ीगढ़ (22 जुलाई, 2019)।

* श्री समर फिरदौस प्रमुख टेक्सटाइल ड़िजाइनर (22 जुलाई, 2019)।

* श्री डीवी प्रसाद, आईएएस, चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार (23 जुलाई, 2019)।

* सुश्री मनीषा राजपाल और श्री राजेश राजपाल थिएटर जगत की जानी-मानी शख्सियतें (25 जुलाई, 2019)।

* श्री जे.एन. व्यास, कार्यकारी निदेशक, मध्य प्रदेश औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड, भोपाल (8 अगस्त, 2019)।

* डॉ ए. के. खरेनिदेशक, राष्ट्रीय फैशन टेक्नोलॉजी संस्थान, भोपाल (17 अगस्त, 2019)।

* श्री बी. विजय दत्ता, आईएएस, आयुक्त भोपाल पालिका निगम (5 सितम्बर, 2019)।

* श्री दिलीप चेनॉय महासचिव, भारतीय वाणिज्य और उयोग मंडल परिसंघ-(26 सितम्बर, 2019)।

* श्री शान्तनु त्रिपाठी अध्यक्ष, मध्य प्रदेश राज्य वाणिज्य और उद्योग मंडल परिसंघ- (26 सितम्बर, 2019)।

* डॉक्टर राजेश राजोरा प्रधान सचिव, भारतीय नीति एवं निवेश संवर्धन, मध्य प्रदेश सरकार (23 अक्टूबर, 2019)।

* सुश्री कल्पना श्रीवास्तव, आईएएस, कमिश्नर, भोपाल।

श्री तरूण पिथोरे, आईएएस, जिलाधीश भोपाल

प्रो धीरज कुमार, निदेशक राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्य प्रदेश

श्री. बी विजय दत्ता आयुक्त, भोपाल नगर निगम

श्रीमती कल्पना श्रीवास्तव, संभागीय आयुक्त, भोपाल

फिक्की के महासचिव श्री दिलीप चेनॉय

डॉ राजेश राजोरा, पीएस इंडस्ट्री

7. 4 नेशनल इलेक्ट्रिक कार्ट चैंपियनशिप 3.0 (आयोजित)

समारोह का शुभारंभ

पूर्ण थ्रॉटल

अंतिम दौड़ के लिए तैयार प्रतिभागी

उम्मीदवारों को स्मृति चिन्ह दिए गए

7.5 समारोह

स्वतंत्रता दिवस
निदेशक महोदय ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और मार्च पास्ट हुआ तथा नृत्य प्रस्तुति और गायन कार्यक्रम के बाद मिठाइयां बांटी गई।

गणेश चतुर्थी
गणेश चतुर्थी समारोह पांच दिन तक मनाए गये और गणेश प्रतिमा के समक्ष आरती की गई। समापन आयोजन में गुलाल समारोह के साथ गणेश प्रतिमा का विसर्जन किया गया। अंतिम दिन शाम में संगीत और नृत्य कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें लोगों ने हर्ष और उल्लास के साथ भाग लिया।

ओणम
इस अवसर पर अनेकानेक किस्मों के फूलों से आकर्षक डिजाइन बनाए गए। यह डिज़ाइन लगभग वैसे ही सुंदर थे जैसे उत्तरी भारत की रंगोली की साजसज्जा होती है। आयोजनों में राजा महाबली के जीवन पर नाटिका प्रस्तुत की गई, ओणम से जुड़े गीत गाए गए और नृत्य कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। इनके बाद रात्रिभोज का आयोजन किया गया जिसमें विद्यार्थियों को दक्षिण भारतीय व्यंजन परोसे गए।

शिक्षक दिवस
शिक्षक दिवस समारोह में विद्यार्थियों और शिक्षकों ने मिलकर भाग लिया। विद्यार्थियों ने शिक्षकों के लिए कागजों से आकृतियां बनाने की ऑरिगेमी कला का सुंदर प्रदर्शन किया। शिक्षक दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भोपाल नगर के आयुक्त श्री बी. विजय दत्ता, आईएएस को आमंत्रित किया गया था।

नवरात्रि गरबा रात्रि
गरबारात्रि का आयोजन परंपरागत वेशभूषा में इंडिया रास के साथ किया गया। भारतीय संस्कृति का प्रमुख त्यौहार होने के नाते इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने पूरे उल्लास और जोश के साथ भाग लिया। आकर्षक वेशभूषा और लयबद्ध नृत्य प्रस्तुति वास्तव में बेहद मनमोहक लग रही थी।

दिवाली मिलन
दिवाली मिलन समारोह बहुत धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये और उसके बाद मिठाइयां बांटी गईं। फिर विद्यार्थियों ने मेस के सामने के इलाके में फूलझड़ियां भी जलाई, अनार जलाएं और चकरियां भी चलाईं। समारोह की समाप्ति पर मजेदार रात्रिभोज का आयोजन किया गया था।

क्रिसमस
विद्यार्थियों ने हर्षोल्लास के साथ क्रिसमस मनाई। उन्होंने मेस से सामने ही एक खूबसूरत पालना और आकर्षक क्रिसमस ट्री बनाया। सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आजोजित किया गया जिसमें एक नाटिका और क्रिसमस के गीत गाये गए। समारोह के अंत केक बांटा गया और सभी ने मिलकर रात्रिभोज किया।

.

गणतंत्र दिवस
गणतंत्र दिवस की शुरूआत निदेशक महोदय को सलामी गारद पेश करने से हुई और फिर राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में लघुनाटिका गीत और नृत्य आयोजित किए गये थे। समारोह के बाद अच्छा चायपान भी आयोजित किया गया।

होली
कोविड-19 वैश्विक महामारी के कारण होली मिलन समारोह सीमित रखा गया, लेकिन मिठाइयां और कुछ व्यंजन वितरित किये गये और सबने हंसी खुशी भोजन किया।

शिक्षक दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों की प्रस्तुति।

श्री बी विजय दत्ता, आईएएस, आयुक्त, भोपाल नगर निगम, शिक्षक दिवस के अवसर पर छात्रों को संबोधित करते हुए

चित्र- एन आई डी एमपी में पहला राष्ट्रीय उत्सव 'स्वतंत्रता दिवस ' उल्लास और उत्साह से मनाया गया।

चित्र- छऊ नृत्य कलाकारों के साथ सामूहिक स्मृति चित्र

चित्र- छऊ नृत्य कलाकारों का सम्मान

चित्र- कार्यशाला में पूजा

चित्र- गरबा और दशहरा समारोहों का स्मृति चित्र

चित्र- ओणम पर्व आयोजन का चित्र

चित्र- विद्यार्थियों ने नाटक प्रस्तुत किया

चित्र- गरबा नृत्य

चित्र- होली की पूर्व संध्या का स्मृति चित्र

चित्र- विद्यार्थियों की प्रस्तुति

चित्र- गणतंत्र दिवस समारोह

7.6 प्रथम स्थापना दिवस

चित्र- दीप प्रज्ज्वलन के साथ ईश्वर के आशीष की कामना

चित्र- प्रो. धीरज कुमार आयोजन को संबोधित करते हुए

चित्र- कार्यक्रम प्रस्तुतकर्ता

एन आई डी एमपी की यात्रा को प्रदर्शित करती नाटिका

चित्र- आरंभिक टीम का परिचय कराते हुए

निर्देशक विद्यार्थियों और स्टाफ से बातचीत करते हुए

National Institute of Design
Madhya Pradesh

Formdation

7.7 स्वच्छता ही सेवा

चित्र- प्रो. धीरज कुमार, निदेशक, एन आई डी एमपी ने स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े का उद्घाटन किया

चित्र- एन आई डी एमपी की फैकल्टी, अधिकारियों और विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह से भागीदारी की

चित्र- एन आई डी एमपी द्वारा विश्व सफाई दिवस मनाया गय

7.8 एन आई डी एमपी में, परिसर निवासियों का जीवन

7.9 विद्यार्थी गतिविधियां

* संस्थान का मानना है कि कक्षा से बाहर का विद्यार्थी जीवन और गतिविधियां विद्यार्थियों की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। नेतृत्व कौशल विकसित कर, सामाजिक और सांस्कृतिक विविधता से परिचित कराकर तथा कला और शिल्प कौशल प्रदान कर विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम पूरा करने और रोजगार पाने के लिये बेहतर ढंग से तैयार किया जा सकता है। इसे ध्यान में रखते हुए संस्थान विद्यार्थियों के लिये विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करता है।
* जन्मदिन
* यह मानते हुए कि प्रत्येक व्यक्ति का जन्मदिन उसके लिये बहुत ही महत्वपूर्ण दिन होता है, विद्यार्थियों का जन्मदिन संयुक्त रूप से महीने में एक बार मनाया जाता है। केक काटकर विद्यार्थियों को इस अवसर पर विशेष होने की अनुभूति करायी जाती है।
* परामर्श
* संस्थान ने जरूरत के समय विद्यार्थियों को मनोवैज्ञानिक संबल देने के लिये एक काउंसिलिंग एजेंसी की सेवाएं लेने की व्यवस्था की है। यह एजेंसी विद्यार्थियों के लिये नियमित सत्र भी संचालित करती है, जिसमें मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित विभिन्न पक्षों पर परामर्श दिया जाता है। किसी भी वजह से तनावग्रस्त महसूस करने पर विद्यार्थियों को पेशेवर विशेषज्ञों से मदद लेने को प्रोत्साहित किया जाता है।
* उत्सवों का आयोजन
* संस्थान में उत्सव और त्योहारों का आयोजन यहां के शैक्षणिक माहौल का एक अभिन्न अंग है। विद्यार्थी इन समारोहों में बड़े उत्साह से भाग लेते हैं। उनके द्वारा स्वतंत्रता दिवस, जन्माष्टमी, ओणम, गणेश चतुर्थी, शिक्षक दिवस, क्रिसमस, गणतंत्र दिवस इत्यादि पर अनेक उत्कृष्ट सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।
* बाहर भ्रमण
* बी. डिज. पाठ्यक्रम की शुरूआत के समय अनुकूलन भ्रमण के अंतर्गत विद्यार्थियों को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय और एमपी जनजातीय संग्रहालय का भ्रमण कराया गया। एक कला प्रदर्शनी देखने के लिये भारत भवन का भ्रमण भी आयोजित किया गया। विद्यार्थियों ने अध्ययन गतिविधियों के तहत इस्लामगढ़ किला और मोती मस्जिद भी देखा।
* खेलकूद गतिविधियां
* विद्यार्थियों ने टेबल टेनिस, बैडमिंटन जैसी खेलकूद गतिविधियों में भी सक्रियता से भाग लिया तथा सुबह/शाम की वॉक/दौड़ के लिये परिसर की परिधीय सड़क का उपयोग किया। उन्होंने बहु सुविधा युक्त मनोरंजन केंद्र में उपलब्ध फिटनेस उपकरणों का भी उपयोग किया।
*
* मध्य प्रदेश डिजाइन उत्सव
* इस आयोजन की परिकल्पना भारत में प्रमुख डिजाइन संस्थान के रूप में मध्य प्रदेश को बढ़ावा देने और उसका सम्मान बढ़ाने तथा यह स्थापित करने के उद्देश्य से की गयी है कि औपचारिक डिजाइन शिक्षा सबसे पहले यहां पुष्पित-पल्लवित हुई। वर्ष 2019 में 18 से 20 दिसंबर तक आयोजित पहले मध्यप्रदेश डिजाइन उत्सव (मोजैक) के दौरान अनेक कार्यक्रम, कला और शिल्प प्रदर्शनी, परिचर्चा और प्रतिस्पर्द्धाओं का संचालन किया गया। इस उत्सव में अनेक विद्यालयों, उच्च शिक्षण संस्थानों, उद्योग, सरकारी कर्मचारियों और आम लोगों ने भाग लिया।
* आरोग्य
* लगातार संवाद और विद्यार्थियों से मिले फीड बैक की मदद से संस्थान ने निम्नलिखित समस्याओं के लिये समाधान किया है।
* फैकल्टी और स्टाफ से सहयोग सुनिश्चित करना
* मानसिक स्वास्थ्य संबंधी मुद्दे (अवसाद, मानसिक रोग, चिंता, घर की याद आना इत्यादि)
* छात्रावास और भोजन सहित परिसर में अन्य सुविधाओं का प्रावधान
* दुर्व्यवहार/दुरुपयोग की गंभीर घटनाओं के लिये सख्त नीतियां
* खेलकूद/अन्य गतिविधियों का प्रावधान
* समग्र स्वास्थ्य और आरोग्य पर ध्यान

THE ERA OF
BEGUM

8. वित्तीय संसाधन

भारतीय लेखापरीक्षा तथा लेखा विभाग
कार्यालय प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा
(उद्योग एवं कॉर्पोरेट मामले) नई दिल्ली
INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
Office of the Principal Director of Audit
(Industry & Corporate Affairs) New Delhi

संख्या: एएमजी-/25(3)/एन आई डी-एमपी/वार्षिक ए/सीएस(2019-20)/2020-21
दिनांक: 19/05/2021

सेवा में,
सचिव,
उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग,
वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय,
उद्योग भवन,
नयी दिल्ली- 110001
विषय: 31 मार्च 2020 को समाप्त हुए वर्ष के लिये राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्य प्रदेश का पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट

महोदय,
वर्ष 2019-20 के लिये राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्य प्रदेश की पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट और वर्ष 2019-20 के लिये एन आई डी एमपी के वार्षिक लेखा की एक प्रति संलग्न हैं। कृपया संसद के दोनों सदनों में इसे प्रस्तुत करने से पहले, नियमानुसार, शासी निकाय के समक्ष रखा जाना सुनिश्चित करें। संसद में पेश दस्तावेज की दो प्रतियां, पेश किये जाने की तिथि स्पष्ट करते हुए, इस कार्यालय और भारतीय नियंत्रक और महालेखापरीक्षक कार्यालय को भेजी जाये।
पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट में उल्लिखित विषयों के अलावा, यह भी सूचित किया गया है कि एन आई डी एमपी का लेखा राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान(वार्षिक लेखा विवरणी फॉर्म) विनियम 2016 द्वारा निर्धारित लेखा प्रारूप के आधार पर तैयार किया गया है। राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान(वार्षिक लेखा विवरणी फॉर्म) विनियम 2016 का पैरा 3 (2) अनुबंधित करता है कि संस्थान वित्तीय विवरणियों की तैयारी में नियंत्रक और महालेखा परीक्षक के परामर्श से केंद्र सरकार के दिशा निर्देशों का पालन करेगा।
हांलाकि विनियम 2016 में प्रदत्त लेखा प्रारूप केंद्रीय स्वायत्तशासी निकायों के लिये एकरूप लेखा प्रारूप पर विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट में निर्धारित एकरूप लेखा प्रारूप के अनुरूप नहीं है। वर्ष 2019-20 के लिये एन आई डी एमपी के वार्षिक लेखा परीक्षा के दौरान निम्नलिखित दो उदाहरण मिले।

(1) एन आई डी एमपी ने तुलन पत्रक के आस्ति पक्ष में 20 लाख 69 हजार रुपये का घाटा दिखाया है, हालांकि केंद्रीय स्वायत्तशासी निकायों के लिये एकरूप लेखा प्रारूप के अनुसार आय और व्यय लेखा अधिशेष/घाटा पूंजीगत निधि में स्थानांतरित किया जाना चाहिये। आय - व्यय विवरणियों में दिखाये गये निबल संचालन परिणामों के अनुसार निधि राशि घटायी/ बढ़ायी जानी चाहिये।

(2) एन आई डी एमपी ने वित्तीय विवरणियों के साथ प्राप्ति और भुगतान विवरण नहीं संलग्न किया है, हालांकि केंद्रीय स्वायत्तशासी निकायों के लिये एकरूप लेखा प्रारूप के अनुसार इसे वित्तीय विवरणियों का हिस्सा बनाया जाना चाहिये।

यद्यपि केंद्र सरकार ने दिनांक 30 दिसंबर 2020 की गजट अधिसूचना से राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्य प्रदेश (वार्षिक लेखा विवरणी प्रपत्र) विनियम 2020 निर्मित किया है, लेकिन उसमें निर्धारित लेखा प्रारूप भी केंद्रीय स्वायत्तशासी निकायों के लिये एकरूप लेखा प्रारूप पर विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट में निर्धारित प्रारूप के अनुरूप नहीं है।
इसलिये अनुरोध किया जाता है कि राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्यप्रदेश (वार्षिक लेखा विवरणी प्रपत्र) विनियम 2020 अधिनियम में संशोधन के लिये विचार किया जाना चाहिये ताकि नियंत्रक और महालेखापरीक्षक के परामर्श से केंद्रीय स्वायत्तशासी निकायों के लिये एकरूप लेखा प्रारूप अपनाया जा सके जैसा कि अधिनियम में अनुबंधित किया गया है।

आपका विश्वासी,

(विधु सूद)
प्रधान लेखा परीक्षा निदेशक
(उद्योग और1कॉरपोरेट मामले)
नयी दिल्ली

संख्याः एएमजी-आई/25(3)/एनआईडी-एमपी/वार्षिए/सीएस(2019-20)/2020-21/03 दिनांकः19/05/2021

प्रतिः
1) निर्देशक, राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्य प्रदेश आचारपुरा, इंट खेरी, भोपाल
सूचनार्थ और आवश्यक कार्रवाई हेतु

(विधु सूद)
प्रधान लेखा परीक्षा निदेशक
(उद्योग और कॉरपोरेट मामले)
नयी दिल्ली

31 मार्च 2020 को समाप्त वर्ष के लिये राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्य प्रदेश के लेखा खाते पर भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक की स्वतंत्र लेखा परीक्षा रिपोर्ट

हमने 3 नियंत्रक और महालेखापरीक्षक के (डीपीसी) अधिनियम 1971 की धारा 19(2), राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान अधिनियम की धारा 25(2) के साथ पढ़ा जाये, के तहत 1 मार्च 2020 को समाप्त वर्ष के लिये राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्य प्रदेश के संलग्न तुलन पत्रक तथा आय और व्यय विवरणी की लेखा परीक्षा की है। इन वित्तीय विवरणियों की तैयारी एन आई डी एमपी प्रबंधन की जिम्मेदारी है। हमारा दायित्व अपनी लेखा परीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणियों पर मत व्यक्त करना है।

2. इस पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट(एसएआर) में वर्गीकरण, सर्वोत्तम लेखांकन प्रणालियों, लेखांकन और स्पष्टीकरण मानकों से एकरूपता के संदर्भ में लेखांकन कार्य पर भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की टिप्पणियां शामिल हैं। वित्तीय विवरणियों की लेखा परीक्षा के दौरान विधान, नियम और विनियमों (उपयुक्तता और नियमितता) के अनुपालन के संदर्भ में वित्तीय लेनदेन पर लेखा परीक्षा निष्कर्षों की रिपोर्ट अलग से निरीक्षण रिपोर्ट/नियंत्रक और महालेखापरीक्षक की ऑडिट रिपोर्ट के माध्यम से की जाती है।

3. हमने अपनी लेखा परीक्षा भारत में आम तौर पर स्वीकृत लेखा परीक्षा मानकों के अनुसार की है। इन मानकों की अपेक्षा है कि लेखा परीक्षा यह युक्तिसंगत आश्वासन देती हो कि वित्तीय विवरणियों में कोई बड़ी गलत बयानी नहीं है। लेखा परीक्षा में वित्तीय विवरणियों में दी गयी राशि और स्पष्टीकरणों के समर्थन में दिये गये प्रमाणों का परीक्षण आधार पर जांच पड़ताल शामिल है। प्रयुक्त लेखांकन सिद्धांतों और प्रबंधन द्वारा किये गये अनुमानों का आकलन तथा वित्तीय विवरणियों की समग्र प्रस्तुति का मूल्यांकन भी लेखा परीक्षा में शामिल है। हमें विश्वास है कि हमारी लेखा परीक्षा हमारे मत के लिये तर्कसंगत आधार उपलब्ध कराती है।

4. अपनी लेखा परीक्षा के आधार पर, हमारा कहना है किः

I. हमने सभी सूचना और स्पष्टीकरण जुटा लिये हैं जो हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार, लेखा परीक्षा के लिये आवश्यक थे।

II. इस रिपोर्ट में शामिल तुलन पत्रक तथा आय और व्यय लेखा राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (वार्षिक लेखा विवरणी प्रपत्र) विनियम, 2016 के नियम 4 के उप नियम (1) के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा अनुमोदित प्रारूप में दिये गये हैं।

III. हमारे मत में, जहां तक लेखा पुस्तिकाओं के परीक्षण से प्रतीत होता है, राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्य प्रदेश द्वारा समुचित लेखा पुस्तिकाएं और अन्य संबंधित रिकॉर्ड्स रखे गये हैं।

IV. हम आगे रिपोर्ट करते हैं किः

(क) आय और व्यय खाता ह्रासः 84.72 लाख रुपये (अनुसूची-6)

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों और टिप्पणियों के पैरा -1 (ई) में स्पष्ट किया गया है कि निर्माण पर ह्रास की गणना संरेखीय आधार पर 2.50 प्रतिशत की दर मे की जाती है। इसके अनुसार निर्माण कार्य पर प्रभारित ह्रास 3 लाख 21 हजार रुपये है जिसमें एन आई डी एमपी ने केवल 2 लाख 57 हजार रुपये का ह्रास प्रभारित किया है।
इससे व्यय में 0.64 लाख रुपये की कम बयानी और स्थायी आस्तियों में इतनी ही राशि की अधिक बयानी हुई है। इससे वर्ष के घाटे में भी इतनी ही राशि की कमबयानी हुई है।

(ख) सहायता अनुदान

राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, अहमदाबाद वर्ष 2018-19 तक एन आई डी मध्यप्रदेश के खातों का हिसाब रख रहा था। एन आई डी एमपी ने अपना पहला शैक्षणिक सत्र जुलाई 2019 से मध्य प्रदेश में भोपाल स्थित अपने परिसर में आरंभ किया। प्राप्त, प्रयुक्त और अप्रयुक्त अनुदान की स्थिति नीचे तालिका में दी गयी हैः

एन आई डी मध्य प्रदेश की अनुदान स्थिति			राशि
एन आई डी अहमदाबाद के पास उपलब्ध एन आई डी एमपी का आरंभिक अनुदान शेष			3.15*
वर्ष के दौरान एन आई डी अहमदाबाद द्वारा प्राप्त एन आई डी एमपी की अनुदान राशि			1.97
वर्ष के दौरान एन आई डी एमपी द्वारा प्राप्त अनुदान			14.65
कुल अनुदान			19.77
	रेकरिंग/ राजस्व व्यय (करोड़ में)	नॉन रेकरिंग/ पूंजीगत व्यय (करोड़ में)	
एन आई डी एमपी की ओर से एन आई डी अहमदाबाद द्वारा किया गया व्यय	0.48	2.54	3.02
एन आई डी एमपी द्वारा किया गया व्यय	4.91	6.89	11.80
कुल व्यय	5.39	9.43	14.82
वर्ष के अंत में अप्रयुक्त अनुदान			4.95

* एन आई डी अहमदाबाद ने वर्ष के दौरान 3.15 करोड़ रुपये के आरंभिक अनुदान शेष में से 2.06 करोड़ रुपये एन आई डी मध्यप्रदेश को अंतरित किये। एन आई डी अहमदाबाद द्वारा किये गये व्यय/ हस्तांतरित व्यय के समायोजन के बाद 0.041 करोड़ रुपये अभी भी एन आई डी अहमदाबाद के पास हैं।

.....
13.15 करोड़ +1.97 करोड़ घटाव 3.02 करोड़ घटाव 2.06 करोड़ = 0.04 करोड़

(ग) पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट में जिन कमियों को शामिल नहीं किया गया है उनकी ओर एन आई डी एमपी प्रबंधन का ध्यान, सुधार /निवारक कार्रवाई के लिये, अलग से जारी पत्र के जरिये दिला दिया गया है।

V) ऊपर वर्णित अनुच्छेदों में हमारी टिप्पणियों के अधीन, हम प्रमाणित करते हैं कि इस रिपोर्ट में शामिल तुलन पत्रक तथा आय और व्यय लेखा, लेखा बहियों के अनुरूप हैं।

VI) हमारे मत में तथा हमारी सर्वोत्तम जानकारी और हमें दिये गये स्पष्टीकरणों के अनुसार ये वित्तीय विवरण, लेखांकन नीतियों और लेखा टिप्पणियों के साथ पढ़े जाने, और ऊपर उल्लिखित महत्वपूर्ण विषयों तथा अनुलग्नक में शामिल अन्य विषयों के अधीन, भारत में आम तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धान्तों के अनुरूप निम्नांकित के बारे में सही और निष्पक्ष जानकारी उपलब्ध कराते हैं:

क) 31 मार्च 2020 की स्थिति के अनुसार, राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्य प्रदेश के तुलन पत्रक के बारे में; और

ख) उक्त तिथि को समाप्त वर्ष के लिये आय और व्यय लेखा, तथा वर्ष के दौरान हानि के बारे में।

कृते भारत के नियंत्रक और महा लेखा परीक्षक
और उनकी ओर से।

(विधु सूद)
प्रधान लेखा परीक्षा निदेशक
(उद्योग और कॉरपोरेट मामले)

स्थानः नयी दिल्ली
तिथिः 19.05.2021

प्रपत्र क

[विनियम 4 का उपनियम 1 देखें]

राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्य प्रदेश

संसद के अधिनियम द्वारा संस्थापित राष्ट्रीय महत्व का संस्थान

31 मार्च 2020 को तुलन पत्रक

पूंजीगत कोष और देयतायें			
	निर्धारण	**31.03.2020**	**31.03.2019**
पूंजीगत कोष:	1	1095219069	1009434985
ह्रास निधि:	6	0	0
निर्धारित कोष:	2	14966793	0
अनुदान और अंशदान:	3	49495785	31508941
नये राष्ट्रीय डिजाइन संस्थानों के लिये अंशदान:	4	0	0
वर्तमान देयतायें :	5	8954862	0
कुल		**1168636509**	**1040943926**
आस्तियां			
स्थायी खाता(निबल पर)	6	1035069538	23134985
निवेश (लागत पर):	7	0	0
मौजूदा आस्तियां, ऋण और अग्रिम इत्यादि:	8	131497475	1017808941

Date: 12.09.2020

Director

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar

निदेशक / Director

एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

रविन्द्र / RAVINDER
संयुक्त सचिव / Joint Secretary
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय / Min. of C. & I.
Chairman, Governing Council

Neeraj Kumar

Controller of Finance & Accounts

वित्त एवं लेखा नियंत्रक

Controller of Finance & Accounts

राष्ट्रीय डिजाईन संस्थान, मध्यप्रदेश

National Institute of Design, Madhya Pradesh

प्रपत्र 'बी'

[विनियम 4 का उपनियम 1 देखें]

राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्य प्रदेश

संसद के अधिनियम द्वारा संस्थापित राष्ट्रीय महत्व का संस्थान

31 मार्च 2020 को समाप्त वर्ष के लिये आय और व्यय खाता

ए. आय	निर्धारण	वर्तमान वर्ष	पूर्व वर्ष
शुल्क:	10	13469100	0
सेवा शुल्क:	11		
अनुदान:	12	53889625	730392
अर्जित ब्याज:	13	1206970	0
अन्य आय :		290723	0
ह्रास के परिमाण तक पूंजीगत कोष से अंतरित	1	8471511	1974864
कुल(ए)		**77327929**	**2705256**
बी. व्यय			
स्थापना व्यय:	14	19327988	695167
अन्य प्रशासकीय व्यय:	15	36631133	35225
परियोजना व्यय:	11	0	0
ब्याज/बैंक प्रभार:		0	0
ह्रास:(टिप्पणी संख्या **1e)**	6	8471511	1974864
विशेष कोष के लिये अंतरित राशि	16	14966793	
कुल (बी)		**79397425**	**2705256**
तुलन पत्रक में दर्ज घाटा शेष (ए- बी		**-2069496**	**0**

Place: Bhopal
Date: 12.09.2020

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID Madhya Pradesh
Director

Neeraj Kumar
वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिजाईन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

अनुसूची - 1
[विनियम 4 का उपनियम 1 देखें]

राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्य प्रदेश

संसद के अधिनियम द्वारा संस्थापित राष्ट्रीय महत्व का संस्थान
31 मार्च 2020 को तुलन पत्रक की अनुसूची
पूंजीगत कोष

विवरण	31.03.2020	31.03.2019
अनुसूची 1- पूंजीगत कोष		
01.04.2019 को शेष	1009434985.00	455939235
क.जोड़ें: i) गैर आवर्ती व्यय के लिये केंद्र सरकार अनुदान खाते से अंतरित राशि	36163084.00	14170614
ii) निर्माण खाते के तहत भवन के लिये कोष विनियोजन से अंतरित राशि	58092511.00	541300000
iii) गैर आवर्ती व्यय के लिये अनुदान से अधिक लागत के कारण आय और व्यय खाते से अंतरित राशि	0.00	0
ख. घटायें: पूंजीगत कोष से प्राप्त आस्तियों पर ह्रास के लिये आय और व्यय खाते से अंतरित राशि	8471511.00	1974864
ग. घटायें: वर्ष के दौरान बेचे गये/हटाये गये मशीनरी, उपकरण और फर्नीचर के मूल्य का समायोजन	0.00	
उपजोड़ (क)	1095219069.00	1009434985
ख 1-4- को भूमि रिजर्व शेष		
कुल (क+ख)	1095219069.00	1009434985.00

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh
Director

वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिजाईन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

अनुसूची - 2
[विनियम 4 का उपनियम 1 देखें]

राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्य प्रदेश

संसद के अधिनियम द्वारा संस्थापित राष्ट्रीय महत्व का संस्थान
31 मार्च 2020 को तुलन पत्रक की अनुसूची
निर्धारित कोष

क्र. सं.	कोष का नाम	01.04.2019 को आरंभिक शेष	जमा ब्याज	अन्य जमा		संदर्भ	31.03.2020 को अंत शेष
		रु.	रु.	रु.	रु.	रु.	रु.
1	एन आई डी एमपी समग्र निधि			14966793	0	L	**14966793**
	कुल जोड़	**0**	**0**				**0** **0** **14966793**
	पूर्व वर्ष		**0**	**0**	**0**		**0**

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID Madhya Pradesh
Director

Neeraj Kumar
वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिजाईन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

अनुसूची - 3

[विनियम 4 का उपनियम 1 देखें]

राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्य प्रदेश

संसद के अधिनियम द्वारा संस्थापित राष्ट्रीय महत्व का संस्थान

31 मार्च 2020 को तुलन पत्रक की अनुसूची

अनुदान और अंशदान

	खाते का नाम	01.04.2019 को आरंभिक शेष	जमा अनुदान	घटायी गयी राशि			संदर्भ	31.03.2020 को अंत शेष
				गैर आवर्ती व्यय	आय व्यय खाते में अंतरित	अन्य निकासी		
		रु.	रु	रु	रु	रु		रु
1	~~सरकारी अनुदान योजना~~ एन आई डी एमपी के निर्माण के लिये							
	एन आई डी अहमदाबाद द्वारा प्राप्त	31508941	19665064		4758070		9	443642
	एन आई डी एमपी द्वारा प्रापत	20600000#	146467000		49131555	57300000	9	49052143
	कुल जोड़	31508941	166132064	36955595	53889625	57300000		49495785
	पूर्व वर्ष	318467936	269242011	14170614	730392	541300000		31508941

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh
Director

Neeraj Kumar
वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिजाईन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

अनुसूची - 4

[विनियम 4 का उपनियम 1 देखें]

राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्य प्रदेश

संसद के अधिनियम द्वारा संस्थापित राष्ट्रीय महत्व का संस्थान

31 मार्च 2020 को तुलन पत्रक की अनुसूची

नये राष्ट्रीय डिजाइन संस्थानों के लिये अनुदान

	खाते का नाम	31.03.2019 तक जमा अनुदान	31.03.2019 तक प्रयुक्त अनुदान	01.04.2019 को आरंभकि शेष	वर्ष के दौरान जमा अनुदान	कुल	घटायी गयी राशि			31.03.2020 को अंत शेष
							गैर आवर्ती व्यय	निर्माण कार्य के लिये सीपी-डबल्यूडी/ एनबीसीसी को हस्तां-तरित	अन्य	
	केंद्र सरकारी अनुदान योजना (गैर आवर्ती)- रा-ष्ट्रीय डिजाइन नीति के क्रियान्वयन और इन स्थलों पर नये एन आई डी परिसरों की स्थापना के लिये			रु.		रु	रु	रु	रु	रु
1	जोरहाट									
2	हैदराबाद									
3.	भोपाल									
4	कुरूक्षेत्र									
5	विजयवाड़ा और अन्य परिसर									
	कुल जोड़					**0**	**0**	**0**		**0**
	पूर्व वर्ष					**0**	**0**	**0**		**0**

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID Madhya Pradesh
Director

Neeraj Kumar
वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिजाईन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

अनुसूची - 5
[विनियम 4 का उपनियम 1 देखें]

राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्य प्रदेश

संसद के अधिनियम द्वारा संस्थापित राष्ट्रीय महत्व का संस्थान
31 मार्च 2020 को तुलन पत्रक की अनुसूची
वर्तमान देयतायें

विवरण	31.03.2020	31.03.2019
1. व्यय के लिये	3260967.00	
2. किराये और अन्य जमा के लिये	0.00	
3. विविध जमा शेष	5693895.00	0
4. जारी परियोजनाओं के अग्रिम के लिये	0	
कुल	8954862	0

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh
Director

Neeraj Kumar
वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिजाईन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्य प्रदेश
वर्तमान देयताओं को दर्शाता अनुसूची 5 का अनुलग्नक
मार्च 2020 को बकाया बिल

1. यात्रा व्यय	81129
2. टेलीफोन,टेलेक्स,डाक	14008
3. बिजली खर्च	
4. रखरखाव: यांत्रिक, सूचना प्रौद्योगिकी, विद्युत, इलेक्ट्रॉनिकी	53100
5. वाहन प्रबंध और संचालन शुल्क	96303
6. सामग्री,आपूर्ति उपभोग वस्तुएं और विविध व्यय	
7. उपग्रह केंद्रों के लिये सामान्य व्यय	
8. विज्ञापन और प्रचार व्यय	61789
9. कल्याण, परिसर आयोजन और अन्य व्यय	316789
10. पुस्तकालय, पत्र-पत्रिका, प्रदर्शनी, अंशदान इत्यादि	
11. विद्यार्थी फ्रीशिप और विकास	
12. फैकल्टी, स्टाफ एचआरडी, अन्य विविध व्यय	
13. संपत्ति कर, कर, उपकर	97500
14. मरम्मत और रखरखाव	21984
15. बीमा	
16. कानूनी व्यय और पेशेवर फीस	24785
17. सुरक्षा,हाउसकीपिंग और बागवानी प्रबंध	1329322
18. लेखा परीक्षा शुल्क	
19 जलपान और आतिथ्य व्यय	167584
20. अनुबंध पर कर्मचारी/ परामर्शदाताओं की आउटसोर्सिंग	860052
21. अकादमिक और कार्यशाला संबंधित आकस्मिक व्यय	
22. अतिथि गृह	
23. किराये पर मशीनरी/उपकरण लेने पर व्यय	32480
24. अन्य विविध व्यय	104142

31 मार्च को व्यय के लिये कुल क्रेडिटर	**3260967**

विविध जमा शेष	
विविध क्रेडिटर	50000
सुरक्षा जमा	330000
विद्यार्थी सुरक्षा जमा	570000
प्रायोजित परियोजनाओं में शेष	275681
एनपीएस निधि	3279360
आयकर	335201
व्यवसाय कर	11749
जीएसटी टीडीएस	132986

[विनियम 4 का उपनियम 1 देखें]

राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्य प्रदेश
संसद के अधिनियम द्वारा संस्थापित राष्ट्रीय महत्व का संस्थान
31 मार्च 2020 को तुलन पत्रक की अनुसूची
स्थायी आस्तियां

		सकल ब्लाक				ह्रास				नियल ब्लाक	
		01.04.2019 को	जोड़	बिक्री/ समायोजन	**31.03.2020** को	**01.04.2019** को	वर्ष के लिये	बिक्री/ समायोजन	**31.03.2020** को	**31.03.2020** को	**31.03.2019** को
क्र.सं	विवरण	1	2	3	4	5	6	7	8	9.00	10
क	अचल परिसंपत्तियां										
1	(i) भूमि	0	0	0	0					0.00	0
	1 का उपजोड़	**0**	**0**	**0**	0	**0**	**0**	**0**	0	0.00	0
2	एन आई डी परिसर भवन	11826200	1015579	0	12841779	1182620	256836	0	1439456	11402323.00	10643580
	(1+2) का उपजोड़	**11826200**	**1015579**	**0**	12841779	**1182620**	**256836**	**0**	1439456	11402323.00	10643580
B	चल परिसंपत्तियां				0				0	0.00	0
1	मशीनरी, संयंत्र और उपकरण	1609840	23724300	0	25334140	160984	2533414	0	2694398	22639742.00	1448856
2	फर्नीचर और फिक्सर	0	1936381	0	1936381		193638	0	193638	1742743.00	0
3	कम्प्यूटर और पेरिफेरल	2621477	19814706	0	22436183	524295	4487237	0	5011532	17424651.00	2097182
4	स्टाफ पूल वाहन	0	0	0	0	0	0	0	0	0.00	0
5	पुस्तकालय पुस्तकें	9939297	64565	0	10003862	993930	1000386	0	1994316	8009546.00	8945367
	बी का उपजोड़	**14170614.00**	**45539952.00**	**0.00**	**59710566.00**	**1679209.00**	**8214675.00**	**0.00**	**9893884.00**	**49816682.00**	**12491405**
C	जारी कार्य	0	986300000	12449467	973850533	0	0	0	0	973850533.00	0
	सी का उपजोड़	0	986300000	12449467	973850533	0	0	0	0	973850533.00	0
	कुल जोड़	**25996814**	**1032855531**	**12449467**	**1046402878**	**2861829**	**8471511**	**0**	**11333340**	**1035069538**	**23134985**
	पिछला वर्ष	**11826200**	**14170614**	**0**	**25996814**	**886965**	**1974864**	**0**	**2861829**	**23134985**	**10939235**

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID Madhya Pradesh
Director

Neeraj Kumar
वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिजाईन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

अनुसूची - 7
[विनियम 4 का उपनियम 1 देखें]

राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्य प्रदेश

संसद के अधिनियम द्वारा संस्थापित राष्ट्रीय महत्व का संस्थान
31 मार्च 2020 को तुलन पत्रक की अनुसूची
निवेश (लागत पर)

विवरण	31.03.2020	31.03.2019
दीर्घावधि	0.00	0
सावधि जमा	0.00	0
बॉंड		
कुल	0	0

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh
Director

Neeraj Kumar
वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिजाईन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

अनुसूची-8
[विनियम 4 का उपनियम 1 देखें]

राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्य प्रदेश

संसद के अधिनियम द्वारा संस्थापित राष्ट्रीय महत्व का संस्थान
31 मार्च 2020 को तुलन पत्रक की अनुसूची
वर्तमान आस्तियां, ऋण, अग्रिम इत्यादि

विवरण	31.03.2020	31.03.2019
ए. वर्तमान आस्तियां:		
1. सामग्री (लागत पर)		
क. स्टोर और स्पेयर	0	
ख. शैक्षणिक/कार्यशाला/प्रयोगशाला/स्टूडियो सामग्री	715861	
ग. कांच का सामान	0	
घ. अन्य उपभोग सामग्री	98210	
ड.. लेखन सामग्री	0	
कुल ए	**814071**	
2. नकदी शेष	100000	
3. बैंक अधिशेष	0	
क. क साथ करंट खाते में	1611618	0
उप जोड़- क	1611618	0
ख. के साथ बचत खाते में		
उप जोड़- ख	0	
उप जोड़-(क+ख)	1611618	0
ग. के साथ कॉल/टर्म जमा खाते में	66500000	
उप जोड़- ग	66500000	
उप जोड़ **3** (क+ख+ग)	68111618	0
कुल (ए) **(1+2+3)**	**69025689**	**0**

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID Madhya Pradesh
Director

Neeraj Kumar
वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिजाईन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

अनुसूची-8

[विनियम 4 का उपनियम 1 देखें]

राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्य प्रदेश

संसद के अधिनियम द्वारा संस्थापित राष्ट्रीय महत्व का संस्थान

31 मार्च 2020 को तुलन पत्रक की अनुसूची

वर्तमान आस्तियां,ऋण, अग्रिम इत्यादि

विवरण	31.03.2020	31.03.2019
बी. ऋण, अग्रिम और अन्य आस्तियां:		
1. ऋण:		
क. एन आई डी अहमदाबाद से प्राप्य	443642	31508941
उप जोड़- **1** (क)	443642	31508941
ख. अरक्षित		
उपजोड़- **1** (क+ख)	443642	31508941
		0
2. अग्रिम:		0
क. आपूर्तिकर्ताओं को पूंजीगत अग्रिम	2849531	0
ख. कार्य के लिये पूंजीगत अग्रिम	57300000	986300000
ग. स्टाफ को आकस्मिक अग्रिम	377400	
घ.		
उप जोड़-**2**	60526931	986300000
3. अन्य आस्तियां		
क. सुरक्षित जमा	462800	
ख. एसटीडीआर पर प्रोद्भूत ब्याज	917681	
ग. वापसी योग्य टीडीएस	120732	
उप जोड़-**3**	1501213	
बी का जोड़ **(1+2+3)**	**62471786**	**1017808941**
(ए+बी) का जोड़	**131497475**	**1017808941**

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh
Director

Neeraj Kumar
वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिजाईन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

अनुसूची-9

[विनियम 4 का उपनियम 1 देखें]

राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्य प्रदेश

संसद के अधिनियम द्वारा संस्थापित राष्ट्रीय महत्व का संस्थान

31 मार्च 2020 को तुलन पत्रक की अनुसूची

आय और व्यय लेखा

विवरण	31.03.2020	31.03.2019
01.04.20 को अधिशेष...	0.00	0
घटायें:- एन आई डी की अपनी आय से पूरे किये गये खर्च	0.00	0
	0.00	0
जोड़ें: मौजूदा वर्ष का घाटा (योजना रेकरिंग)	2069496.00	
घटायें: मौजूदा वर्ष का आधिक्य (गैर योजना रेकरिंग)	0.00	
तुलन पत्रक में दर्ज घाटा	2069496.00	0

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID Madhya Pradesh
Director

Neeraj Kumar
वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिजाईन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

अनुसूची-10

[विनियम 4 का उपनियम 1 देखें]

राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्य प्रदेश

संसद के अधिनियम द्वारा संस्थापित राष्ट्रीय महत्व का संस्थान

31 मार्च 2020 को तुलन पत्रक की अनुसूची

शुल्क

विवरण	31.03.2020	31.03.2019
1. ट्यूशन फीस	9925000.00	
2. छात्रावास शुल्क	3510000.00	
3. विद्यार्थी गतिविधि शुल्क	22800.00	
4. फिल्म क्लब शुल्क	11300.00	
कुल	13469100	

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh
Director

Neeraj Kumar
वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिजाईन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

अनुसूची-11

[विनियम 4 का उपनियम 1 देखें]

राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्य प्रदेश

संसद के अधिनियम द्वारा संस्थापित राष्ट्रीय महत्व का संस्थान

31 मार्च 2020 को तुलन पत्रक की अनुसूची

परियोजना प्राप्तियां/अनुदान (गैर योजना) और

परियोजना व्यय (गैरयोजना) 2019-20

विवरण	31.03.2020		31.03.2019	
	परियोजना व्यय	परियोजना प्राप्तियां	परियोजना व्यय	परियोजना प्राप्तियां
कुल				

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID Madhya Pradesh
Director

Neeraj Kumar
वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिजाईन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

अनुसूची -12
[विनियम 4 का उपनियम 1 देखें]

राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्य प्रदेश

संसद के अधिनियम द्वारा संस्थापित राष्ट्रीय महत्व का संस्थान
31 मार्च 2020 को तुलन पत्रक की अनुसूची
अनुदान और अंशदानों से अंतरण
(राशि रुपये में)

विवरण	31.03.2020	31.03.2019
(अनुसूची '3' से)		
1. केंद्र सरकारी अनुदान सेः आवर्ती व्यय के लिये प्रयुक्त योजना	**53889625.00**	**730392**
कुल	**53889625**	**730392**

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh
Director

Neeraj Kumar
वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिजाईन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

अनुसूची – 13
[विनियम 4 का उपनियम 1 देखें]

राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्य प्रदेश

संसद के अधिनियम द्वारा संस्थापित राष्ट्रीय महत्व का संस्थान
31 मार्च 2020 को तुलन पत्रक की अनुसूची
अर्जित ब्याज

विवरण(निर्धारित निधि के लिये सीधे जमा राशि के अलावा)	31.03.2020	31.03.2019
ए) सावधि जमा पर		
क. एसटीडीआर पर ब्याज	1206970.00	
ख.		
उप-जोड़ ए	1206970.00	0.00
बी) बचत/चालू खाता पर		
क.		
ख.		
उप-जोड़ बी	0.00	0.00
सी) ऋण पर		
क.		
ख.		
उप-जोड़ ग	0.00	0.00
कुल ए+बी+सी	1206970	0

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID Madhya Pradesh
Director

Neeraj Kumar
वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिजाईन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

[विनियम 4 का उपनियम 1 देखें]

राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्य प्रदेश

संसद के अधिनियम द्वारा संस्थापित राष्ट्रीय महत्व का संस्थान

31 मार्च 2020 को तुलन पत्रक की अनुसूची

स्थापना व्यय

ववरण	गैर योजना आर्वती व्यय	योजना आर्वती व्यय			कुल	कुल गैर योजना और योजना आर्वती व्यय
		आर एंड डी	अन्य	कुल		
1. वेतन, पारिश्रमिक और भत्ते						
क.. वेतन और भत्ते		17392992		17392992	**17392992.00**	**695167**
ख. अवकाश यात्रा रियायत				0	**0.00**	
ग. सेवारत कर्मियों के लिये अवकाश नकदी				0	**0.00**	
घ. मानदेय				0	**0.00**	
ड. अवकाश वेतन और पेंशन अंशदान				0	**0.00**	
. अन्य		**19058**		19058	**19058.00**	
				0	**0.00**	
उप-जोड़ 1	**0**	**17412050**	**0**	**17412050**	**17412050**	**695167**
2. भविष्य निधि अंशदान						
क. एनपीएस अंशदान (नियोक्ता अंश)		1891462		1891462	**1891462.00**	
उप-जोड़ 2	0	1891462	0	1891462	1891462	0
3. ग्रैच्युटी अंशदान						
क. ग्रैच्युटी भुगतान				0	**0.00**	
. अवकाश प्राप्त कर्मियों का अवकाश नकदीकरण				0	**0.00**	
ग. अन्य				0	**0.00**	
उप- जोड़ 3	0	0	0	0	0	0
4. चिकित्सा प्रतिपूर्ति और कर्मचारी कल्याण						
क. सेवारत सेवा निवृत्त कर्मियों की चिकित्सा प्रतिपूर्ति		24476		24476	**24476.00**	
ख. अन्य				0	**0.00**	
				0	**0.00**	
उप-जोड़ 4	**0**	**24476**	**0**	**24476**	**24476**	**0**

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID Madhya Pradesh
Director

Neeraj Kumar
वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिजाईन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

अनुसूची – 15

[विनियम 4 का उपनियम 1 देखें]

राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्य प्रदेश

संसद के अधिनियम द्वारा राष्ट्रीय महत्व का संस्थान

31 मार्च 2020 को तुलन पत्रक की अनुसूची

विवरण	गैर योजना आवर्ती व्यय	योजना आवर्ती व्यय			कुल	कुल गैर योजना और योजना आवर्ती व्यय
		आर एंड डी	अन्य	कुल		
1. यात्रा व्यय		1919967		**1919967**	**1919967.00**	
2. टेलीफोन,टेलेक्स,डाक		356269		**356269**	**356269.00**	
3. बिजली खर्च		3795013		**3795013**	**3795013.00**	
4. रखरखाव: यांत्रिक, सूचना प्रौद्योगिकी, विद्युत, इलेक्ट्रॉनिकी		498953		**498953**	**498953.00**	
5. वाहन प्रबंध और संचालन शुल्क		1375913		**1375913**	**1375913.00**	
6. सामग्री,आपूर्ति उपभोग वस्तुएं और विविध व्यय		2981679	0	**2981679**	**2981679.00**	**35225**
7. उपग्रह केंद्रों के लिये सामान्य व्यय		0		**0**	**0.00**	
8. विज्ञापन और प्रचार व्यय		81181		**81181**	**81181.00**	
9. कल्याण, परिसर आयोजन और अन्य व्यय		1826582		**1826582**	**1826582.00**	
10. पुस्तकालय, पत्र-पत्रिका, प्रदर्शनी, अंशदान इत्यादि		11800		**11800**	**11800.00**	
11. विद्यार्थी फ्रीशिप और विकास		56000		**56000**	**56000.00**	
12. फैकल्टी, स्टाफ एचआरडी, अन्य विविध व्यय		122720		**122720**	**122720.00**	
13. संपत्ति कर, कर, उपकर		670845		**670845**	**670845.00**	
14. मरम्मत और रखरखाव				**0**	**0.00**	
15. बीमा				**0**	**0.00**	
16. कानूनी व्यय और पेशेवर फीस		73085		**73085**	**73085.00**	
17. सुरक्षा,हाउसकीपिंग और बागवानी प्रबंध		17099413		**17099413**	**17099413.00**	
18. लेखा परीक्षा शुल्क			0	**0**	**0.00**	
19 जलपान और आतिथ्य व्यय		621603		**621603**	**621603.00**	
20. अनुबंध पर कर्मचारी/ परामर्शदाताओं की आउटसो-र्सिंग		4008225		**4008225**	**4008225.00**	
21. अकादमिक और कार्यशाला संबंधित आकस्मिक व्यय		890070		**890070**	**890070.00**	
22. अतिथि गृह पर व्यय		57021		**57021**	**57021.00**	
23. किराये पर मशीनरी/उपकरण लेने पर व्यय		149320		**149320**	**149320.00**	
24. अन्य विविध व्यय		**35474**		**35474**	**35474.00**	
				0	**0.00**	
कुल **(1+2+3+4)**	**0**	**36631133**	**0**	**36631133**	**36631133**	

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID Madhya Pradesh
Director

Neeraj Kumar
वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिजाईन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Prade

राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्य प्रदेश
अनुसूची 15 का अनुलग्नक

विवरण	31.03.2020	31.03.2019
एन आई डी एमपी के कॉर्पस निधि में अंतरित	**14966793.00**	
कुल	**14966793.00**	**0**

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh
Director

Neeraj Kumar
वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिजाईन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Prade

अनुसूची - 16
[विनियम 4 का उपनियम 1 देखें]

राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्य प्रदेश

संसद के अधिनियम द्वारा संस्थापित राष्ट्रीय महत्व का संस्थान
31 मार्च 2020 को तुलन पत्रक की अनुसूची
आरक्षित या विशिष्ट निधि में अंतरित राशि
(राशि रुपये में)

विवरण	31.03.2020	31.03.2019
एन आई डी एमपी के कॉर्पस निधि में अंतरित	14966793.00	
कुल	14966793.00	0

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID Madhya Pradesh
Director

Neeraj Kumar
वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिजाईन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

अनुसूची - 17
[विनियम 4 का उपनियम 1 देखें]
राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्य प्रदेश
संसद के अधिनियम द्वारा राष्ट्रीय महत्व का संस्थान
31 मार्च 2020 को समाप्त वर्ष के लिये तुलन पत्रक तथा आय और व्यय खाते की अनुसूची

वार्षिक लेखा टिप्पणियां

1.महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां

क) लेखांकन सम्मेलन

वित्तीय विवरण ऐतिहासिक लागत परंपरा के आधार पर तैयार किए जाते हैं, जब तक कि अन्यथा न कहा गया हो और ब्याज आय और विशेषाधिकार प्राप्त अवकाश के प्रति दायित्व को छोड़कर लेखांकन की प्रोद्भवन पद्धति पर।
लेखांकन परिपाटी:

वित्तीय विवरण, जब तक कि अन्यथा निर्दिष्ट न हो, ऐतिहासिक लागत परिपाटी, तथा ब्याज आय और विशेष अनुमति के प्रति दायित्व को छोड़कर, लेखांकन की प्रोद्भूत विधि के आधार पर तैयार किए जाते हैं।

ख) निवेश

दीर्घावधि निवेश लागत पर निर्दिष्ट किये जाते हैं।

ग) आस्तियां

स्थिर आस्तियां निवल मूल्य पर निर्दिष्ट की जाती हैं। लागत में अधिग्रहण से संबंधित बिल-मूल्य, ढुलाई, चुंगी और अन्य प्रासंगिक व्यय शामिल हैं।

घ) सरकारी अनुदान

सरकारी विभागों से प्राप्त मंजूरी के आधार पर लेखांकित किए जाते हैं।

(i) जिस सीमा तक सरकारी अनुदान का उपयोग पूंजीगत व्यय में होता है उसे पूंजीगत निधि में हस्तांतरित किया जाता है।

(ii) राजस्व व्यय की पूर्ति के लिए सरकारी अनुदान, व्यय की सीमा तक उस वर्ष की आय के रूप में माने जाते हैं।

(iii) अपर्युक्त अनुदान आगे स्थानांतरित कर दिए जाते हैं और इसे तुलन पत्रक में देयता के रूप में दर्शाया जाता है।

ड़. ह्रास

i. ह्रास की दर ह्रास की गणना संरेखीय विधि से निम्नलिखित दरों पर की जाती है।

मद	दर (%)
भवन	2.50
मशीनरी संयत्र और उपकरण	10.00
फर्नीचर और स्थायी उपकरण	10.00
कंप्यूटर और पेरीफेरल	20.00
वाहन	20.00
पुस्तकालय की किताबें	10.00

ii. अतिरिक्त ह्रास की गणना अधिग्रहण की तिथि से परे वर्ष भर के लिए की जाती है।

iii. पूंजीगत निधि लेखा, पूंजीगत अनुदान से अधिग्रहित आस्तियों पर ह्रास की सीमा तक आय और व्यय खाते में अंतरित किया गया है।

iv. वर्ष के दौरान बेची गई आस्तियों पर ह्रास दर्ज नहीं किया गया है।

च. विदेशी मुद्रा लेनदेन:

विदेशी मुद्रा में लेनदेन का लेखांकन सौदे की तिथि पर मौजूद विनिमय दर पर किया गया है। विदेशी मुद्रा में बैंक अधिशेष, उस वित्तीय वर्ष की समापन तिथि पर लागू आरबीआई दर पर रुपए में बदला गया है।

छ. वर्तमान आस्तियां, ऋण और अग्रिम

प्रबंधन की राय में मौजूदा आस्तियां, ऋण और अग्रिम का मूल्य व्यापार के सामान्य क्रम में उनकी मान्यता पर आधारित है, यह कम से कम तुलन पत्रक में दर्शाई गई समग्र राशि के बराबर है।

ज. आयकर

(i) संस्थान की आय, आयकर अधिनियम 1961 के तहत, कर से छूट प्राप्त है। इसलिए लेखा में आयकर के लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

(ii) एसटीडीआर पर ब्याज पर घटाई गई 120732 रुपए की टीडीएस राशि को अनुसूची 13 में वर्ष के लिए अर्जित ब्याज माना गया है और इसे अनुसूची आठ-बी वर्तमान आस्तियों के तहत प्राप्य के रूप में दर्शाया गया है।

झ. अवकाश प्राप्ति, अवसान लाभ

कर्मचारियों को अवसान अवधि अवकाश नकदीकरण लाभ

और मृत्यु सह सेवा निवृत्त ग्रेच्युटी (डीसीआरजी) का लेखांकन नकदी आधार पर किया गया है।

ञ. विद्यार्थी शुल्क

(i) मेस शुल्क सहित विद्यार्थियों से लिए जाने वाले विभिन्न शुल्क उस वर्ष के लिए आय माने गए हैं, जिस वर्ष में वे प्राप्त हुए हैं।

(ii) वर्ष 2019-20 के लिए एसटीडीआर पर ब्याज प्रोद्भूत आधार पर लिया गया है। वर्ष 2019-20 के लिए सरकारी अनुदान पर अर्जित ब्याज सहित एसटीडीआर पर कुल ब्याज 12,06,970

रुपए हैं। इसमें से वर्ष 2019-20 के दौरान प्राप्त वास्तविक ब्याज 1,68,557है और प्रोद्भूत ब्याज 10,38,413 रुपए (1,20,732 रुपए के टीडीएस सहित) अनुसूची आठ के तहत वर्तमान आस्तियों के रूप में दर्शाया गया है।

ट. समग्र निधि

1. एन आई डी एमपी की समग्र निधि में वर्ष के दौरान एसटीडीआर पर अर्जित ब्याज सहित आंतरिक स्रोतों से प्राप्त राजस्व जमा किया गया है।

1. वर्ष के लिए आकस्मित देयताएं 66,48,907 रुपए (94,98,438 घटाव 28,49,531) (पिछले वर्ष----------रुपए)

2. पूंजीगत खाते में दर्शाए जाने वाले शेष अनुबंध की अनुमानित राशि 1,95,52,028 रुपए (7,68,52,028 घटाव 5,73,00,000) रुपए हैं। पिछले वर्ष ----------रुपए)

3. वर्ष के लिए.....रुपए का घाटा (पिछले वर्ष .....रुपए) विविध व्यय में घटाया गया है, इस वर्ष के दौरान कोई विशेष सरकारी अनुदान प्राप्त नहीं हुआ है।

4. पिछले वर्ष की संबंधित राशि, आवश्यकतानुसार पुन: समूहबद्ध/पुन:व्यवस्थित की गई है।

5. अंतिम लेखा की राशियों को निकटतम रूपए की पूर्ण संख्या तक राउंडेड ऑफ किया गया है।

6. अनुसूचियों और वार्षिक लेखे की बेहतर प्रस्तुति के लिए विभिन्न अनुसूचियों में नए छोटे/उप शीर्षक शामिल किए गए हैं।

7. संबंधित अनुसूचियों की बेहतर समझ के लिए अनुसूची के साथ अनुलग्नक रखे गए हैं।

8. राष्ट्रीय डिजाईन संस्थान, अहमदाबाद से प्राप्त

9. आंकड़ों सहित वर्ष 2019-20 का आंकड़े निम्नानुसार प्रस्तुत किए गए है।

टिप्पणी: # वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान एन आई डी अहमदाबाद द्वारा 2,06,00.000

		प्राप्त अनुदान	एन आई डी अहमदा-बाद से प्राप्त	निर्माण कार्य पर व्यय	गैर आवर्ती व्यय	आ व र्ती व्यय	एन आई डी एमपी को वापस	मार्च 2020 को समापन अधिशेष
एन आई डी ए	3,15,08,941	1,96,65,064		7,92,511		47,58,070		4,43,642
एन आई डी एमपी		14,64,67,000		5,73,00,000			--	
कुल	3,15,08,941	16,61,32,064		5,80,92,511	361,63,084		206,00,000 #	

एन आई डी मध्यप्रदेश को, वर्ष 2018-19 के लिए अनुदान के समापन अधिशेष के एक भाग के रूप में लौटाई गई थी।

10. मार्च 2020 के लिए बैंक मिलान विवरणियां, मार्च 2020 का बकाया अग्रिम विवरण, मार्च 2020 के लिए प्राप्ति और भुगतान लेखा तथा अन्य आय विवरण भी इस अनुसूची के साथ संलग्न हैं।

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID Madhya Pradesh
Director

वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिजाईन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Prade

समापन आलेख 1

भारत में डिजाईन की उत्पत्ति

* निम्नलिखित महत्वपूर्ण घटनाएं/ विकास क्रम वे प्रमुख उत्प्रेरक शक्तियां मानी जा सकती हैं जिनसे आज का जीवन सहज और सुगम हो पाया है।

* टाइप डिजाइनर जोहानस गुटेनबर्ग द्वारा चल प्रिंटिग प्रेस के आविष्कार ने बड़े पैमाने पर पुस्तकों, पोस्टरों और पैंफ्लेट की छपाई को संभव बनाया। जन संचार के संदर्भ में यह एक महत्वपूर्ण क्रांति थी और निश्चित रूप से यह सामाजिक बदलाव के लिए उत्प्रेरक साबित हुआ।

* भाप के ईंजन के आविष्कार ने औद्योगिक क्रांति की शुरूआत कर दी। इसने उत्पादन प्रक्रिया के प्रत्येक क्षेत्र पर प्रभाव डाला और व्यापक उत्पादन का साधन बना। इसका एक प्रभावी उदाहरण माइकल थोनेट (1859) का बनाया 'नंबर 14 चेयर' है। इसके लिए अकुशल श्रमिकों द्वारा लकड़ी को भाप से तपाया गया, अपेक्षित आकार में मोड़ा गया और इसके बाद एक कुर्सी का आकार दिया गया। योजना के द्वारा डिजाईनिंग और उत्पाद के निर्माण की परिकल्पना- दोनों को अलग-अलग किया गया और इस प्रकार औद्योगिक डिजाइन के एक नए विषय का जन्म हुआ।

* डिजाइन और औद्योगिक क्रांति (क्रांतियां)

* औद्योगिक क्रांति के कारण डिजाइन का रूपांतरण हुआ और इसने बाद के तीव्र विकासों के लिए डिजाइन को एक अग्रिम माध्यम बना दिया। औद्योगिक क्रांति का अगला चरण बिजली के आविष्कार से उत्प्रेरित था। सभी घरेलू उत्पाद बिजली चालित घरेलू उपकरणों से बदल दिए गए और इसने हमारी जीवन शैली को पूरी तरह परिवर्तित कर दिया।

* इसके बाद लगातार विस्तृत होती हुई एक उपभोक्ता श्रेणी सामने आई और उत्पाद डिजाइन के इस नए विषय ने उनकी लगातार बदलती मांगों को पूरा किया। 1909 में एईजी द्वारा आविष्कृत और पीटर बेहरेंस द्वारा डिजाइन की गई इलेक्ट्रिक वॉटर केटल, पहले उत्पाद डिजाइन का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।

* औद्योगिक क्रांति का नवीनतम चरण डिजाइन प्रक्रिया में कंप्यूटर के उपयोग से संचालित है और इसने बड़ी सीमा तक मौजूदा औद्योगिक क्रांति को रूपांतरित किया है। इस क्रांति ने एक-दूसरे से जुड़े दो नए विषयों को जन्म दिया। यानि इंटरफेस डिजाइन और इंटरैक्शन डिजाइन। अनेक डिजिटल उत्पाद और सेवाएं, एनालॉग टेक्नोलॉजी की अधिक कुशल पुनरावृत्ति हैं। वर्ड प्रोसेसिंग सॉफ्टवेयर. टाइपराईटर की डिजिटल पुनरावृत्ति है। हम आज भी पुस्तकों की छपाई करते हैं, फर्नीचर बनाते हैं, उपकरणों का निर्माण करते हैं और सॉफ्टवेयर-हार्डवेयर इत्यादि विकसित करते हैं, लेकिन डिजिटल टेक्नोलॉजी ने सभी उत्पादों के उत्पादन पक्ष में क्रांति ला दी है।

* भारत में 1835 में लॉर्ड मैकाले की शिक्षा प्रणाली लागू होने के बाद ईस्ट इंडिया कंपनी ने 1854 के आसपास कलकत्ता, बॉम्बे और मद्रास में द स्कूल ऑफ आर्ट एंड क्राफ्ट्स की स्थापना की। ये सभी कला और शिल्प विद्यालय समकालीन ब्रिटिश कला और शिल्प स्कूल के मॉडल पर स्थापित किए गए थे। इन्हें भारत में डिजाइन स्कूलों का अग्रदूत माना गया।

* द्वितीय विश्व युद्ध के बाद ब्रिटेन के आर्ट और क्राफ्ट्स स्कूलों ने जर्मनी के कला और शिल्प स्कूल-बॉहास के प्रभाव में इसके अनुरूप अपनी रिमॉडलिंग की। हालांकि भारत के कला और शिल्प स्कूल ने पूरी तरह विशुद्ध कला आधारित शिक्षा पर ध्यान केन्द्रित किया।

* वर्ष 1900 में बॉहास दर्शन और मशीनी कलात्मकता के सिद्धांतों पर एक नया स्कूल स्थापित किया गया। कुछ कलाकारों के समूह द्वारा स्थापित यह स्कूल 'बंगाल स्कूल' कहा गया।

* 1922 में बॉहास के विशेषज्ञों और वेमर पीरियड के विद्यार्थियों ने कलकत्ता में इंडियन सोसायटी ऑफ ओरियंटल आर्ट के मुख्यालय में एक प्रदर्शनी लगाई और इसकी रिपोर्टिंग प्रतिष्ठित संस्कृति पत्र रूपम में की गई।

* इस प्रदर्शनी से प्रभावित रविन्द्र नाथ टेगौर ने शांति निकेतन में विश्व भारती स्थित कला भवन की स्थापना की।

* 1930 के दशक में इस स्कूल की लोकप्रियता शांतिनिकेतन की प्रसिद्धि के साथ चारों ओर फैली। इसने देश में कई अन्य कला विद्यालयों को प्रभावित किया और नए विद्यालयों को जन्म दिया।

* स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत में सभी शैक्षणिक और तकनीकि संस्थानों की सुदृढ़ आधारशिला रखी गई। इस पथ का अनुसरण करते हुए भारत में नए डिजाइन संस्थानों की स्थापना हुई।

* भारत दूसरी सहस्राब्दि ईसा पूर्व काल से ही व्यापक कला और शिल्प परंपराओं की जन्मस्थली रहा है। आधुनिकीकरण के बावजूद अनेक शिल्प परंपराएं समय की कसौटी पर खरी उतरी हैं। ये कला और शिल्प परंपराएँ अपने मौलिक रूप में विद्यमान हैं।

* राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान की अवधारणा, इन प्राचीन कला और शिल्प परंपराओं तथा नए मशीन निर्मित डिजाइन और उत्पादों के बीच एक परिवर्ती सेतु साबित हुई है।

* 1952 में भारत सरकार ने पंजाब राज्य की नई राजधानी की डिजाइन और निर्माण के लिए स्थापत्य कला के विशेषज्ञ ली कॉरबीजियर को अनुबंधित किया। उन्होंने अहमदाबाद में चार भवनों को डिजाइन किया। इन भवनों ने भारत में स्थापत्य कला अध्ययन के शिक्षा मॉडल को प्रभावित किया।

* 1953 में, औद्योगिक नीति प्रस्ताव पारित किया गया और इसने औद्योगीकरण तेज करने तथा सार्वजनिक और सहकारी क्षेत्रों के विकास को बढ़ावा देने पर बल दिया। इससे रोजगार के अवसर बढ़ाने तथा लोगों के जीवन स्तर और काम करने की स्थितियों में सुधार के नए द्वार खुले।

* औद्योगीकरण एक नए विधान के रूप में स्थापित हो गया, यह स्पष्ट था कि देर-सवेर आधुनिक डिजाइन एक आवश्यकता बन जाएगी। इसे समझते हुए औद्योगिक डिजाइन के लिए राष्ट्रीय संस्थान (बाद में इसे राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान कहा गया) की स्थापना 1961 में की गई।

* फोर्ड फाउंडेशन के प्रतिनिधि डगलस एन्समिंगर ने 6 मई 1958 को फाउंडेशन की अपनी रिपोर्ट में लिखा था कि 1954 में आई अमरीका की लघु उद्योग योजना टीम ने सबसे पहली बार सुझाव दिया था कि भारत में डिजाइन स्कूल स्थापित किया जाना चाहिए। भारत सरकार ने इस सुझाव को स्वीकार कर लिया।

* 1956 में आधुनिक कला संग्रहालय ने न्यूयॉर्क में आधुनिक कला संग्रहालय प्रदर्शनी (भारतीय कपड़ा और सजावटी कला) का आयोजन किया था। इस प्रदर्शनी ने प्रसिद्ध अमरीकी औद्योगिक डिजाइनर चार्ल्स एम्स और भारतीय शिल्पकला परंपरा की प्रबल समर्थक और भारतीय हथकरघा और हस्तशिल्प निर्यात परिषद की संस्थापक, भारत सरकार की सांस्कृतिक सलाहकार पुपुल जयकर को साथ आने का अवसर दिया। इन्होंने भारत में डिजाइन आंदोलन के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

* आधुनिक कला संग्रहालय में प्रदर्शनी और प्रकाशन निदेशक मनरो व्हीलर 1956 में भारत आए और उन्होंने वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय को औद्योगिक डिजाइन पर यात्रा प्रदर्शनी भारत में आयोजित करने के लिए सहमत किया। बाद में विश्व के सैकड़ों सर्वोत्तम डिजाइन उत्पाद (1961 मे) एक अनूठे संग्रह के रूप में राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान में स्थानांतरित किए गए।

* भारतीय डिजाइनरों और शिल्पियों से मिली प्रतिक्रियाओं ने भारत सरकार को एक डिजाइन संस्थान स्थापित करने पर विचार करने के लिए प्रेरित किया।

* चार्ल्स और रे एम्स भारत के दूर-दराज से स्थानों तक गए तथा दार्शनिकों, लेखकों, समाजविदों, शिल्पियों, वास्तुकारों, वैज्ञानिकों और उद्योगपतियों से विचार-विमर्श किया। उनके अध्ययन और निष्कर्षों पर आधारित एक रिपोर्ट 7 अप्रैल 1958 को भारत सरकार को प्रस्तुत की गई।

* यह रिपोर्ट भारतीय डिजाइन स्कूल की स्थापना के लिए औपचारिक पृष्ठभूमि मानी गई। ऐसे संस्थान की स्थापना का उद्देश्य डिजाइन के जुड़े विभिन्न विषयों का समाधान करना और रोजगार के अवसर सृजित करना था। इस रिपोर्ट में एक स्वदेशी डिजाइन विरासत स्थापित करने की सिफारिश की गई थी जो आधुनिक डिजाइन विषयों और प्राचीन परंपराओं के विवेकपूर्ण अनुप्रयोग से समकालीन भारत की संबंधित आवश्यकताएं पूरी कर सके।

* पुपुल जयकर ने डिजाइन संस्थान की स्थापना की प्रेरक शक्तियों को साथ लाने में मुख्य भूमिका निभाई।

* भारत सरकार ने राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान की स्थापना में फोर्ड फाउंडेशन की पहल के प्रति आभार व्यक्त किया। विक्रम साराभाई और गौतम साराभाई की बहन गिरा साराभाई ने 1 नवंबर 1961 को पहला एन आई डी कार्यालय खोले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसका शुभारंभ 2 नवंबर 1962 को किया गया।

* आरंभ में राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान कैलिको मिल के कैंपस से परिसर से संचालित किया गया। बाद में इसे, अगले पांच वर्ष के लिए, संस्कार केंद्र (अहमदाहबाद नगर-निगम द्वारा प्रबंधित) की ऊपरी मंजिल पर स्थानांतरित कर दिया गया।

* 1967 में ये संस्थान वर्तमान पाल्दी परिसर में स्थानांतरित किया गया।

* 20 एकड़ में निर्मित राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, अहमदाबाद आधिकारिक रूप से 1961 में अस्तित्व में आया। इसे भारत सरकार द्वारा सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 और बॉम्बे पब्लिक ट्रस्ट अधिनियम 1950 के तहत एक सोसायटी के रूप में पंजीकृत किया गया। यह संस्थान, एक स्वायतशासी संस्थान के रूप में, उद्योग मंत्रालय के तहत रखा गया, जिसे अब वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय कहा जाता है। इस संस्थान को स्नातक और परास्नातक स्तर पर शिक्षा प्रदान करने का अधिदेश प्राप्त है।

* इस संस्थान का लोगोग्राम एड्रियन फ्रूटिगर ने 1965 में तैयार किया और संस्थान का नाम बदलकर राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान किया गया।

* 1965 में दृश्य संचार में पहला परास्नातक कार्यक्रम शुरू हुआ।

* 1966 में उत्पाद डिजाइन में पहला परास्नातक कार्यक्रम शुरू किया गया।

* 1968 में वस्त्र डिजाइन और सेरेमिक डिजाइन में पहले परास्नातक कार्यक्रम की शुरूआत हुई।

* 1969 में फर्नीचर डिजाइन में पहला परास्नातक कार्यक्रम शुरू किया गया।

* 1970 में औद्योगिक डिजाइन और दृश्य संचार मे पहले व्यवसायिक शिक्षा कार्यक्रम की शुरूआत हुई।

* अंतरराष्ट्रीय डिजाइन जगत ने संगोष्ठियों, परिचर्चाओं, कार्यशालाओं और परामर्शों के माध्यम से इस प्रतिष्ठित संस्थान के निर्माण में भागीदारी की। कुछ प्रमुख कार्यक्रम और योगदान, जिनकी इस संस्थान के निर्माण, फैकल्टी और कार्यक्रम विकास में महत्वपूर्ण भूमिका रही, उनका उल्लेख नीचे किया गया है।

* 1960 के दशक में लंदन के रॉयल कॉलेज ऑफ आर्ट की अवसंरचना के अनुरूप 62 कार्यशालाओं की आयोजना की गई। जर्मनी के होशुल फर जेस्टालटंग उल्म, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले के पर्यावरण डिजाइन विभाग, स्थापत्य कला विभाग के डिजाइन शिक्षक जेम्स प्रिस्टिनी ने मशीनी विशेषज्ञता और प्लान मशीन ले-आउट उपलब्ध कराकर कार्यशालाएं लगाने में मदद की।

* रॉयल कॉलेज ऑफ आर्ट, लंदन के पूर्व फोरमैन पी.पी. हैंकॉक को एन आई डी की काष्ठ कार्यशाला की स्थापना के लिए फरवरी 1966 में नियुक्त किया गया।

* जेसे रिचेक (कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले के परामर्शदाता) ने सेवाकाल प्रशिक्षण के बारे में संचालन परिषद को अपना प्रस्ताव सौंपा। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि विद्यार्थी प्रशिक्षु और स्टाफ- दोनों स्तरों पर डिजाइनरों को शिक्षित-प्रशिक्षित करने के लिए अभ्यास सर्वाधिक प्रभावी माध्यम है। इससे शैक्षणिक गतिविधियों में एक आवश्यक अंग के रूप में परियोजना आधारित प्रशिक्षण (स्टाफ और विद्यार्थियों का पेशेवर अभ्यास) की अवधारणा का जन्म हुआ।

* जेम्स प्रिस्टिनी, वॉल्टर ग्रुपियस, लियो लियोनी जॉर्ज नेल्सन, डीन जे लुई एरिक हेर्लो और अर्न्स्ट शेजगर से फैकल्टी सदस्यों को प्रशिक्षित करने और विभिन्न विषयों के लिए पाठ्यक्रम की रूपरेखा विकसित करने के लिए व्यापक परामर्श किया गया। अन्य परामर्शदाता जिनसे संपर्क किया गया वे थे-लुई काह्न, रिचर्ड बरटॉक्स, मैक्सवेल फ्राइ। इनके योगदान ने राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान में एक विशिष्ट संस्कृति विकसित करने में अपार योगदान किया। जॉन एरिक्शन, चार्ल्स एम्स, सॉल बास, नॉरमेन मैक्लेरेन की भी सेवाएं ली गई।

* दृश्य संचार के पहले और दूसरे बैच की अवधि पूरी होने के बाद पी.एम. डालवडी को फोटोग्राफी में उन्नत प्रशिक्षण के लिए स्विटजरलैंड, जर्मनी, इटली, फ्रांस और इंग्लैंड भेजा गया। इशु पटेल और महेन्द्रा सी पटेल ने बासेल, स्विटजरलैंड में उन्नत प्रशिक्षण और पेरिस में टाइप डिजाइन का प्रशिक्षण प्राप्त किया। विकास सतवालेकर प्रशिक्षण के लिए बासेल गए।

* 1962 में आर्मिन हॉफमैन (ग्राफिक डिजाइन विभाग प्रमुख, ऐल्जेमिन जेवेरबेसुल बासेल, स्विटजरलैंड) ने ग्राफिक डिजाइन पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए एन आई डी में 6 महीने बिताए। उनकी पत्नी डोरथिया हॉफमैन ने भी लैटर डिजाइन पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण दिया।

* फ्रिडोलिन मुलर (कला निदेशक, ग्राफिकर, एसडब्ल्यूबी ज्यूरिच), पीटर टेयूबनर (जर्मन विद्वान, बासेल), हैंस क्रिस्टियन पलवर (बासेल) ने ग्राफिक डिजाइन और टाइपोग्राफी का प्रशिक्षण दिया। ब्रूनो फाफी (प्लास्टिक आर्ट अकादमी, पेरिस) ने भी टाइपोग्राफी पढाई। एड्रिना फ्रूटिजर (टाइप डिजाइनर, लिकोल एस्टियन, पेरिस) ने टाइप डिजाइन का प्रशिक्षण दिया। फ्रूटीजर ने वर्कशॉप के माध्यम से हिन्दी लिपि टाइपफेस देवनागरी और अन्य हिन्दी लिपियों के विकास में योगदान दिया।

* इगिल्डो बेसिल (प्रोफेस, ग्राफिक डिजाइन, बासेल) ने दृश्य संचार पाठ्यक्रम में विकास में सहयोग दिया।

* आर्मिन हॉफमैन ने ग्राफिक डिजाइन, लेटर डिजाइन और टाइपोग्राफी के पहले बैच के तीन स्नातकों को प्रशिक्षित किया। इन स्नातकों ने बासेल, स्विटजरलैंड की अध्यापन विधि, अभ्यास और संस्कृति पर भी ध्यान केंद्रित किया।

* बॉब गिल (अमरीकी इलेस्ट्रेटर और ग्राफिक डिजाइनर, डिजाइन कंसलटेंट, रॉयल कॉलेज ऑफ आर्ट, लंदन), एलन फ्लेचर और कॉलिन फोर्ब्स ने 1962 में एन आई डी का दौरा किया और ग्राफिक डिजाइन सक्षमता विकसित करने में योगदान किया।

* 1964 में, क्रिस्टियन स्टॉब (पूर्व फोटोग्राफर, उल्म स्कूल एचएफजी) ने फोटोग्राफी कंसलटेंट के रूप में एन आई डी ज्वाइन किया। 1960 के दशक में हेनरिक कार्टियर ब्रेसन (जाने-माने फ्रांसीसी फोटोग्राफर) भी एन आई डी आए। लगभग इसी समय रॉबर्ट एंडरसन (अमरीकी फोटोग्राफर) ने भी फोटोग्राफी कंसलटेंट के रूप में एन आई डी को ज्वाइन किया।

* 1966 में विख्यात फिल्म निर्माता जॉन हैलास (ब्रिटेन), लियो लियोनी और ग्यूलियो ज्यानिनि (इटली), नॉर्मेन मैकलेरेन (कनाडा) को एन आई डी में एनिमेशन डिजाइन पाठ्यक्रम की स्थापना के लिए आमंत्रित किया गया।

* 1966 में हैंस ग्यूजलॉट (प्रोफेसर, प्रोडक्ट डिजाइन, उल्म स्कूल और कंसलटेंट डिजाइनरस, पश्चिम जर्मनी) ने प्रोडक्ट डिजाइन पाठ्यक्रम विकसित करने में मदद की। उल्म स्कूल में हैंस के सहयोगी ई. रिचेल ने एन आई डी में एक महीने का समय व्यतीत किया तथा अपने सहयोगियों डाइनर और हरबर्ट लिंडिजर (प्रोडक्ट डिजाइन विभाग उल्म) की मदद से पाठ्यक्रम विकसित करने में सहयोग किया।

* 1966 में एन आई डी में पहला संयुक्त पाठ्यक्रम व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रम (पीईपी) डिजाइन फाउंडेशन अध्ययन के रूप में विकसित किया गया।

* ग्राफिक डिजाइन के विद्यार्थियों को अपना पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद स्थल अनुभव के लिए बासेल या पेरिस या अमरीका भेजा गया जबकि प्रोडक्ट डिजाइन के विद्यार्थियों को डिप्लोमा प्रोजेक्ट्स के लिए भेजा गया, जिसे संबंधित उद्योग द्वारा स्पॉसर किया गया और संस्थान द्वारा इन प्रोजेक्ट्स पर निगरानी रखी गई।

* 1966 में आईआईटी मुंबई के कुछ पूर्व विद्यार्थियों ने आईडीसी विभाग शुरू करने में मदद की और इनमें से अधिकांश ने डिजाइन अध्यापन के लिए विभाग में ज्वाइन कर लिया।

* मिशा ब्लैक और ब्रूस आर्चर (रॉयल कॉलेज ऑफ

आर्ट, लंदन के जानेमाने डिजाइनर और प्रोफेसर) ने पूर्व छात्रों को आवश्यक परामर्श दिया।

* आर्नो वोटेलर (प्रमुख, फर्नीचर और आंतरिक सज्जा विभाग, ब्रॉशविग डिजाइन स्कूल, जर्मनी) को अर्नेस्ट रिचेल और हैंस ग्यूजलॉट की सिफारिश पर फर्नीचर डिजाइन पाठ्यक्रम विकसित करने के लिए कंसलटेंट के रूप में नियुक्त किया गया। इनके बाद इनके सहयोगी रॉल्फ मिसोल और मैक्समिलियन जैनिस (वॉटलर संस्थान) की नियुक्ति फर्नीचर डिजाइन पाठ्यक्रम के विकास के लिए की गई।

* जॉर्ज नकाशिमा (जानेमाने अमरीकी आर्किटेक्ट और फर्नीचर डिजाइनर) ने फर्नीचर डिजाइन पाठ्यक्रम की स्थापना में मदद की। टैपियो वर्क्ला (फिनिश फर्नीचर डिजाइनर)ने भी फर्नीचर डिजाइन का प्रशिक्षण दिया। फर्नीचर निर्माण के प्रशिक्षण के लिए फैकल्टीज को कोपेनहैगन भेजा गया।

* हाइको निट्शे (प्रसिद्ध सेरेमिक डिजाइनर, गुस्तावबर्ग्म, स्वीडन) ने 1968 में सेरेमिक डिजाइन में पोस्ट ग्रेज्युएट पाठ्यक्रम की शुरूआत की। हैंस थियो बॉमन (शीर्ष सेरेमिक डिजाइनर, सैलोन इंटरनेशनल सेरेमिक्स,वेनिस) ने पाठ्यक्रम प्रबंधन में सहयोग दिया। इनके बाद इनके सहयोगी लुट्ज जेटलर ने इस पाठ्यक्रम को आगे बढाया।

* 1964 में फ्रेई ओटो (लाइट वेट स्ट्रक्चर इंस्टीट्यूट, स्टर्टगार्ड) ने वास्तुकला पाठ्यक्रम के लिए लाइट-वेट संरचना के अध्ययन में सहयोग किया। अन्य आमंत्रित विदेशी परामर्शदाता थे- लुई कान (वास्तुकला प्रोफेसर, पेनसिल्वेनिया विश्वविद्यालय), एनरिको पेरेसट्टी (मिलान), हैरी विज (शिकागो), क्लाउडे स्टोलर (प्रोफेसर, कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर. बर्कले) और हेनरिच कोसिना (एयरपोर्ट प्लानिंग कंसलटेंट, म्यूनिख)।

* एन आई डी की फैकल्टीज को परामर्शदाता, वास्तुविदों के कार्यालय में कार्य के लिए प्रतिनियुक्ति पर भेजा गया। इनमें से कुछ प्रमुख आर्किटेक्ट थे- लुई कान (फिलाडेल्फिया), पेरेसट्टी का कार्यालय (मिलान), हैरी विज। आर्किटेक्चर पाठ्यक्रम 1969 में हटा लिया गया।

* एन आई डी अहमदाबाद अपने स्थापना से ही अत्याधुनिक अवसंरचना का केंद्र रहा है। इसकी कुछ प्रतिष्ठित धरोहरें इस प्रकार है-

I. ऑक्सबेरी कैमरा (अब एक अभिलेखीय स्मृति है)

II. विश्व के 100 सर्वोत्तम डिजाइन उत्पाद (1961 से यह पूरा संग्रह एन आई डी में स्थायी रूप से प्रदर्शित है)

III.. थोरेंस टर्नटेबल, एकेजी माइक्रोफोन, एम्पेक्स ¼“ मैगनेटिक टेप रिकॉडर, टेनॉय स्पिकर, नागरा ¼“ रिकॉडर।

. IV.. अमरीका से छोटा लेकलर्क करघा।

* जैसाकि हम देख चुके हैं कि एन आई डी अहमदाबाद डिजाइन शिक्षा, अनुप्रयोग, अनुसंधान, प्रशिक्षण, डिजाइन परामर्श सेवा और लोक संपर्क कार्यक्रमों के क्षेत्र में अग्रणी बहुविषयक संस्थान के रूप में उभरा है। इसे भारत सरकार के वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा एक वैज्ञानिक और औद्योगिकी अनुसंधान संगठन के रूप में भी मान्यता मिली है।

* 2005 में एन आई डी गांधीनगर परिसर स्थापित किया गया और बाद में 2007 में एन आई डी बंगलुरू परिसर की स्थापना हुई।

* 2007 में उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग (पहले औद्योगिक नीति और संवर्द्धन विभाग), वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय भारत सरकार ने, डिजाइन सक्षम नवाचारी अर्थव्यवस्था के सृजन और देश में डिजाइन शिक्षा को मजबूती देने के लिए राष्ट्रीय डिजाइन नीति लागू की थी।

* वाणिज्य विभाग से संबंधित संसदीय स्थायी समिति ने व्यापक विचार-विमर्श, परिसर के दौरे और फैकल्टी, विद्यार्थियों, पूर्व छात्रों और डिजाइन जगत के अन्य प्रतिनिधियों के साथ बातचीत के बाद राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान विधेयक 2013 पर अपनी रिपोर्ट 13 अगस्त 2013 को सौंपी।

* यह रिपोर्ट 26 अगस्त 2013 को पहले राज्यसभा में और फिर लोकसभा में पेश की गई।

* 17 जुलाई 2014 का दिन भारतीय डिजाइन शिक्षा के लिए एक स्वर्णिम दिवस माना जाएगा जब राष्ट्रपति ने राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान विधेयक 2014 को अपनी मंजूरी दी। एन आई डी को राष्ट्रीय महत्व का संस्थान घोषित करने की अधिसूचना 18 जुलाई 2014 को भारत सरकार के गजट में प्रकाशित की गई। एन आई डी अधिनियम 2014, 16 सितंबर 2014 से प्रभावी हो गया।

* एन आई डी विधेयक पारित करने से पहले हुए विचार-विमर्श के दौरान दोनों सदनों के सदस्यों ने संस्थान की गतिविधियों की सराहना की और विधेयक पारित करने पर सर्वसम्मति से सहमति दी। अब एन आई डी डिग्री और पीएचडी प्रदान करने के लिए अधिकृत हो गया।

* एन आई डी राष्ट्रीय महत्व का 41वां संस्थान घोषित होने के बाद प्रतिष्ठित संस्थानों के समूह में भी शामिल हो गया।

* 6 मार्च 2007 को राष्ट्रीय डिजाइन नीति जारी की गई और विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के प्रतिनिधियों के साथ निर्देशक, एन आई डी अहमदाबाद को सदस्य सचिव के रूप में शामिल कर एक समिति गठित की गई।

* इस समिति की सिफारिशों ने भारतीय डिजाइन काउंसिल के गठन, डिजाइनरों की चार्टर्ड सोसायटी बनाने, नए डिजाइन संस्थानों के लिए कार्यसमूह गठित करने और मौजूदा संस्थानों में डिजाइन शिक्षा को बढ़ावा देने तथा पूरे देश में डिजाइन जागरुकता कार्यक्रमों के संचालन में सहयोग किया।

THE HUNTER
Government tries to match world record by spending 350cr on project Tiger

समापन आलेख 2

* 13 पदों की 23 रिक्तियों पर भर्ती के लिये विज्ञापन 17.02.2019 को राष्ट्रीय समाचार पत्रों में प्रकाशित हुआ और एन आई डी अहमदाबाद की वेबसाईट पर दिया गया। इनके लिये साक्षात्कार दिल्ली के इंडिया हैबिटेट सेंटर में हुआ।

* एन आई डी अहमदाबाद ने अधिकारियों के पहले बैच की नियुक्ति में सहयोग दिया। श्री प्रद्युम्न व्यास, निदेशक, राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, अहमदाबाद, श्री सिद्धार्थ स्वामिनारायण, सचिव और प्रमुख, सामान्य प्रशासन, एन आई डी अहमदाबाद, वित्त और लेखा विभाग, अधिप्राप्ति और खरीद टीम, डॉ. ललिता पोलुरू के नेतृत्व में के.एम.सी. टीम, श्री नवीन पारेख द्वारा समर्थित आई.टी. टीम, फैकल्टी साक्षात्कार के संचालन के लिये एनडीबीआई टीम, श्री बालाजी (एन आई डी अमरावती) ने रजिस्ट्रार. सीएओ, सीएफए के लिये साक्षात्कार का संचालन किया।

* डॉ. जिग्नेश खाखर, एन आई डी अहमदाबाद ने नये भवन के निर्माण के बारे में एनबीसीसी और आर्किटेक्ट को परामर्श दिया।

* 12 से 17 मार्च 2019 तक सामान्य प्रशासन के सचिव और प्रमुख के मार्ग दर्शन में नियुक्ति पूर्व प्रक्रिया और स्क्रीनिंग कमिटी के लिये आंकड़ो का संकलन वरिष्ठ सहायक, प्रशासन श्री अजय पेंटर ने किया। यात्रा प्रबंध श्री संजय पंडित (एसएओ) और सुश्री दीपशिखा (राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, दिल्ली केंद्र) द्वारा किये गये।

* 23 रिक्तियों के लिये 2336 आवेदन मिले और 888 उम्मीदवारों को छांटा गया।

* स्क्रीनिंग समिति में श्री प्रदीप चोकसी (सेवा निवृत्त वरिष्ठ फैकल्टी ग्राफिक विभाग, एन आई डी अहमदाबाद), श्री सुरेन्द्र नांबियार (सेवानिवृत्त अधीक्षक, एन आई डी अहमदाबाद), श्री एच.पी.व्यास (सेवानिवृत्त फैकल्टी सेरैमिक्स और ग्लास विभाग, एन आई डी अहमदाबाद) और श्री के.के.गोपी (सेवानिवृत्त वरिष्ठ प्रशासनिक स्टाफ, एन आई डी अहमदाबाद) शामिल थे।

* सभी फैकल्टी पदों के लिये साक्षात्कार पैनल में प्रो. धीरज कुमार (अध्यक्ष), श्री वी. रविशंकर, निदेशक, एन आई डी असम (सदस्य), सुश्री कृष्णा पटेल, पूर्व डीन, पीजी कैम्पस, एन आई डी गांधीनगर (सदस्य), श्री प्रदीप चोकसी, सेवा निवृत्त प्रोफेसर, एन आई डी अहमदाबाद (एक्सटर्नल एक्सपर्ट), श्री पराग व्यास, प्रोप्राईटर, ग्रॉउ बार डिजायन स्टूडियोज, इंदौर (एक्सटर्नल एक्सपर्ट), सुश्री नियेन सियाओ (केवल वरिष्ठ फैकल्टी के लिये) वरिष्ठ डिजाइन शिक्षाविद (वरिष्ठ पूर्व विद्यार्थी एन आई डी अहमदाबाद, एक्सटर्नल एक्सपर्ट) शामिल थे।

* रजिस्ट्रार पद के लिये साक्षात्कार समिति में श्री राजीव अग्रवाल, अध्यक्ष, एन आई डी एमपी संचालन परिषद, संयुक्त सचिव, डीपीआईआईटी, उद्योग और वाणिज्य मंत्रालय (अध्यक्ष), प्रो.धीरज कुमार (सदस्य), श्री वी. रविशंकर (सदस्य), प्रो. जतिन भट्ट (प्रो वीसी, अंबेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली, डॉ. चित्रा गिरि, (पूर्व रजिस्ट्रार, आईआईपीए, नयी दिल्ली) शामिल थे।

* मुख्य प्रशासनिक पद के लिये साक्षात्कार समिति में प्रो. धीरज कुमार (अध्यक्ष), श्री वी. रविशंकर (सदस्य), श्री एम.एस फारुखी, सहायक प्रोफेसर, स्कूल ऑफ डिजाइन, एयूडी, दिल्ली (सदस्य), श्री सिद्धार्थ स्वामिनारायण, सचिव और प्रमुख, सामान्य प्रशासन, राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, अहमदाबाद(सदस्य), डॉ. आशीष कुमार, वरिष्ठ विकास अधिकारी, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार (सदस्य) शामिल थे।

* वित्तीय लेखा नियंत्रक पद के लिये साक्षात्कार समिति में प्रो. धीरज कुमार (अध्यक्ष), श्री वी. रविशंकर (सदस्य), श्री महेश कुमार गुलाटी, संयुक्त रजिस्ट्रार, आईआईटी दिल्ली (एक्सटर्नल सदस्य), श्री वी. रघुराम, सलाहकार और कंसल्टेंट, आईपीआर बंगलोर (एक्सटर्नल सदस्य), डॉ. आशीष कुमार, वरिष्ठ विकास अधिकारी, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार (सदस्य) शामिल थे।

* उप रजिस्ट्रार पद के लिये, अर्हताप्राप्त (क्वालिफाईड) उम्मीदवारों की लिखित परीक्षा के बाद, साक्षात्कार समिति में प्रो. धीरज कुमार (अध्यक्ष), डॉ. ए.के. खरे, निदेशक, निफ्ट, भोपाल (एक्सटर्नल सदस्य), श्री मनीष कुमार बहुगुणा, उप रजिस्ट्रार, एयूडी, दिल्ली (एक्सटर्नल सदस्य),सुश्री नीतिका देवगन, वरिष्ठ फैकल्टी, एन आई डी एमपी (सदस्य), श्री सुरेश चंद्र ठाकुर, सीएओ, एन आई डी एमपी, सदस्य सचिव शामिल थे।

* पुस्तकालय अध्यक्ष संसाधन केंद्र पद के लिये साक्षात्कार समिति में प्रो. धीरज कुमार (अध्यक्ष), श्री मनीष कुमार बहुगुणा, उप रजिस्ट्रार, एयूडी, दिल्ली (एक्सटर्नल सदस्य), डॉ. ललिता पोलुरू, पुस्तकालय अध्यक्ष, एन आई डी अहमदाबाद, श्री सुरेश चंद्र ठाकुर, सहायक रजिस्ट्रार, आईआईटी, इंदौर शामिल थे।

* मुख्य सुरक्षा अधिकारी पद के लिये, अर्हताप्राप्त (क्वालिफाईड) उम्मीदवारों की लिखित परीक्षा के बाद, साक्षात्कार समिति में प्रो. धीरज कुमार (अध्यक्ष), डॉ. ए.के.खरे, निदेशक, निफ्ट, भोपाल (एक्सटर्नल विशेषज्ञ), श्री मनीष कुमार बहुगुणा, उप रजिस्ट्रार, एयूडी, दिल्ली (एक्सटर्नल सदस्य),सुश्री नीतिका देवगन, वरिष्ठ फैकल्टी, एन आई डी एमपी (सदस्य), श्री नीरज तहलियानी, सीएफए, एन आई डी एमपी (सदस्य), श्री सुरेश चंद्र ठाकुर, सीएओ, एन आई डी एमपी, शामिल थे।

* 24 जून 2019 को वार्डेन के दो पदों के लिये लिखित परीक्षा संचालित की गयी थी।

* तकनीकी अनुदेशकों के सभी पदों के लिये योग्यता प्राप्त उम्मीदवारों के लिये साक्षात्कार समिति में प्रो. धीरज कुमार (अध्यक्ष), सुश्री कृष्णा पटेल, पूर्व डीन, पीजी कैम्पस, एन आई डी गांधीनगर (एक्सटर्नल

विशेषज्ञ), श्री सुरेश चंद्र ठाकुर, सीएओ (सदस्य) शामिल थे।

* वरिष्ठ अभियंता (भूमि, भवन और रखरखाव) पद के लिये, अर्हताप्राप्त (क्वालिफाईड) उम्मीदवारों की लिखित परीक्षा के बाद, साक्षात्कार समिति में प्रो. धीरज कुमार, निदेशक एन आई डी एमपी (अध्यक्ष),श्री एच.के.धवन, कार्यकारी अभियंता, एनबीसीसी (सदस्य और विशेषज्ञ), श्री सुरेश चंद्र ठाकुर, सीएओ, एन आई डी एमपी (सदस्य), सुश्री नीतिका देवगन, वरिष्ठ फैकल्टी, एन आई डी एमपी शामिल थे।

* सहायक अभियंता पद के लिये अर्हताप्राप्त उम्मीदवारों के इंटरव्यू पैनल में श्री मनीष कुमार बहुगुणा, उप रजिस्ट्रार, एयूडी, दिल्ली (संयोजक),श्री सुरेश चंद्र ठाकुर, सीएओ, एन आई डी एमपी (सदस्य), सुश्री नीतिका देवगन, वरिष्ठ फैकल्टी, एन आई डी एमपी शामिल थे।

* परिसर तक पंहुच (सड़क बिछाने) के लिये अतिरिक्त भूमि प्राप्त की गयी।

* 11.9 हेक्टेयर/29.406 एकड़ भूमि 30.09.2008 को आवंटित की गयी।

* एमपीएमकेवीवीसीएल से बिजली कनेक्शन 30.05.2019 को चालू कर दिया गया।

* एमपीआईडीसी से जलापूर्ति 17.03.2020 से शुरू कर दी गयी।

* 11 जून को 2019 को कृषि भूमि से सार्वजनिक अर्द्धसरकारी में अंतरित आवंटित भूमि के उपयोग का अधिकार प्राप्त हो गया।

* 09.09.2020 को एन आई डी एमपी के लिये अतिरिक्त भूमि आरक्षित

* श्री राजीव अग्रवाल, संयुक्त सचिव, डीपीआईआईटी और एन आई डी एमपी संचालन परिषद अध्यक्ष ने एन आई डी एमपी का दौरा किया।

* डीपीआईआईटी अधिकारी श्री सुशील के. सतपुते, निदेशक और श्री सुंदर सिंह, अवर सचिव ने 30.04.2019 को निरीक्षण के लिये स्थल का दौरा किया।

* डा. आशीष कुमार, ओएसडी, एन आई डी सेक्शन, डीपीआईआईटी ने भी परिसर का दौरा किया।

* एन आई डी भोपाल संचालन परिषद की पहली बैठक 29 मई 2019 को उद्योग भवन दिल्ली में हुई।

* 29 मई 2019 को संचालन परिषद ने अपनी पहली बैठक में एन आई डी भोपाल के लोगो का अनुमोदन किया गया।

* 17 जुलाई 2019 को पैन खाते की शुरूआत।

* जुलाई 2019 में बैंक खाता खुला।

* 7 जून 2019 को निदेशक, एन आई डी परिसर के पहले निवासी के रूप में परिसर में रहने आ गये।

* संस्थान का नाम एन आई डी भोपाल से एन आई डी मध्यप्रदेश करने की सूचना डीपीआईआईटी द्वारा 13 अगस्त 2019 को दी गयी।

* दो अस्थायी कर्मचारी सुश्री निशा कुमार और सुश्री दीपिका की नियुक्ति संस्थान की जरूरतों की व्यवस्था तथा परिसर में विद्यार्थियों और स्टाफ की अगवानी के लिये की गयी (सुश्री निशा ने 1 मई 2019 को और सुश्री दीपिका ने 28 मई 2019 को ज्वायन किया।)

* पहले नियमित कर्मचारी श्री प्रमोद मार्शल ने 11 जून 2019 को ज्वायन किया।

* सुश्री निशा कुमार और श्री प्रमोद मार्शल 15 और 16 जून 2019 को एडमिशन काउंसिलिंग के लिये एन आई डी अहमदाबाद गये।

* सुश्री निशा ने पहली प्रवेश प्रक्रिया संचालित की।

* सुश्री दीपिका ने परिसर की भू संपदा संबंधी मुद्दो की देखभाल की ।

* 57 विद्यार्थियों के पहले बैच का प्रवेश 16 और 17 जुलाई 2019 को संपन्न हुआ।

टिप्पणियाः

Notes:

"स्वयं वह परिवर्तन बनें जो
आप विश्व में देखना चाहते हैं"

महात्मा गांधी

संकलन : प्रो. धीरज कुमार
डिजाइन : सुश्री सेतु शर्मा

राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान
National Institute of Design
मध्यप्रदेश Madhya Pradesh

राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्य प्रदेश
अचारपुरा, ईंट खेड़ी, पोस्ट अरवालिया,
भोपाल, मध्य प्रदेश - 462038